राष्ट्रीय मुख्यधारा PRESS | PRINT | WEB | VIDEO

बोकारो, सोमवार

02.12.2024

पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 11, अंक : 296

हिन्दी दैनिक

mukhyadhara.daily@gmail.com | +91 8873 319 159

RNI : JHAHIN/2014/54374

राष्ट्रीय मुख्यधारा

www.rashtriyamukhyadhara.com

अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

अमेरिका पर भड़क गया चीन, दी खुली धमकी

ताइवान को हथियार देना तुरंत बंद करो, नहीं तो...

एजेंसी। नई दिल्ली

ताइवान को अमेरिकी हथियारों की बिक्री को मंजूरी दिए जाने पर चीन ने कड़ा रुख जताया है। वन चाइना नीति का उल्लंघन मानते हुए चीनी विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा है कि वह अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और आतंकवादी उपायों की रक्षा के लिए मजबूत और दृढ़ जवाबी कदम उठाएगा। उसने अमेरिका से कहा है कि वह ताइवान को तुरंत हथियार देने बंद करे, नहीं तो कड़े कदम उठाए जाएंगे। हाल ही में अमेरिकी रक्षा विभाग ने घोषणा की है कि विदेश विभाग की ओर से ताइवान को 385 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कीमत के हथियारों की बिक्री को मंजूरी दी गई है। इसके बाद चीनी विदेश मंत्रालय भड़क गया। ताइवान को अमेरिकी हथियारों की बिक्री को अंतर्राष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन करार देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "चीन के ताइवान क्षेत्र को अमेरिकी हथियारों की बिक्री एक-चीन सिद्धांत

और तीन चीन-अमेरिका संयुक्त कम्युनिक्यूज, विशेष रूप से 1982 की 17 अगस्त की कम्युनिक्यूज और चीन की संप्रभुता और सुरक्षा हितों का गंभीर उल्लंघन है।" आगे कहा गया कि बिक्री अंतर्राष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है, अलगाववादी ताकतों को एक गंभीर गलत संकेत भेजती है, और चीन-अमेरिका संबंधों और ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता के लिए हानिकारक है। ताइवान को हथियार बेचने का निर्णय अमेरिकी नेताओं की ताइवान स्वतंत्रता का समर्थन न करने की प्रतिबद्धता के साथ असंगत है। चीन इसकी निंदा करता है और इसका कड़ा विरोध करता है और अमेरिका के समक्ष गंभीर विरोध दर्ज कराया है। चीन ने अमेरिका से ताइवान को हथियार देना बंद करने के लिए कहा। चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, "हम अमेरिका से ताइवान को हथियार देना तुरंत बंद करने और अपनी सेना का निर्माण करके ताइवान स्वतंत्रता की मांग करने वाली ताइवान स्वतंत्रता अलगाववादी ताकतों को बढ़ावा देना और समर्थन देना बंद करने का आह्वान करते हैं। चीन राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता की दृढ़ता से रक्षा करने के लिए मजबूत और दृढ़ प्रतिकारात्मक उपाय करेगा।" अमेरिका ने शुक्रवार को ताइवान को 385 मिलियन अमेरिकी डॉलर के हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी, जिससे द्वीप राष्ट्र के साथ सैन्य संबंधों को मजबूत करने के उसके प्रयास जारी हैं। इस कदम ने चीन में चिंताएं बढ़ा दी हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) के अनुसार, इस बिक्री में लड़ाकू विमानों और रडार प्रणालियों के लिए स्पेयर पार्ट्स शामिल हैं, जिसकी डिलीवरी 2025 से शुरू होने की उम्मीद है।

सीमा सुरक्षा बल के 60वें स्थापना दिवस पर पीएम मोदी और गृहमंत्री ने दी बधाई

एजेंसी। नई दिल्ली

- बीएसएफ साहस, समर्पण और रक्षा की एक महत्वपूर्ण पंक्ति के रूप में खड़ा है

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) 60वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा- सीमा सुरक्षा बल को उसके स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। बीएसएफ साहस, समर्पण और असाधारण सेवा का प्रतीक और रक्षा की एक महत्वपूर्ण पंक्ति के रूप में खड़ा है। उनकी सतर्कता और साहस हमारे राष्ट्र की सुरक्षा में योगदान करते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जवानों को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा-बीएसएफ के जवानों और उनके परिवारों को स्थापना दिवस की बधाई। बीएसएफ के जवानों ने भारत के सम्मान और महत्वाकांक्षाओं की पूरी मजबूती के साथ रक्षा की है और इसके लिए जान की बाजी लगाने से कभी पीछे नहीं हटे हैं। उनकी वीरता और बलिदान ने देशभक्तों की पीढ़ियों को यह तय करने के लिए तैयार किया है कि हमारा राष्ट्र हमेशा आगे बढ़ता रहे। सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को मेरी श्रद्धांजलि। बीएसएफ ने अपने एक्स पोस्ट पर लिखा- 60वें सीमा सुरक्षा बल दिवस पर हम सीमा प्रहरी राष्ट्र रक्षा और राष्ट्र निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। अपने ध्येय वाक्य जीवनपर्यन्तकर्त्तव्य को आत्मसात करते हुए हर सीमा प्रहरी अपने कर्तव्यों के प्रति पूर्ण समर्पण से कटिबद्ध हैं। बीएसएफ स्थापना दिवस 1 दिसंबर को मनाया जाता है क्योंकि शांति काल में भारत की भूमि सीमा की रक्षा करने और अंतरराष्ट्रीय अपराध से निपटने के लिए जिम्मेदार सैन्य इकाई की स्थापना 1965 में इसी दिन की गई थी। भारत की विस्तृत सीमाएं 15 हजार किलोमीटर से ज्यादा फैली हुई हैं। बीएसएफ इन सीमाओं की सुरक्षा की बहुत बड़ी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाती है।

चक्रवात फेंजल के बाद सेना ने पुडुचेरी में बचाव अभियान चलाकर 100 नागरिकों को बचाया

एजेंसी। नई दिल्ली

- बाढ़ पीड़ितों को आवश्यक चिकित्सा सहायता, भोजन और पीने का पानी उपलब्ध कराया गया

चक्रवात फेंजल आने के बाद लगातार बारिश से पुडुचेरी के कुछ हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति के कारण भारतीय सेना बचाव और राहत अभियान चला रही है। सेना के जवानों ने बचाव अभियान के दौरान बाढ़ में फंसे हुए 100 नागरिकों को बचाया है। प्रभावित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सेना नागरिक प्रशासन को हर तरह की सुविधाएं मुहैया करवा रही है। बचाए गए सभी व्यक्तियों को आवश्यक चिकित्सा सहायता, भोजन और पीने का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। सेना ने एक बयान में बताया कि चक्रवात फेंजल के बाद पुडुचेरी के जिला कलेक्टर के बुलावे पर चेन्नई से भारतीय सेना के जवानों को भेजा गया। मेजर अजय सांगवान के नेतृत्व में 70 सदस्यीय राहत एवं बचाव टीम रविवार को सुबह 05:30 बजे पुडुचेरी पहुंची। गंभीर रूप से बाढ़ग्रस्त कृष्णा नगर क्षेत्र में सुबह 06:15 बजे बचाव अभियान शुरू हुआ, जहां पानी का स्तर 5 फीट तक बढ़ गया था। इस टीम ने अटूट समर्पण का परिचय देते हुए 100 फंसे हुए नागरिकों को बचाया है। प्रभावित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राहत प्रयास जारी हैं। भारतीय सेना की दक्षिणी कमान ने बताया कि पुडुचेरी में चक्रवात फेंजल के कारण आई बाढ़ से प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय सेना की टुकड़ी राहत और बचाव अभियान चला रही है। भारतीय सेना इस आपदा के दौरान फंसे हुए लोगों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुडुचेरी में भारतीय सेना का बचाव अभियान जोरों पर है, जिसमें एनडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन, पुलिस और राज्य बचाव दल के समन्वित प्रयास शामिल हैं। बाढ़ प्रभावित कृष्णानगर और कुबेर नगर जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रत्येक स्थान से 100 से अधिक व्यक्तियों को सफलतापूर्वक बचाया गया है। जीवा नगर और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में प्रयास जारी हैं।

संक्षिप्त समाचार

अब 'अढ़ाई दिन के झोपड़े' का मुद्दा गरमाया, नमाज पर पाबंदी लगाने की उठाई मांग

अजमेर। अजमेर दरगाह का मामला शांत भी नहीं हुआ था कि एक और प्राचीन मस्जिद को लेकर विवाद शुरु हो गया। यह विवाद देश की सबसे प्राचीन मस्जिदों में से एक अढ़ाई दिन का झोपड़ा को लेकर है। दरअसल, पिछले दिनों से हिंदू और जैन संत यहां आकर जबरन नमाज़ पढ़ने का विरोध जता चुके हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां के गर्भगृह और बाहर की दिवारों के खंभों पर साफ-साफ हिंदू-जैन मंदिर शैली में देखे जा सकते हैं। विवाद की शुरुआत उस वक्त हुई जब एक जैन साधु अढ़ाई दिन के झोपड़े को देखने के लिए जा रहे थे। तब उनको समुदाय विशेष के लोगों ने रोक दिया था। इसके बाद विवाद बढ़ा, क्योंकि अढ़ाई दिन का झोपड़ा एक पर्यटन स्थल है, जिसकी देखरेख की जिम्मेदारी भारतीय पुरातत्व विभाग की है। इस घटना के बाद अजमेर सहित देश भर के जैन समुदाय ने प्रशासन के सामने अपत्ति दर्ज कराई थी। अजमेर नगर निगम के डिप्टी मेयर नीरज जैन ने करते हुए कहा कि अढ़ाई दिन का झोपड़ा पहले जैन मंदिर था। यहां पर संस्कृत विद्यालय भी था। इसके प्रमाण जैन महाराज सुनील सागर जी ने वहां पर विहार के दौरान बताए हैं। डिप्टी मेयर नीरज जैन ने कहा कि उन्होंने कई बार राज्य व केंद्र सरकार से इसका सर्वेक्षण करने व इसको अपने मौजूदा स्वरूप में लौटाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि समाज विशेष के द्वारा वहां पर की जा रही अनैतिक गतिविधियां अतिक्रमण व धार्मिक क्रियायों पर रोक लगाने की भी उन्होंने प्रशासन व सरकार से मांग की है। मैं केंद्र सरकार से और राज्य सरकार से मांग करता हूं कि उसका संरक्षण संवर्धन करके उसके प्राचीन वैभव को लौटाने का प्रयास किया जाए।

अब डॉलर पर जंगः भड़के ट्रंप ने कहा- अलग मुद्रा बनाने वाले देशों को नहीं छोड़ेंगे

वॉशिंगटन। दुनिया में डॉलर को लेकर नई बहस शुरु हो गई है। कई देश डॉलर के विकल्प का समर्थन कर रहे हैं। इस पर अमेरिका को घोर आपत्ति है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुस्से में यहां तक कह दिया कि यदि ब्रिक्स देशों ने अमेरिका के डॉलर को रिप्लेस करने के लिए कोई नई करेंसी लॉन्च की तो वह इन देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगा देंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने की कोई साजिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दें कि ब्रिक्स देशों में भारत के साथ ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, यूएई और ईरान शामिल हैं। इसके अलावा अजरबैजान तुर्की और मलेशिया भी इसकी सदस्यता चाहते हैं। बता दें कि ब्रिक्स में भारत शामिल जरूर है लेकिन कई ऐसे देश भी हैं जिनसे अमेरिका का 36 का आंकड़ा रहता है। इसमें रूस और ईरान भी शामिल हैं। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी को मुख्यतः रूस और ईरान के नजरिए से देखा जा रहा है। इसी साल रूस में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में वैकल्पिक मुद्रा की बात की गई थी। रूस इसका ज्यादा समर्थन कर रहा था। चर्चा थी कि ब्रिक्स देश अमेरिकी मुद्रा को चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं।

यदि यूनियन कार्बाइड मान लेती वकील की बात, नहीं जाती 5,479 लोगों की जान

एजेंसी। भोपाल

भोपाल गैस त्रासदी

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक गैस त्रासदी को लेकर पहले ही अंदेशा जताते हुए एक वकील ने घटना के करीब 21 माह पहले 'यूनियन कार्बाइड कंपनी' को नोटिस भेजा था जिसमें लोगों के स्वास्थ्य पर मंडरा रहे खतरे का हवाला देकर कंपनी से कीटनाशक संयंत्र में जहरीली गैसों का उत्पादन बंद करने को कहा गया था। बहरहाल, अमेरिका की बहुराष्ट्रीय कंपनी ने उनके आरोपों को खारिज कर दिया था लेकिन कंपनी की यही लापरवाही 1984 में दो और तीन दिसंबर की दरमियानी रात को हुई भयानक गैस रिसाव त्रासदी के रूप में सच साबित हुई। इस संयंत्र से अत्यधिक जहरीली गैस 'मिथाइल आइसोसाइनेट' के रिसाव के कारण 5,479 लोगों की जान चली गई और पांच लाख से अधिक लोग अपंग हो गए। दरअसल वकील शाहनवाज खान ने चार मार्च 1983 को 'यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड' (यूसीआईएल) को नोटिस भेजा था, इसमें आसपास रहने वाले 50,000 लोगों के स्वास्थ्य पर खतरे का हवाला देकर जहरीली गैसों का उत्पादन बंद करने के लिए कहा गया था लेकिन यूसीआईएल ने अपने सुरक्षा तंत्र को दुरुस्त करने के बजाय 29 अप्रैल 1983 को खान को दिए जवाब में उनकी चिंताओं और आरोपों को ''निराधार'' बताकर खारिज कर दिया था। यूसीआईएल के भोपाल इकाई के कार्य प्रबंधक जे मुकुंद ने जवाब के अंतिम पैरा में लिखा था, ''हम आपके चार मार्च 1983 के नोटिस में लगाए गए सभी आरोपों को फिर खारिज करते हैं और अगर आप हमारे खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई करते हैं, तब हम भी इसका उचित जवाब देने को तैयार है।

नागालैंड भारत की समृद्ध सांस्कृतिक छवि पर हमारी विविधता का अनुपम उदाहरण

एजेंसी। नई दिल्ली

- नागालैंड स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सहित नेताओं ने नागालैंड के लोगों को राज्य के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- राज्य के स्थापना दिवस पर नागालैंड के लोगों को शुभकामनाएं। वनस्पतियों और जीवों की समृद्ध विरासत से संपन्न नागालैंड बहादुरी की भूमि है। कई विकास मापदंडों में नागालैंड की प्रगति सराहनीय है। इस खूबसूरत राज्य के लोगों को शांतिपूर्ण, समृद्ध और प्रगतिशील भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नागालैंड वासियों को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा नागालैंड दिवस पर नागा बहनों और भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएं। गौरवशाली संस्कृति और विरासत से समृद्ध, नागालैंड भारत की समृद्ध सांस्कृतिक छवि पर हमारी विविधता का एक अनुपम उदाहरण है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि सीएम नेफ्यू रियो के नेतृत्व में प्रदेश समृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़े। नागालैंड के सीएम नेफ्यू रियो ने प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए एक्स पोस्ट में लिखा- नागालैंड के लोगों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। हम गर्व और कृतज्ञता के साथ राज्य के 62 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। यह एक प्रगति की यात्रा रही है। आइए हम अपनी विरासत का सम्मान करें और एक साथ मिलकर उज्जवल भविष्य के लिए प्रयास करें। नागालैंड के राज्यपाल ला गणेशन ने राज्य के 62वें राज्य दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी और इसकी ऐतिहासिक यात्रा, उपलब्धियों और भविष्य की आकांक्षाओं पर प्रकाश डाला है। राज्य दिवस की पूर्व संध्या पर एक वीडियो संदेश में राज्यपाल गणेशन ने कहा कि प्रदेशवासियों की अटूट भावना और मजबूत संकल्प हमारे लोगों की ताकत का प्रमाण है, जिन्होंने भारत के विशाल क्षेत्र में नागालैंड के लिए एक विशिष्ट पहचान बनाने के लिए अथक परिश्रम किया है। उन्होंने कहा कि हमारे जीवंत त्यौहार और समृद्ध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां हमारी एकता और विविधता के प्रमाण हैं। यह एक अनमोल उपहार है जिसे अत्यंत सावधानी और जिम्मेदारी के साथ संरक्षित किया जाना चाहिए।

लगातार दूसरे महीने बिकवाल बने रहे एफपीआई, नवंबर में की 21,612 करोड़ की बिकवाली

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) लगातार दूसरे महीने भी बिकवाल की भूमिका में बने रहे। नवंबर के महीने में विदेशी निवेशकों ने स्टॉक मार्केट से 21,612 करोड़ रुपये यानी 2.56 अरब डॉलर की शुद्ध निकासी की। माना जा रहा है की डॉलर इंडेक्स की मजबूती, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में हुई बढ़ोतरी और घरेलू अर्थव्यवस्था में आई तात्कालिक गिरावट की वजह से विदेशी निवेशकों ने लगातार दूसरे महीने भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली का रुख बनाए रखा है। राहत की बात ये रही कि नवंबर के महीने में अक्टूबर की तुलना में विदेशी निवेशकों ने कम मात्रा में पैसों की निकासी की। अक्टूबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट से 94,017 करोड़ रुपये यानी करीब 11.2 अरब डॉलर की निकासी की थी। भारतीय शेयर बाजार के इतिहास में पहली बार विदेशी निवेशकों ने इतने बड़े पैमाने पर बिकवाली करके पैसों की निकासी की थी। हालांकि अक्टूबर के पहले सितंबर के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक पूरी तरह से लिवाल की भूमिका में कारोबार कर रहे थे। सितंबर में विदेशी निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में 57,724 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की थी।

गैंगस्टर्स के कब्जे में दिल्ली, कारोबारियों को आ रहे फिरौती के कॉल : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कानून व्यवस्था को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर भड़के। उन्होंने कहा कि दिल्ली में डर का माहौल है। दिल्ली की महिलाएं डरी हुई हैं। गैंगस्टर्स के कब्जे में दिल्ली आ चुकी है। दिल्ली में कानून व्यवस्था खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली के अंदर आज कारोबारियों के पास फिरौती की कॉल आ रही हैं। अगर वे नहीं सुनते हैं, तब अगले ही दिन उसके घर या दुकान के बाहर फायरिंग होती है वे एक पर्ची भी छोड़ जाते हैं जिसमें धमकी दी जाती है। उन्होंने कहा कि मैं यह सब मुद्दे उठा रहा हूं, तब मेरे ऊपर कल पदयात्रा में परल पदार्थ फेंका गया। शनिवार को मेरे एक विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि विधायक भी गैंगस्टर से परेशान हैं। उनके पास भी गैंगस्टर की कॉल आ रही थीं उन्हें धमकी दी जा रही थी। 2023 में उन्होंने पुलिस को शिकायत की थी, उसके बेटे को मारने की धमकी दी गई। 30 से 40 बार विधायक को गैंगस्टर कपिल सांगवान की ओर से धमकी दी गई। उन्होंने कहा कि हमारे विधायक को गिरफ्तार कराकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संदेश दिया है कि अगर आप के पास गैंगस्टर की कोई कॉल आती है और पुलिस में शिकायत देते हैं, तब आप को ही गिरफ्तार किया जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि मेरी शाह जी को चुनौती है कि अगर हिम्मत है, तब गैंगस्टर को गिरफ्तार करके दिखाओ।

संभल जामा मस्जिद जांच के दौरान हिंसा की जांच करने पहुंची न्यायिक आयोग की टीम

एजेंसी। संभल

उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुई हिंसा की जांच करने न्यायिक आयोग की टीम आज रविवार सुबह पहुंची है। टीम के सदस्यों घटनास्थल का मुआयना करना शुरु कर दिया है। न्यायिक आयोग की 03 सदस्यीय टीम 04 बिंदुओं पर अपनी जांच केंद्रित करेगी। संभल जामा मस्जिद के दूसरे सर्वे के दौरान हुई हिंसा की जांच करने 01 दिसंबर रविवार की सुबह 10 बजे न्यायिक आयोग की टीम संभल पहुंची है। टीम पहुंचने से पहले ही मस्जिद के बाहर व आस-पास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। यहां पहुंची न्यायिक आयोग की टीम में तीन सदस्य हैं, जो प्रमुख रूप से 04 बिंदुओं पर अपनी जांच केंद्रित करेंगे। इन बिंदुओं में सर्व प्रथम क्या हिंसा किसी साजिश के तहत सुनियोजित ढंग से की गई थी? तब क्या पुलिस सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त थी? इसके साथ ही हिंसा किन कारणों से हुई और तब क्षेत्र के हालात क्या थे? इन सब की वजह क्या थी? भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा घटित न हो इसके लिए क्या उपाय करने होंगे। इन प्रमुख बिंदुओं पर न्यायिक आयोग की टीम अपनी जांच करेगी। बताते चलें कि बीते 24 नवंबर को जामा मस्जिद के दूसरे सर्वे के बीच हिंसा भड़क गई थी जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में अनेक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके साथ ही प्रशासन ने शांति बहाली का हवाला देते हुए 10 दिसंबर तक बाहरी लोगों की एंट्री पर रोक लगा दी है।

कोर्ट ने इमरान खान को दंगे मामले में साजिश रचने का दोषी ठहराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक कोर्ट ने जेल में बंद देश के पूर्व पीएम इमरान खान को पिछले साल हुए दंगों में अपराधियों को उकसाने और साजिश रचने का दोषी करार दिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक पर 9 मई 2023 की हिंसा के संबंध में लाहौर में कई मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें अपने समर्थकों को सरकारी और सैन्य भवनों पर हमला करने के लिए उकसाने का आरोप भी शामिल था। आतंकवाद निरोधक कोर्ट के न्यायाधीश ने पिछले साल 9 मई के दंगों के आठ मामलों में पूर्व पीएम इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद जमानत याचिकाओं के बारे में जारी एक लिखित आदेश में टिप्पणी की कि ये अपराध सीआरपीसी की धारा 497 के निषेधात्मक खंड के अंतर्गत आते हैं। याचिकाकर्ता इमरान खान को दोषी पाया गया। न्यायाधीश ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने षड्यंत्र रचने के आरोप को साबित करने के लिए गवाहों के बयान और याचिकाकर्ता के खिलाफ उकसाने के आरोप को साबित करने के लिए ऑडियो/विजुअल सबूत पेश किए।

अपनी धुरी से खिसक रही धरती, दूरगामी असर होने के मिल रहे संकेत

- अध्ययन में हुआ खुलासा, जमीन से पानी निकालना बन रहा वजह

नई दिल्ली। हाल के कुछ दशकों में वैज्ञानिक कई बदलाव देख रहे हैं जिसमें उत्तरी ध्रुव का जगह बदलना, पृथ्वी की घूमने की गति में बदलाव होना शामिल है। अब एक नए अध्ययन ने पाया गया है कि पृथ्वी अपनी जिस धुरी पर घूम रही है, अब उसमें भी बदलाव हो रहा है, उन्होंने पाया है कि इस धुरी का झुकाव बदल रहा है और यह अब 31.5 इंच तक पहुंच चुका है। इस अध्ययन के मुताबिक इसकी वजह है मानवीय गतिविधियां और जमीन के अंदर के पानी को बहुत ज्यादा मात्रा में निकालना है, लेकिन नतीजे बता रहे हैं इसका संबंध भारत से भी हो सकता है। इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि जमीन के अंदर पानी बहुत ज्यादा निकालने की वजह से धरती के घूर्णन का ध्रुव अपनी जगह बदल रहा है यानी ध्रुव के बिंदु खिसक रहे हैं। यह इंसान के कारनामों का कुदरत पर बुरे असर की मिसाल है। इस वजह में भारत की भी एक खास भूमिका दिख रही है। शोध से पता चलता है कि 1993 से 2010 के बीच जमीन के पानी की कमी के कारण धरती का ध्रुव करीब 80 सेंटीमीटर पूर्व की ओर खिसक गया है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि अध्ययन अवधि के दौरान इंसानों ने करीब 2,150 गीगाटन जमीनी पानी बाहर निकाला है। हकीकत ये है कि धरती की इस धुरी में बदलाव की असल वजह समुद्री जल स्तर में इजाफा है। जो करीब 0.24 इंच बढ़ा है और इससे धरती पर भार का वितरण गड़बड़ा गया है। यही कारण है कि घूर्णन का ध्रुव यानी धुरी हर साल 4.36 की दर से खिसक रहा है। किसी ग्रह के घूमने की धुरी आदर्श रूप में उसकी सूर्य के परिक्रमा की तुलना में सीधे ऊपर से नीचे जाती है, लेकिन पृथ्वी के मामले में अभी तक इस रेखा से उसकी धुरी का कोण करीब 33 डिग्री है, लेकिन पूर्व में इस गणना के लिहाज से जो बिंदु पृथ्वी के घूर्णन का बिंदू था वह अब अपने स्थान से 80 सेमी खिसक गया है। हालाकि यह कोण के लिहाज से बहुत ज्यादा बदलता हुआ शायद ना दिखे लेकिन दूरी के लिहाज से एक बड़ा बदलाव हो सकता है। गौरतलब है कि इससे पहले वैज्ञानिक इस बदलाव की वजह दुनिया भर में पिघलने वाली बर्फ का बढ़ना मान रहे थे जो कि ग्लोबल वार्मिंग की वजह से बहुत तेजी से पिघल रही है यानी जितना नुकसान दुनिया को बर्फ की चादरों के पिघलने से हो रहा है उससे कहीं ज्यादा जमीन के अंदर का पानी महासागरों तक जाने से हो रहा है।

'खोज संवाद' में अपने प्रबुद्ध आलेख, विश्लेषण, विचार, साक्षात्कार प्रकाशित करवाने के लिए हमें 8873319159 पर संर्पक करें – संपादक

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

छह दिसंबर को परिवर्तित मार्ग से गुजरेगी टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल के अंतर्गत विकास कार्य के लिए रोलिंग ब्लॉक लिया जाएगा। रेलवे से रविवार को मिली जानकारी के अनुसार इस दौरान रांची रेल मंडल से परिचालित ट्रेन संख्या 18601 टाटानगर-हटिया एक्सप्रेस ट्रेन छह दिसंबर को अपने निर्धारित मार्ग चांडिल-पुरुलिया- कोटशिला-मुरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग चांडिल-गुंडा बिहार-मुरी होकर चलेगी।

बंगाल बॉर्डर पर आलू रोकने के मामले में मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान, मुख्य सचिव को दिए निर्देश

रांची। बंगाल बॉर्डर पर 30 नवंबर को आलू के वाहन रोकने की खबरों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव से तत्काल मामले में निष्पादन करने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत से फोन पर मामले का निष्पादन के लिये बात की है। मनोज पंत ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही एक कमेटी बनाकर आलू के मामले का निष्पादन सुनिश्चित किया जायेगा।

हजारीबाग में डिवाइडर से टकराई स्कूटी, दो युवकों की हालत नाजुक, रिम्स रेफर

हजारीबाग। कटकमसांडी में सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना कटकमसांडी थाना क्षेत्र अंतर्गत कटकमसांडी डांटो मार्ग पर भदुलिया के पास हुई है। तीखे घुमावदार मोड़ पर स्कूटी असंतुलित होकर डिवाइडर से जा टकराई और उस पर सवार दो युवक गड्ढे में जा गिरे। दोनों को रिम्स रेफर कर दिया गया है। घायलों में डांटो निवासी विकास कुजूर तथा कटकमसांडी छलटा निवासी रंजीत नोन्हा हैं। रंजीत नोन्हा स्कूटी से विकास कुजूर को डांटो छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान दोनों हादसे का शिकार हो गए। राहगीरों ने घायलावस्था में दोनों को देखा तो घटना की जानकारी कटकमसांडी पंचायत की मुखिया को फोन से दी। कटकमसांडी पुलिस को भी इसकी सूचना दी गई। घायलों को कटकमसांडी सीएचसी लाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल हजारीबाग भेज दिया। वहां डॉक्टरों ने दोनों की गंभीर हालत और हेड इंजरी होने के कारण तुरंत रिम्स रांची रेफर कर दिया।

भाजपा कार्यालय के बाहर कुशवाहा समाज का प्रदर्शन

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यालय में दो दिवसीय समीक्षा बैठक चल रही है। इस दौरान रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर झारखंड के विभिन्न जिलों से आए कुशवाहा समाज के लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मांग की है कि कुशवाहा समाज से जीतकर आने वाले विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता को नेता प्रतिपक्ष बनाया जाए। पार्टी कार्यालय के बाहर हाथों में बैनर-पोस्टर लिए कुशवाहा समुदाय के लोग नारेबाजी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा उम्मीदवार कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने 2024 में हुए विधानसभा चुनाव में पांकी सीट से जीत हासिल की थी। उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार देवेन्द्र सिंह को 9796 के वोट मार्जिन से हराया था। उन्हें चुनाव में 75991 वोट मिले थे।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा सात को

बोकारो : बोकारो की प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की एक महत्वपूर्ण आमसभा आगामी सात दिसम्बर को परिषद की ओर से संचालित सेक्टर-4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में होगी। परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था की नई कार्यकारिणी समिति के गठन को लेकर विगत 13 अक्टूबर, 2024 को सम्पन्न हुई मिथिला सांस्कृतिक परिषद की आमसभा के निर्णयानुसार परिषद की दूसरी आमसभा दिनांक 20 अक्टूबर, 2024 को आहूत की गई थी। परन्तु, विधानसभा चुनाव 2024 के आलोक में आदर्श आचार संहिता लागू रहने के कारण अनुमंडल पदाधिकारी, चास के आदेशानुसार उक्त आमसभा की बैठक स्थगित कर दी गई थी। इसी वजह से परिषद की आमसभा अब आगामी सात दिसम्बर को संध्या 6.00 बजे से आहूत की गई है। श्री चौधरी ने उक्त आमसभा में परिषद के सभी सदस्यों से शामिल होने का आग्रह किया है।

राज्य में दिन-प्रतिदिन कमजोर हो रहे भाकपा माओवादी सहित अन्य नक्सली संगठन

रांची। झारखंड में भाकपा माओवादी सहित अन्य नक्सली संगठन दिन-प्रतिदिन कमजोर होते जा रहे हैं। हाल के दिनों में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में झारखंड में माओवादियों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। पिछले 59 महीने (चार साल 11 महीने) की बात करें तो राज्य के अलग-अलग जिलों में भाकपा माओवादी संगठन और छोटे-छोटे संगठन से जुड़े कुल 64 नक्सली मारे गये। इस दौरान 620 बड़े नक्सली गिरफ्तार भी हुए। नक्सलियों के साथ इस लड़ाई में सुरक्षाबलों को भी नुकसान उठाना पड़ा है। इन चार साल 11 महीने में नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में 18 जवान भी शहीद हुए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार, झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, गुमला, लातेहार और लोहरदगा नक्सल प्रभावित जिले हैं। इनमें पश्चिमी सिंहभूम को अति नक्सल प्रभावित जिले की सूची में रखा गया है जबकि शेष चार नक्सल प्रभाव वाले जिले गिरिडीह, गुमला, लातेहार और लोहरदगा जिला आफ कंर्सन (डीओसी) की सूची में हैं।

राज्य में नक्सलियों के 11 दस्ते सक्रिय

- चाईबासा जिले के जराइकेला और टोंटो थाना क्षेत्र में मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, सिंगराई, अजय महतो का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 65 नक्सली कैडर शामिल हैं।
- चाईबासा जिले के गोइल केरा और सोनुवा थाना क्षेत्र में मेहनत और अमित मुंडा का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 30 नक्सली कैडर शामिल हैं।
- बोकारो जिले में विवेक और रघुनाथ का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 23 नक्सली कैडर शामिल हैं।
- लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र में रविंद्र गंझू का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में पांच नक्सली कैडर शामिल हैं।
- चतरा जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र में मनोहर गंझू का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में तीन नक्सली कैडर शामिल हैं।
- पलामू जिले के मोहम्मदगंज और हैदरनगर थाना क्षेत्र में नितेश यादव का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में छह नक्सली कैडर शामिल हैं।

टीपीसी, जेजेएमपी और पीएलएफआई पुलिस के रडार पर- टीपीसी, जेजेएमपी और पीएलएफआई झारखंड पुलिस के रडार पर हैं। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने रविवार को बताया कि झारखंड में नक्सलवाद की समस्या 95 प्रतिशत खत्म हो चुकी है। फिलहाल, हमारे लिए नक्सलियों के छोटे संगठन (स्प्लिंटर ग्रुप) का सफाया करना बेहद जरूरी है। झारखंड के कुछ जिलों में पिछले दो महीने के दौरान नक्सलियों के स्प्लिंटर ग्रुप के जरिये कई हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया गया है। छोटे-छोटे समूह में तब्दील होकर स्प्लिंटर ग्रुप आगजनी के साथ-साथ व्हाट्सएप कॉल कर कारोबारियों से रंगदारी की डिमांड कर रहे हैं। डीजीपी ने बताया कि कुछ आपराधिक गिरोह के साथ-साथ टीपीसी, पीएलएफआई, जेजेएमपी और भाकपा माओवादियों के छोटे ग्रुप एक्टिव हैं। ऐसे नक्सलियों के जरिये कुछ घटनाओं को जरूर अंजाम दिया गया है लेकिन पिछले एक साल के दौरान उनके संगठन के अधिकांश बड़े उग्रवादी या तो मारे गए या फिर पकड़े गए लेकिन इन संगठनों के कुछ स्प्लिंटर ग्रुप बचे हुए हैं, जिन पर कार्रवाई की जा रही है। स्प्लिंटर ग्रुप में शामिल नक्सली छोटे हथियार के साथ सिविल ड्रेस में वारदात को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे नक्सलियों की लिस्ट तैयार की गई है। साथ ही उनके समर्थकों को भी चिह्नित किया गया है, जो उनके लिए मोबाइल सहित दूसरे समान उपलब्ध करवाते हैं। सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को यह निर्देश दिया गया है कि वह एक टीम बनाकर ऐसे स्प्लिंटर्स ग्रुप के खिलाफ कार्रवाई करें। खासकर पलामू आईजी को कड़ा निर्देश जारी किया गया है कि न सिर्फ कार्रवाई करें, बल्कि फरार उग्रवादियों और अपराधियों के खिलाफ जमकर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई करें।

गृह रक्षा वाहिनी के पारण परेड में शामिल हुईं उपायुक्त

हजारीबाग। हजारीबाग के झारखंड गृह रक्षा वाहिनी क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में रविवार को पासिंग आउट परेड समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त नैंसी सहाय शामिल हुईं। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त ने परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी प्रशिक्षणरत गृहरक्षा वाहिनी के जवानों को सेवा मूल्यों को बनाए रखने, संविधान में श्रद्धा और सच्ची निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने की शपथ दिलाई गई। मार्च पास्ट के दौरान प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण का शानदार नजारा दिखा। उपायुक्त ने कहा कि 188 होमगार्ड के जवानों ने अपना प्रशिक्षण पूरा किया है। इस प्रशिक्षण की अवधि 63 दिनों की थी। प्रशिक्षण के बाद गढ़वा जिले के 388 गृहरक्षकों ने मार्च पास्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अब ये गृह रक्षक अपने गृह जिला गढ़वा में सेवा देंगे। उपायुक्त ने इनके कड़े प्रशिक्षण की सराहना की और प्रशिक्षकों ने भी बहुत कम समय में प्रशिक्षण की अवधि को पूर्ण कराया उन्हें भी सराहा। उपायुक्त ने सभी नवनियुक्त होमगार्ड को शुभकामनाएं दी और होमगार्ड कमांडेंट और उनकी पूरी टीम को भी अच्छे प्रशिक्षण देने के लिए बधाई भी दिया।

राज्य में अगले दो माह में तीन आईपीएस होंगे सेवानिवृत

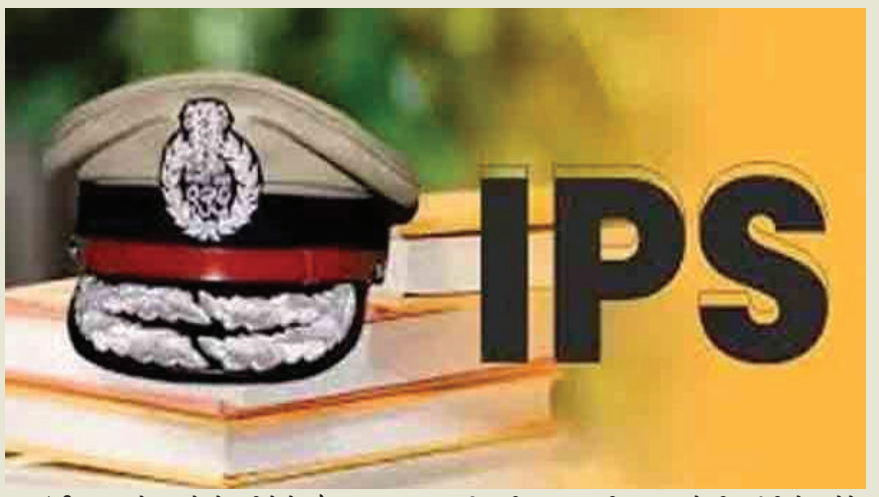

रांची। राज्य में अगले दो महीनों के दौरान झारखंड पुलिस के तीन डीजी रैंक के आईपीएस अधिकारी सेवानिवृत होंगे। इनमें तत्कालीन डीजीपी अजय कुमार सिंह एवं एम मीणा जनवरी, 2025 में और आरके मल्लिक 31 जनवरी, 2025 को रिटायर होंगे। साथ ही नये साल के पहले दिन एक जनवरी, 2025 से 2007 बैच के तीन आईपीएस अनूप बिरथरे, सुनील भास्कर और मयूर पटेल कन्हैयालाल आईजी रैंक में प्रोन्नत हो जायेंगे। इसके अलावा 2011 बैच के सीनियर एसपी रैंक (सीनियर सिलेक्शन ग्रेड) में प्रोन्नत छह आईपीएस अधिकारी एक जनवरी, 2025 से डीआईजी हो जायेंगे। सीनियर एसपी रैंक में प्रोन्नत अधिकारी को राज्य सरकार चाहे तो वर्तमान में कहीं भी प्रभारी डीआईजी बना सकती है। इनमें चंदन झा, चंदन सिन्हा, प्रियदर्शी आलोक, अजीत पीटर डुंगडुंग, अनुरंजन किस्पोट्टा और अंबर लकड़ा शामिल हैं। दूसरी ओर, झारखंड कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अजय भटनागर शनिवार (30 नवंबर) को सेवानिवृत हो गये। अजय भटनागर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे और सीबीआई में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत थे।

मंजीत हत्याकांड में कार्रवाई के लिए विधायक से मिला यादव समाज

हजारीबाग। नवनिर्वाचित विधायक प्रदीप प्रसाद से रविवार को यादव समाज के प्रतिनिधियों ने विशेष मुलाकात की और उन्हें विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समाज के प्रतिनिधियों ने हाल ही में हुई मंजीत यादव हत्याकांड पर गहरी चिंता व्यक्त की और न्याय की मांग की। प्रतिनिधियों ने विधायक से अपील की इस मामले में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाए। यादव समाज ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए। विधायक प्रदीप प्रसाद ने यादव समाज को भरोसा दिलाया कि वह इस मामले को गंभीरता से लेंगे। उन्होंने कहा कि वह जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों से तुरंत संपर्क करेंगे और इस मामले का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करेंगे। प्रदीप प्रसाद ने कहा कि यह मामला बेहद संवेदनशील है और मैं यादव समाज को विश्वास दिलाता हूं कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। न्याय दिलाना मेरी प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के लोगों को एकजुट होकर प्रशासन पर सकारात्मक दबाव बनाना होगा ताकि मंजीत यादव के परिवार को न्याय मिल सके। उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि वह इस मुद्दे को हर स्तर पर उठाएंगे और मंजीत यादव के परिवार के साथ खड़े रहेंगे। यादव समाज ने विधायक प्रदीप प्रसाद के प्रति आभार व्यक्त किया और न्याय की उम्मीद जताई। इस मौके पर सुखदेव प्रसाद यादव, रंजन यादव, प्रकाश यादव, हरि गोप, कमल गोप, गोपाल यादव, मनोज कुमार यादव, कन्हैया गोप, शम्भु यादव, मनोज कुमार यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

रांची में बदमाशों ने कंस्ट्रक्शन साइट में की आगजनी, वाहन को फूंका

रांची। शहर के ओरमांझी थाना क्षेत्र अंतर्गत हुटार स्थित श्रीराम कंस्ट्रक्शन के साइट पर अज्ञात अपराधियों ने शनिवार की देर रात आगजनी और फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है। चार से पांच की संख्या में आए अपराधियों ने दहशत फैलाने के लिए फायरिंग की और फिर एक वाहन को फूंक दिया। आगजनी की घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। आगजनी की घटना को किस गिरोह के जरिये अंजाम दिया गया है यह अबतक स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस संबंध में रविवार को ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि कंस्ट्रक्शन साइट पर आगजनी की घटना को अज्ञात अपराधियों ने अंजाम दिया है। साइट पर मौजूद एक वाहन को अपराधियों ने आग लगा दी है। मामले की जांच की जा रही है।

पलामू में सेवानिवृत्त शिक्षक की धारदार हथियार से हत्या

पलामू। जिले के सतबरवा प्रखंड में रविवार सुबह सेवानिवृत्त शिक्षक संघ अध्यक्ष परीक्षण सिंह (76) की निर्मम हत्या उनके पैतृक गांव हलुमाड़ में तेज धारदार हथियार से कर दी गई। परीक्षण सिंह गांव के देवी मंदिर के समीप प्यारी सिंह के खेत में शौच करने गए थे। इसी दौरान तेज धारदार हथियार से हत्या के बाद आरोपित पश्चिम दिशा की और फरार हो गए। खेत में उनका लोटा तथा टॉर्च भी पड़ा हुआ था। मौके की नजाकत को देखते हुए पुलिस ने स्निफर डॉग बुला लिया है और छानबीन कर हत्यारे की तलाश कर रही है। हत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। सेवानिवृत होने के बाद परीक्षण सिंह 2009 में मनिका विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं। मौके पर थाना प्रभारी अंचित कुमार, एसआई विश्वनाथ कुमार राणा, सुधीर कुमार, राजीव रंजन, बसंत कुमार दुबे के साथ डॉग एक्सपर्ट समेत सैकड़ों लोग घटना स्थल पर मौजूद थे।

यौन शोषण के आरोप में पलामू बालिका गृह के संचालक और महिला कॉउंसलर भेजे गए जेल

पलामू। बालिका गृह पलामू में यौन शोषण का मामला सामने आने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। मेदिनीनगर महिला थाना में पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज करते हुए संचालक राम प्रताप गुप्ता (72) और महिला कॉउंसलर प्रियंका कुमारी (26) को रविवार दोपहर एक बजे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए शनिवार देर शाम आनन-फानन में बालिका गृह को सील कर सभी लड़कियों को जेलहाता स्थित सखी वन स्टॉप सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया है। अधिकारियों की जांच दूसरे दिन भी जारी है। उल्लेखनीय है कि बालिका गृह का संचालन समाज कल्याण विभाग के जरिए होता है। पिछले तीन वर्षों से एनजीओ विकास इंटरनेशनल को इसे चलाने का जिम्मा दिया गया था। आरोपित राम प्रताप गुप्ता इस एनजीओ का सचिव है। जिस नाबालिग लड़की के साथ रामप्रताप ने दुष्कर्म किया है, वह जिले के नक्सल प्रभावित इलाके की रहने वाली है। उसके माता-पिता नहीं हैं। उसके साथ गांव के ही युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया था, जिसके बाद उसे दो साल पहले बालिका गृह लाया गया था। पीड़िता के साथ उसकी छोटी बहन भी यहां रहती थी। जून माह में छोटी बहन की मौत हो गई। इसका एक भाई बाल गृह में रहता है। बालिका गृह के मैनेजमेंट पर पहले भी सवाल उठते रहते हैं। यहां से बच्चियों के भाग निकलने की घटनाएं भी हमेशा सामने आती हैं। बच्चियों के भागने के बाद उन्हें खोज कर फिर से लाया जाता है।

क्या है मामला- पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के सुदना में संचालित बालिका गृह में रहने वाली बच्चियों का यौन शोषण किया गया है। बालिका गृह में 28 बच्चियां रहती हैं, जिसमें दो बच्चियों ने बालिका गृह के संचालक राम राम प्रताप गुप्ता पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। राम प्रताप को बच्चियां दादा जी कहती थीं। मामला सामने आने के बाद शनिवार को पुलिस की टीम घंटों मामले की जांच में जुटी रही। बच्चियों के आरोप को पुलिस ने सही पाया। इसके बाद आरोपी संचालक और बालिका गृह की एक महिला काउंसलर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। एएसपी राकेश सिंह ने बताया कि जांच में बच्चियों के यौन शोषण की बात सही साबित हुई है। इसके बाद संचालक और काउंसलर पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई गई। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को मानवाधिकार संगठन की एक टीम अध्यक्ष संध्या सिंह के नेतृत्व में बालिका गृह की व्यवस्था को देखने गई थी। इसी दौरान बच्चियों ने यौन शोषण की बात बताई। बच्चियों के मुताबिक आरोपित राम प्रताप गुप्ता का घर बालिका गृह के पास ही बैंक कॉलोनी में है। एक बच्ची ने कहा कि दीपावली से छठ के बीच दो बार राम प्रताप उसे अपने घर ले गए। इसी दौरान उन्होंने बच्ची के साथ शारीरिक संबंध बनाया। दूसरी बच्ची ने कहा कि उसके साथ भी संचालक ने गलत करने का प्रयास किया था। बालिका गृह में बच्चियों के साथ यौन शोषण का मामला सामने आते ही पुलिस ने इसे गंभीरता से लिया। बालिका गृह में रहने वाली कुछ लड़कियां अब 18 वर्ष की उम्र पार कर गई हैं। पूछताछ में पुलिस को लड़कियों ने कहा कि बालिका गृह से बाहर निकलने के लिए उनके सामने अधिकारियों को खुश करने की शर्त रखी गई। जांच में यह भी पता लगा है कि बालिका गृह की एक महिला कर्मी ने लड़कियों के कुछ फोटो भी लिये हैं और किसी को भेजे हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

कसमार के साक्षरताकर्मी विजय कृष्ण चटर्जी के निधन से शोक की लहर

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : कसमार प्रखंड के दुर्गापुर पंचायत के रांगामाटी निवासी 72 वर्षीय साक्षरताकर्मी विजय कृष्ण चटर्जी उर्फ शीतल ठाकुर का निधन रविवार अहले सुबह रांची के एक निजी अस्पताल में हो गया। निधन के बाद उनका शव पैतृक गांव रांगामाटी लाया गया, जहां उनके अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। वे बोकारो जिले में साक्षरता अभियान की शुरुआत से लेकर 18 वर्षों तक साक्षरताकर्मी के रूप में अपनी सेवा देकर दुर्गापुर पंचायत में हजारों निरक्षर लोगों को साक्षर बनाया। इसके अलावा वे सामाजिक कार्यों में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते थे। साक्षरता अभियान में विशिष्ट कार्य के लिए उन्हें कई बार सम्मानित भी किया गया था। रविवार दोपहर ललमटिया से सटे खांजो नदी के तट पर श्मशान में उनके बड़े पुत्र पंकज चटर्जी ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस दौरान श्मशान में उपस्थित

अधिवक्ता उज्ज्वल चन्द्र मुखर्जी, पूर्व पंसस रामकिसुन महतो, सनातन महतो, पंकज चटर्जी, नीरज चटर्जी, सूर्य किरण चटर्जी, राजू चटर्जी, हरि साधन मुखर्जी, हरि भजन मुखर्जी, भवानी प्रसाद मुखर्जी, सपन कुमार मुखर्जी, तपन मुखर्जी, मृत्युंजय मुखर्जी, उत्तम मुखर्जी, चंचल मुखर्जी, अचलेन्दु मुखर्जी, हेमंत महतो, राकेश रोशन, सुभाष चंद्र महतो, जयप्रकाश महतो, मनीष कुमार जायसवाल, विपिन रॉय, बिगन महली, जयप्रकाश वर्मा, विमल रॉय, नारायण महतो, रमेश महतो समेत अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि दी।

कसमार के मंजूरा निवासी सद्दाम हुसैन तीन दिनों से लापता, थाने में शिकायत दर्ज

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : कसमार थाना क्षेत्र के मंजूरा निवासी 30 वर्षीय मो सद्दाम हुसैन पिछले तीन दिनों से लापता है। इस संबंध में उसकी पत्नी अजमेरून खातुन ने कसमार थाने में आवेदन देकर पति की गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया है। बताया गया कि उसका पति सद्दाम हुसैन 29 नवंबर की दोपहर बारह बजे कसमार बैंक जाने की बात कहकर घर से निकला था। देर शाम तक पति घर नहीं आया तो आसपास के रिश्तेदार सहित अन्य लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। पत्नी अजमेरुन ने थाने में आवेदन देकर उसकी खोजबीन करने का आग्रह कसमार पुलिस से की है।

बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल गोविंदपुर एफ पंचायत अंतर्गत राजाबाजार आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 15 दो में रविवार को केंद्र के सभी बच्चों के बीच पंचायत की मुखिया कबिता कुमारी ने सरकार की ओर से मुहैया करवाए गए स्वेटरों का वितरण किया। मुखिया ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र में पढ़ने वाले तीन वर्ष से छह वर्ष तक के बच्चों को समाज कल्याण विभाग की ओर से दो-दो स्वेटर ठंड के प्रकोप को देखते हुए दिया गया है, जिसका वितरण किया गया। मौके पर केंद्र की सेविका तबस्सुम आरा, सहायिका जुलेखा भी मौजूद थीं।

तालगड़िया रोड का शहीद अर्जुन महतो पथ करे सरकार : देव शर्मा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : जिले के चंदनकियारी प्रखंड अंतर्गत सिलफोर पंचायत के पड़वा फतेहपुर गांव निवासी अग्निवीर शहीद अर्जुन महतो के परिजनों से मिलकर युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सह- युवा लायंस फ़ोर्स के केंद्रीय अध्यक्ष देव शर्मा ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए वीरगति को प्राप्त करने वाले अर्जुन महतो को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री शर्मा ने शहीद के घर पहुंचकर पिता लंकेश्वर महतो और बड़े भाई बलराम महतो से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और विश्वास दिलाया कि वह हमेशा उनके साथ खड़ा रहेंगे। श्री शर्मा ने उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि चन्दनकियारी के गांव की माटी के लाल पर उन्हें गर्व है, जिन्होंने इतनी कम उम्र में देश की सेवा करते हुए वीरगति प्राप्त की। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से तालगड़िया रोड का का नाम बदलकर शहीद अर्जुन पथ घोषित करने की मांग की। मौके पर युवा लायंस फोर्स के दर्जनों नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सन्दर्भ : झारखंड में एनडीए की करारी हार

किसने दी 'जयराम की' 'कैंची' को धार...?

राष्ट्रीय मुख्यधाराः विजय कुमार झा

बोकारो : झारखंड विधानसभा 2024 का चुनाव सम्पन्न होने के पश्चात झामुमो नेता हेमंत सोरेन के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की नई सरकार एक बार फिर से सत्ता संभाल चुकी है। लेकिन, झारखंड के राजनीतिक गलियारे में एक सवाल हिलोरें मार रहा है कि जब एक साथ सम्पन्न हुए विधानसभा के चुनाव में महाराष्ट्र में एनडीए की पूर्ण बहुमत की सरकार बन गई, उत्तर प्रदेश और बिहार के उपचुनावों में एनडीए, खासकर भाजपा ने जबरदस्त जीत हासिल की तो फिर झारखंड में उसकी ऐसी दुर्गति क्यों और कैसे हो गई? महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और बिहार में जब मोदी-योगी का जादू चल गया तो आखिर झारखंड में एनडीए का पासा क्यों पलट गया? यहां आखिर क्या वजह रही कि झामुमो गठबंधन को 56 सीटों पर जीत मिली और भाजपा 25 से घटकर 21 सीटों पर आ गई, एनडीए का कुनबा 24 सीटों पर ही क्यों सिमट गया? सत्ता के सिंहासन पर बैठने की पूरी तैयारी भाजपा ने की और राज्याभिषेक हेमंत सोरेन का हो गया?

यह सच है कि झारखंड में हेमंत सोरेन की सत्ता में वापसी के पीछे भ्रष्टाचार के आरोप में केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्रवाई के तहत हेमंत सोरेन के जेल जाने से उन्हें मिली सहानुभूति और चुनाव के ठीक पहले शुरू की गई मंईयां सम्मान योजना का बड़ा योगदान रहा। लेकिन, जानकारों की मानें तो हेमंत सरकार की वापसी और एनडीए की इस दुर्दशा में जयराम महतो की नवसृजित राजनीतिक पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) की सबसे बड़ी भूमिका रही है, जिसने भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों को 14 सीटों पर बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाया और उसे जोर का धक्का देकर तीसरे नम्बर पर ठेल दिया।

दरअसल, अपने समर्थकों के बीच टाइगर के नाम से लोकप्रिय जयराम महतो ने इसी साल झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के नाम से अपनी पार्टी बनाई और झारखंड की राजनीति में उथल-पुथल मचाकर रख दी। झारखंड विधानसभा की कुल 81 सीटों में उन्होंने 65 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारकर दोनों गठबंधनों को नुकसान पहुंचाया। हालांकि, कांग्रेस, झामुमो, राजद और माले के उम्मीदवारों को कम नुकसान हुआ, लेकिन एनडीए को सबसे बड़ी चोट पहुंचाकर जेएलकेएम ने भाजपा और आजसू पार्टी के किले को ध्वस्त करने में इंडिया गठबंधन की सबसे ज्यादा मदद की। गिरिडीह और बोकारो जिले की आंशिक डुमरी विधानसभा सीट पर झामुमो प्रत्याशी पूर्व मंत्री जगरनाथ महतो की पत्नी और हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री बेबी देवी को 10,945 वोट से हराकर जयराम महतो खुद तो विधानसभा में पहुंच गए, लेकिन पूरे कोयलांचल में उन्होंने एनडीए, खासकर भाजपा के किले को धराशायी कर दिया।

इंडिया गठबंधन को भी नुकसान- बाघमारा में भाजपा के शत्रुघ्न महतो ने कांग्रेस प्रत्याशी जलेश्वर महतो को 18,682 वोटों से हराया। वहां जेएलकेएम प्रत्याशी दीपक कुमार रवानी को 15,696 वोट मिले। वहीं, मांडू में आजसू के तिवारी महतो ने कांग्रेस के प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल को 231 वोटों से हराया। यहां भी जेएलकेएम प्रत्याशी बिहारी कुमार को 71,276 वोट मिले हैं।

लातेहार में भाजपा के प्रकाश राम ने झामुमो प्रत्याशी बैद्यनाथ राम को महज 434 वोट से हराया। यहां भी जेएलकेएम प्रत्याशी संतोष कुमार पासवान को 4295 वोट मिले, जिसका नुकसान झामुमो को हुआ। सरायकेला में भी जेएलकेएम के कारण झामुमो को नुकसान हुआ। यहां भाजपा के चम्पई सोरेन 20,447 वोटों से जीते। झामुमो 98,923 वोट मिले, जबकि जेएलकेएम के प्रेम मार्डी 40056 वोट लाकर तीसरे नम्बर पर रहे। चतरा में राजद, बगोदर में माले और तमाड़ में जदयू को हराने में जेएलकेएम की अहम भूमिका रही। बड़कागांव में भाजपा के रोशन लाल चौधरी ने कांग्रेस की अम्बा प्रसाद को 31,393 वोटों से हराया, जबकि यहां जेएलकेएम के बालेश्वर कुमार को 26,867 वोट मिले।

किसने कुतरी दिग्गजों की किस्मत- जयराम महतो की पार्टी जेएलकेएम के चुनाव चिन्ह 'कैंची' को आखिर यह 'धार' किसने दी, जिससे उसने झारखंड की राजनीति में कई दिग्गजों की किस्मत को कुतरकर रख दी है? यह सवाल आज राजनीति के गलियारे सबसे अधिक गूंजने लगा है। कहा जा रहा है कि जयराम महतो को राजनीति की दुनिया में आगे बढ़ाने और उनकी पीठ पर सदैव अपना हाथ रखने वाले कोई और नहीं, बल्कि कोयलांचल के एक पूर्व विधायक और वर्तमान सांसद हैं। अब अगर इसकी पृष्ठभूमि पर गौर करें तो पाएंगे कि इस 'कैंची' को 'धारदार' बनाया है 'कमल' के सहारे 'संसद' तक की यात्रा पूरी करने वाले भाजपा के ही एक महारथी ने, जिन्होंने एक पूर्व सांसद के साथ-साथ राज्य सरकार में मंत्री और मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने का सपना संजोए भाजपा के कई दिग्गजों मंसूबों पर पानी फेर दिया। शायद उन्होंने सोचा भी नहीं होगा कि जिस आग को वे हवा दे रहे हैं, उसकी चिंगारी उन्हीं के 'अपनों' के सपनों को भस्मीभूत कर देगा।

कैसे पूरा हुआ जेबीकेएसएस से जेएलकेएम तक का सफर- दरअसल, जयराम महतो ने लगभग तीन साल पहले कोयलांचल में 'बाहरी-भीतरी' का नारा देकर 'झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति' के बैनर तले झारखंडी और कथित रूप से गैर-झारखंड के बीच सामाजिक विद्वेष फैलाने की भावना से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी। इसी बीच कोयलांचल के एक विधायक की नजर जयराम महतो की गतिविधियों पर पड़ी। उन्होंने अपने मिशन की कामयाबी के लिए जयराम को सबसे मजबूत मोहरा माना और न सिर्फ उनकी पीठ पर अपना हाथ रख दिया, बल्कि राजनीति में उन्हें सक्रिय बनाये रखने के लिए 'फंडिंग' का भी इंतजाम किया। फिर योजनाबद्ध तरीके से धनबाद के पूर्व सांसद पशुपति नाथ सिंह के विरुद्ध कोयलांचल के गांव-गांव में बाहरी-भीतरी के नारे का बीजारोपण कर पीएन सिंह को संसद के गलियारे तक पहुंचने में रोड़ा अटकाने की पुरजोर कोशिश की। यह सब इसलिए किया जा रहा था, ताकि पीएन सिंह का टिकट 2024 के लोकसभा चुनाव में कट जाए और फिर यह सुनहरा अवसर उनके किसी पृष्ठपोषक को मिल जाय। अंततः यह योजना रंग लाई और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने पीएन सिंह को बेटिकट कर दिया। फिर येन्-केन्-प्रकारेण् भाजपा टिकट की चाहत रखने वाले 'साहब' न सिर्फ अपने मिशन में सफल रहे, बल्कि वह संसद तक पहुंचने में भी कामयाब हो गए।

जानकार बताते हैं कि इसी दौरान जयराम महतो ने झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के नाम से अपनी पार्टी बनाई और गिरिडीह से लोकसभा के चुनाव मैदान में कूद पड़े। इस चुनाव में 3,47,322 वोट लाकर जयराम तीसरे स्थान पर रहे थे। राजनीति के जानकारों के बीच यह भी चर्चा है कि विधानसभा चुनाव 2024 में डुमरी और बेरमो, दोनों ही सीट से चुनावी दंगल में कूदने वाले जयराम महतो ने आखिर लोकसभा के चुनाव में गिरिडीह के साथ-साथ धनबाद से भी अपना नामांकन क्यों नहीं दाखिल किया? फिर विधानसभा चुनाव में उन्होंने खुद या अपने प्रत्याशियों को मैदान में उतारकर कोयलांचल की ज्यादातर सीटों पर भाजपा या आजसू का ही खेल क्यों बिगाड़ दिया?

सभी जानते हैं कि राजनीति कोई बच्चों का खेल नहीं है। अगर कोई पंचायत समिति का चुनाव भी लड़ता है तो इसके लिए उसे पैसे चाहिए। लेकिन, लोकसभा और पूरे प्रदेश की 65 विधानसभा सीटों पर यदि कोई राजनीतिक दल अपने प्रत्याशी उतारता है तो उसकी राजनीति बगैर पैसे के कैसे चलेगी? उसकी फंडिंग कहां से होगी, यह सवाल निश्चय ही विचारणीय है। जानकार सूत्रों की मानें तो जेबीकेएसएस से लेकर जेएलकेएम तक का सफर तय करने में जयराम महतो के भी करोड़ों रुपए खर्च हुए होंगे। आखिर इतने पैसे कहां से आये? इतना ही नहीं, लोकसभा चुनाव के दौरान बोकारो में गिरिडीह सीट से नामांकन के बाद 1932 का खतियान लागू कराने के लिए विधानसभा का घेराव करने और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोपी जयराम महतो अपने समर्थकों के बीच भाषण देते हुए पुलिस की गिरफ्त से कहां और कैसे फरार हो गए? सूत्रों का कहना है कि चास के आईटीआई मोड़ पर पहले से जयराम की प्रतीक्षा कर रही बाहुबलियों की टीम उन्हें वहां से लेकर आराम से निकल गई। इसके पीछे भी किसी बड़े रसूखदार की ही भूमिका बताई जा रही है। ये सारे सवाल बहुत कुछ बयां कर रहे हैं।

गांवों में तेजी से चली कैंची- अब अगर विधानसभा चुनाव में कोयलांचल के चुनावी नतीजों की बात करें तो जेएलकेएम को ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अधिक वोट मिले। यही वजह है कि शहरी क्षेत्रों में धनबाद, झरिया में भाजपा प्रत्याशी चुनाव जीत गए। हालांकि, ग्रामीण परिवेश वाले बाघमारा में भी भाजपा के शत्रुघ्न महतो विजयी रहे, लेकिन इसका कारण जेएलकेएम की ओर से उनके सामने बिल्कुल ही कमजोर प्रत्याशी उतारना रहा। इसके पीछे क्या कारण रहा होगा, इसे भी समझा जा सकता है। जबकि, बोकारो, टुंडी, सिंदरी, निरसा, बेरमो, चंदनकियारी और गोमिया में भाजपा-आजसू को जेएलकेएम की वजह से ही शर्मनाक पराजय का सामना करना पड़ा। हालांकि, कोयलांचल का चुनाव परिणाम आने वाले दिनों में यहां के औद्योगिक शहरों के लिए सुखद नहीं माना जा रहा है, क्योंकि बहुसंख्यक समाज के बीच ही नफरत के बीज बोए जा रहे हैं और इसके नतीजे भी सामने आने लगे हैं। वैसे, झारखंड में सत्ता के सिंहासन पर पहुंचने के रास्ते में आई रुकावटों के कारणों की अगर भाजपा नेतृत्व पूरी ईमानदारी से समीक्षा करे तो कई और बड़े चौंकाने वाले तथ्यों के खुलासे हो सकते हैं।

किस पार्टी को पहुंचाया कितना नुकसान

विधानसभा	पार्टी	अंतर	जेएलकेएम के वोट
• बोकारो	भाजपा	7207	39,621
• कांक	भाजप	968	25,965
• छतरपुर	भाजपा	736	1065
• गिरिडीह	भाजपा	3838	10,787
• खरसावां	भाजपा	32,615	33,841
• टुंडी	भाजपा	25,603	44,464
• सिंदरी	भाजपा	3448	42,664
• निरसा	भाजपा	1808	16,316
• बेरमो	भाजपा	58,352	60,871
• चंदनकियारी	भाजपा	56,091	56,294
• सिल्ली	आजस	23,867	41,725
• ईचागढ़	आजसू	26,523	41,138
• रामगढ़	आजसू	6790	70,979
• गोमिया	आजसू	54,508	59,077

बोकारो थर्मल में झारखंड श्रमिक संघ की बैठक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित सरना समिति कार्यालय में रविवार को झारखंड श्रमिक संघ की बैठक संघ के बेरमो प्रखंड अध्यक्ष गणेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में की गई। संचालन उपाध्यक्ष गोविंद राम ने किया। बैठक में संगठन के विस्तार एवं संगठन के माध्यम से कार्यक्रम करने तथा मजदूरों के अधिकारों का हनन न हो, जैसे मसलों पर चर्चा की गई। साथ ही, बेरमो प्रखंड की 19 पंचायतों में समिति का गठन करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। यूनियन अध्यक्ष ने कहा कि बेरमो प्रखंड की 19 पंचायतों में संगठन का विस्तार किया जाएगा। बैठक में सरजू रजक, मणि राम मुर्मू, रीता देवी, असमत अंसारी, सावना किस्कू, मुकेश रविदास, करण कुमार, सुमित रवानी, बबीता देवी, सोना किस्कू, हनीफ अंसारी, संजय कुमार आदि मौजूद थे।

त्रिमूर्ति पब्लिक स्कूल की पेंटिंग प्रतियोगिता में बच्चों ने उकेरे रंग बिरंगे चित्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेता को स्कूल ने किया सम्मानित

बोकारो : त्रिमूर्ति पब्लिक स्कूल बहादुरपुर की ओर से रविवार को कसमार बाजार टांड़ स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में स्कूली छात्र छात्राओं के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में सामाजिक कार्यकर्ता नीलेश महाराज, मनीष जायसवाल, सरोज कुमार अड्डी एवं सेवानिवृत्त शिक्षक महावीर सिंह एवं प्राचार्या प्रीति कुमारी बतौर अतिथि मौजूद थे। इस अवसर पर कार्यक्रम के अतिथि नीलेश महाराज ने कहा कि समय समय पर ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे प्रतियोगिता आयोजित करने से जहां बच्चों के अंदर की रचनात्मक कला में निखार आता है, वहीं ग्रामीण क्षेत्र के अन्य बच्चों में भी पेंटिंग के प्रति रुचि बढ़ती है। उन्होंने सभी बच्चों की पेंटिंग की सराहना करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान पेंटिंग प्रतियोगिता में ग्रुप ए में चार से छह वर्ष की छात्राओं ने साजिल नाजिर ने प्रथम, भीम देव ने द्वितीय एवं परी परवीन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप बी में सात वर्ष से दस वर्ष के छात्र छात्राओं को शामिल किया गया था, जिसमें प्रिया कुमारी ने प्रथम, कुमारी कोमल अड्डी ने द्वितीय एवं मुदस्सर नसीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी तरह 11 वर्ष से 15 वर्ष आयु वर्ग में ग्रुप सी में सौरभ मुखर्जी ने प्रथम, खुशी कुमारी द्वितीय एवं राजकिशोर दे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मौके पर विद्यालय के शिक्षक अनिल कुमार, ब्रजेश कुमार, अनूप कुमार, पायल मुखर्जी, अविनाश कुमार, अक्षय कुमार, सूरज कुमार, नीतीश कुमार व अन्य ग्रामीण मौजूद थे। इस दौरान पेंटिंग प्रतियोगिता के सभी विजेता प्रतिभागी बच्चों को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

बोकारो रोटरी ने ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भता के लिए किया प्रेरित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी, जिला 3250 ने ग्रामीण रायला का सफल आयोजन जगदीश सेठ मेमोरियल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, आशा की किरण प्ले स्कूल, उलगोरा, बोकारो में किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाना और उन्हें जीवन की चुनौतियों को पार करते हुए आत्मनिर्भरता और प्रगति की दिशा में बढ़ने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिभागियों के पंजीकरण से हुई। इसके बाद रोटेरियन अशोक तनेजा और रोटेरियन मनु श्रीवास्तव द्वारा एक उद्घाटन सत्र का आयोजन किया गया। पूरे दिन विभिन्न प्रभावशाली सत्र आयोजित किए गए, जिनमें वक्ताओं ने अपने रोचक अंदाज़ में बहुमूल्य विचार साझा किए। डॉ. जयदेव कुमार महतो ने ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने, बाधाओं को तोड़ने और पुल बनाने के विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। रोटेरियन मनु श्रीवास्तव ने 10वीं और 12वीं के बाद करियर की खोज : अपनी रुचि और उद्देश्य को पहचानना विषय पर छात्रों का मार्गदर्शन किया। रोटेरियन राखी बनर्जी ने स्वस्थ आदतों, पोषण, व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को प्रेरित किया। जबकि, चंद्रिमा रे ने संवाद : बातें अनकही सी शीर्षक से एक प्रभावशाली सत्र प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान एनी नीलम और रोटेरियन घनश्याम दास द्वारा आयोजित खेल सत्र ने प्रतिभागियों में जोश और उमंग का संचार किया। इसके बाद एक शानदार शो स्टॉपर प्रस्तुति ने सभी पर गहरी छाप छोड़ी।

कार्यक्रम का समापन रोटेरियन संजय तिवारी के समेकित सारांश और समापन टिप्पणी के साथ हुआ। अध्यक्ष रोटेरियन महेश कुमार गुप्ता ने इस आयोजन की सफलता में सभी के सहयोग के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

कार्यक्रम में रोटेरियनों और उनके परिजनों की बड़ी संख्या में भागीदारी ने एक उत्साहवर्धक और प्रेरक वातावरण का निर्माण किया। इस आयोजन को सभी ने अत्यधिक सराहा और इसे रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी की सेवा और सामुदायिक निर्माण की समृद्ध परंपरा को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा गया।

मरम्मत को लेकर तेनु-बोकारो नहर से पांच दिनों के लिए जलापूर्ति बंद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : तेनुघाट से बोकारो स्टील प्लांट तक की तेनु-बोकारो नहर में रविवार शाम से जलापूर्ति बंद कर दी गई है। नहर की मरम्मत के कारण छह दिसम्बर से जलापूर्ति बहाल की जाएगी। तेनुघाट बांध प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुजूर ने बताया कि नहर की मरम्मत के लिए लगभग 4.70 करोड़ रुपये का खर्च होगा। मरम्मत कार्य कुल 105 प्वाइंट पर किया जाएगा, जिसमें 105 संवेदकों को लगाया जाएगा।

नहर की कुल लंबाई 34 किलोमीटर है और इसके लिए सेल बोकारो की सहमति प्राप्त हो चुकी है। इस मरम्मत के लिए तेनुघाट बांध प्रमंडल और सेल बोकारो के अधिकारियों ने संयुक्त निरीक्षण भी किया है। नहर मरम्मति का यह कार्य बेहद जरुरी है, क्योंकि मरम्मत के अभाव में तेनुघाट नहर का तटबंध टूटने का खतरा बना रहता। मालूम हो कि इस नहर के माध्यम से तेनुघाट डैम प्रमंडल बोकारो स्टील प्लांट को 150 से 200 क्यूसेक पानी लगातार सप्लाई करता है।

ग्रामीण क्षेत्रों पर पड़ेगा प्रभाव

नहर में पानी की आपूर्ति बंद होने से बोकारो और चास क्षेत्रों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि बोकारो स्टील लिमिटेड (BSL) ने अपने कूलिंग पौंड में पर्याप्त पानी का भंडारण कर रखा है। हालांकि, नहर से सटे ग्रामीण इलाकों में इसका प्रभाव दिख सकता है। इन क्षेत्रों के ग्रामीण नहर के पानी पर निर्भर रहते हैं और कई जलापूर्ति योजनाएं इसी नहर से संचालित होती हैं। ग्रामीण अंचलों में पानी की कमी से इन योजनाओं पर असर पड़ने की संभावना है।

दरअसल, तेनुघाट-बोकारो नहर अब काफी पुरानी हो चुकी है और इसका नियमित रखरखाव जरूरी है। हर साल या दो साल में लाखों-करोड़ों रुपये मरम्मत पर खर्च किए जाते हैं। नहर से पानी बोकारो स्टील प्लांट तक पहुंचता है, जहां इसे प्लांट और टाउनशिप के विभिन्न हिस्सों में वितरित किया जाता है। यह नहर बोकारो टाउनशिप की लगभग 5 लाख की आबादी के लिए जीवन रेखा है। बीएसएल सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मरम्मत के बोकारो शहर में दौरान पानी की कमी न हो, इसके लिए बीएसएल ने अपने कूलिंग पौंड में 217.94 मीटर पानी का भंडारण किया है। मरम्मत कार्य के दौरान पानी का स्तर 217.06 मीटर तक जा सकता है, जो सुरक्षित सीमा में है। मरम्मत कार्य को 5 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य है। बीएसएल के संचार प्रमुख प्रवक्ता मणिकांत धान के अनुसार 02 दिसंबर से 05 दिसंबर तक नहर में जलापूर्ति बंद रहेगी, लेकिन टाउनशिप और प्लांट की सामान्य आपूर्ति प्रभावित नहीं होगी।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए करें बौद्धिक मदद : चौहान

- बेड़ो के पुरनापानी चौक में लगा खुशी चौपाल
- ग्रामीणों ने कहा- आज से हमारे गांव में तनाव, डिप्रेशन, आत्महत्या की प्रवृत्ति का प्रवेश बंद

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजू कुमार सिंह बेड़ोः लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची और खुशी क्लास के तत्वावधान में बेड़ो के पुरनापानी चौक में रविवार को खुशी चौपाल का आयोजन हुआ। तनाव, डिप्रेशन, आत्महत्या की प्रवृत्ति के खिलाफ इस खुशी चौपाल का संचालन ग्राम प्रधान सह पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा ने किया। उन्होंने कहा कि तनाव हर घर को प्रभावित कर रहा है। आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही है। नकारात्मक घटनाओं की बाढ़ सी आ गई है। इनकी कारणों में जाएं तो आपको तनाव, डिप्रेशन ही दिखेगा। सकारात्मकता की खुशियों को खुद में समेटा व्यक्ति गलत कदम उठाता ही नहीं है। ऐसे परिस्थिति में हमें तनाव के खिलाफ खड़ा होना ही होगा। खुशी क्लास के संस्थापक सह संचालक मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि तनाव, डिप्रेशन, आत्महत्या की प्रवृत्ति से लड़ने का मजबूत हथियार है बौद्धिक मदद। हम सभी पैसों से नहीं, पर एक-दूसरे का बौद्धिक मदद तो कर ही सकते हैं। हिम्मत बढ़ा तो सकते हैं। मनोबल तोड़ नहीं सकते। हमें जहां भी लगे, वहां की मात्र 5 फीट की दूरी को गोद ले लें। वहां कोई भी गलत हो, आप टोकियेगा जरूर। सामने वाला क्या कहता है, सुनता भी है या नहीं ; इसे दरकिनार कर बस गलत को टोकना है तो बस टोकना है। बिना किसी दबाब, लड़ाई-झगड़े के बस सादगी से कह देना है कि यह गलत है। हम जैसे ही यह बौद्धिक मदद शुरु करेंगे, आने वाला परिवेश बदलता चला जाएगा। हो सकता है, इसमें लंबा समय लग जाएं ; पर शुरुआत तो करनी होगी। देश आजाद होने में भी 250 वर्ष लग गए थें। तनाव, डिप्रेशन की यह लड़ाई भी हो सकता है लम्बी खींच जाए, पर परिवर्तन आएगा जरुर। चौहान ने सभी को खुशी परिवार में शामिल होकर खुशी दूत बन समाज में खुशियां फैलाने का आह्वान किया। उत्साहित ग्रामीणों ने भी एक स्वर में कहा- आज से हम सभी खुशी दूत। हमारे गांव में तनाव, डिप्रेशन, आत्महत्या की प्रवृत्ति का प्रवेश पूरी तरह बंद होगा। मौके पर तंजीर हुसैन, तस्लीम मिरदाहा, कोरेश मिरदाहा, अश्विनी सिंह, नइमु खान, सरवन खान, कयूम फरास, सनाउल्लाह मिरदाहा, सुभान अंसारी, लाल परमेश्वर नाथ शाहदेव, सहेदुल मिरदाहा, दिनेश्वर सिंह, मजबूल खान, अनिल गोप समेत कई लोग मौजूद थे।

ग्राम शिक्षा समिति और जनता के बीच आमसभा

राष्ट्रीय मुख्यधारा : बरहरवा/साहिबगंजः एन डी एम कन्या उच्च विद्यालय में रविवार को विद्यालय के ग्राम शिक्षा समिति एवं ग्रामीण जनता के द्वारा एक आमसभा का आयोजन किया गया| इस आम सभा मे विद्यालय के विकास से संबंधित पांच बिंदुओं पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए गए, तथा पूर्व के बैठक की समीक्षा की गई| जिन पांच बिंदुओं पर प्रस्ताव पारित किए गए हैं, उन में विद्यालय के पश्चिमी भाग में जर्जर भवन को तोड़कर उसके जगह पर नहीं भवन बनवाने| विद्यालय मैं सोलर सिस्टम लाइट का व्यवस्था करने| विद्यालय के खेल के मैदान की चौड़ाई कारण एवं समतलीकरण कर उसे खेलने योग्य बनाने | छात्र-छात्राओं की उपस्थिति को देखते हुए इस विद्यालय को उच्च विद्यालय से उत्क्रमित अपग्रेड प्लस टू उच्च विद्यालय में परिवर्तित करने का प्रस्ताव पारित किया गया है| साथ में यह भी निर्णय लिया गया है कि विद्यालय की सुरक्षा को देखते हुए सरकार से रात्रि प्रहरी की भी मांग की गई है| इसके अलावा विद्यालय के शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने के संबंध में और भी कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर आमसभा के दौरान चर्चाएं हुई हैं इस सभा में देवजीत कुशवाहा मनोहर लाल चौहान अमर कुमार नीलम कुमारी प्रकाश भगत अमर कुमार महतो गोविंद कुमार रानी दास करुणा देवी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे|

शहीद अग्निवीर अर्जुन महतो को श्रद्धांजलि, स्मृति स्मारक निर्माण पर चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधाराः पूर्व सैनिक सेवा परिषद, बोकारो का एक दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल सिलफोर पंचायत स्थित फतेहपुर ग्राम से शहीद अग्निवीर अर्जुन महतो के घर पहुंचा। सभी परिजनों से मुलाकात किया गया। शहीद को श्रद्धांजलि और पुष्पांजली अर्पित किया गया। परिवार की इक्षा है कि शहीद का एक स्मृति स्मारक तलगाडिया मोड़ पर बने। संगठन की तरफ से उनके गांव में भी एक आदम कद प्रतिमा के लिए परिवार की सहमति से जगह चिन्हित किया गया।

प्रतिनिधिमंडल में परिषद के सदस्यों के अतिरिक्त एकल के मनोज जी एवम .... के धीरेन्द्र जी भी शामिल थे।

अयोध्या धाम में होगा तीसरा राष्ट्रीय साहित्य समागम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : साहित्य की दुनिया राष्ट्रीय साहित्यिक मंच का तृतीय राष्ट्रीय साहित्य समागम एवं कवि सम्मेलन भरतीया रोड स्थित अयोध्या धाम में आयोजित किया जाएगा। रविवार को महाजन पट्टी स्थित गोपाल चोखानी के आवास पर आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बड़ी धर्मशाला के मैदान में निर्माण का कार्य होने के कारण इस वर्ष का कार्यक्रम जमुना दास चौधरी बालिका उच्च विद्यालय के सामने स्थित अयोध्या धाम में आयोजित कराया जाए।यूको बैंक के सेवानिवृत अधिकारी प्रतुलचंद्र तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वप्रथम कोषाध्यक्ष गोपाल चोखानी के द्वारा पिछले कार्यक्रमों से संबंधित आय व्यय का लेखा-जोखा

प्रस्तुत किया गया।जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित कर लिया गया।

वही तीसरी वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम को भव्य और आकर्षक बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष के कार्यक्रम में हास्य रस के कवि प्रमोद चोखानी प्रयागराज एवं रमेश अम्बष्ट दुमका के अलावा गजलकारा रंजना लता वीर रस की कवयित्री स्मृति झा मधुबाला शांडिल्य प्रवीण पांडे के अलावा श्रृंगार रस एवं ओज के वरिष्ठ कवि रचनाकारों का पदार्पण साहिबगंज में होने जा रहा है।मंच के महासचिव सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष 21 दिसंबर को दोपहर एवं शाम में दो अलग-अलग सत्र में कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा जबकि 22 दिसंबर को पूर्वाहन के सत्र में कवि सम्मेलन का आयोजन एवं अपराह्न के सत्र में समापन सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि साहिबगंज शहर के बाल कवियों को भी इस मंच पर मौका दिया जाएगा जिसके लिए सेवानिवृत शिक्षक विभीषण पासवान, दिलीप कुमार के अलावा अनुराग राहुल और विक्रम कुमार साहिबगंज के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के कविता एवं उसकी प्रस्तुति के आधार पर चयन करेंगे।चयनित छात्र-छात्राओं को भी राष्ट्रीय कवियों के साथ मंच पर अपनी प्रस्तुति देने का अवसर प्राप्त होगा।

बैठक में मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल श्रीवास्तव, महासचिव सुधीर श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष गोपाल चोखानी के अलावा प्रतुलचंद्र तिवारी, भगवती रंजन पांडे, चेतन भारतीय, अनुराग,राहुल, विक्रम कुमार, दिलीप कुमार,विभीषण पासवान सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

राजमहल विधायक से साहिबगंज से काला कानून खासमहल समाप्त करवाने की जाएगी मांगः-नागरिक मंच

राष्ट्रीय मुख्यधारा सुजीत कुमार, ब्यूरो

साहिबगंजः- शहर के रेलवे जनरल इंस्टीच्यूट मैदान में नागरिक मंच की एक बैठक रामसुरेश यादव की अध्यक्षता में हुई।बैठक में सर्वप्रथम राजमहल विधानसभा की समस्त जनता का आभार प्रकट किया गया कि राजमहल विधानसभा चुनाव में हिंदू मुसलमान ना करके चुनाव में सभी ने बढ़कर भाग लिया।बैठक में कई प्रस्ताव पारित कर निर्णय कि साहिबगंज जिले से काला कानून खासमहल समाप्त कराने को लेकर राजमहल विधानसभा से नवनिर्वाचित विधायक एम टी राजा से मांग की जायेगी कि मुख्यमंत्री से पहल कर खासमहल को समाप्त कराने का कार्य करें,वही साहिबगंज की जर्जर सड़क और प्रतिदिन जाम को लेकर साहिबगंज उपायुक्त से एक शिष्टमंडल मिलकर साहिबगंज नगर के तालबन्ना घोड़मारा पुल से पूर्वी फाटक होते हुए सुभाष चौक तक की सड़को का निर्माण व जाम से निजात दिलाने की मांग की जाएगी।

बैठक में ललित स्वदेशी, मुरली धर तिवारी,जनार्दन प्रसाद साह,दीपनारायण पासवान,गोपाल चौखानी,भानु प्रताप सिंह,कालू यादव,राजेंद्र प्रसाद साह,अभिक्रम सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

राजमहल विधायक ने किया क्षेत्र का भ्रमण, ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राजमहल/साहिबगंज - राजमहल विधानसभा के विधायक एमटी राजा रविवार को राजमहल प्रखंड क्षेत्र के फुलवरिया सहित आसपास के लगभग 15 गांव का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान क्षेत्र के ग्रामीणों ने फूल माला एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर विधायक का भव्य स्वागत किया। विधायक ने भी जनता के प्रति आभार प्रकट किया।इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने योजनाओं के लाभ लेने में उत्पन्न होने वाली कई छोटी-मोटी समस्याओं से भी विधायक को अवगत कराया। विधायक ने ग्रामीणों से कहा कि पारदर्शिता पूर्ण तरीके से राज्य सरकार के सभी योजनाओं को पदाधिकारी एवं कर्मचारियों के माध्यम से धरातल तक उतारा जाएगा और उचित लाभुकों को योजनाओं के लाभ से लाभान्वित किया जाएगा। सरकार की सभी वैसी महत्वाकांक्षी योजनाओ को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा।अगर किसी योजना के लाभुकों का आवेदन कार्यालय में लंबित हो और अब तक योजना से वंचित है तो इसकी समीक्षा कर संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिया जाएगा।मौके पर सैकड़ो महागठबंधन के समर्थक एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पंचायत सहायक संघ का मिला शिष्टमंडल.- रविवार को विधायक के निजी कार्यालय में पंचायत सहायक संघ के एक शिष्टमंडल प्रखंड अध्यक्ष नसीम अख्तर के नेतृत्व में विधायक से मिलकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए पंचायत सहायक संघ के प्रमुख मांगों से उन्हें अवगत कराया।संघ के शिष्टमंडल ने आग्रह किया कि प्रोत्साहन राशि से जुड़ी उनके मांगों को सरकार तक रखने की बात कही। विधायक ने उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

मौके पर लक्ष्मण मंडल ,अली हुसैन, तारकेश्वर प्रमाणिक ,भोलाराम मंडल, अब्दुल जब्बार, तौकीर शेख सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ज़िला क्रिकेट अंडर-16 टूर्नामेंट जवाहर नवोदय ने 24 रनों से जीत हासिल की

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंजः ज़िला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत रविवार को

संत जेवियर स्कूल ए बनाम जवाहर नवोदय विद्यालय के बीच मैच खेला गया।

जवाहर नवोदय विद्यालय ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए

25 ओवर में 10 विकेट पर 171 रन बनाये। वसीम अख्तर ने 34, सोनू उरांव ने 18, अमन कुमार ने 26, अंशु चौरसिया ने 19, साहिल राज ने 21 रनों की पारी खेली। संत जेवियर स्कूल ए के गेंदबाज प्रतीक, आकाश व आयुष ने 3-3 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी संत जेवियर

स्कूल की टीम 24 ओवर में 147 रन बना कर ऑल आउट हो गई।

आकाश दूबे ने 43, अमित राज ने 16, अभिषेक ने 11, ललित नारायण ने 20 व आर्यन गुप्ता ने 24 रन बनाए। जवाहर नवोदय विद्यालय के गेंदबाज वसीम अख्तर ने 4, अमन व सोनू उरांव ने 2-2 व साहिल ने 1 विकेट लिया। जवाहर नवोदय ने 24 रनों से जीत हासिल की। जवाहर नवोदय विद्यालय के खिलाड़ी

वसीम अख्तर को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्यातिथि दंत चिकित्सक डॉ अरशद ने वसीम अख्तर को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग अशफाक आलम व प्रभाकर सिंह उर्फ गुड्डा एवं स्कोरिंग केएस सौरभ ने किया।

मौके पर जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा, अमित तिवारी, सतीश सिन्हा, ग़ोपाल सिंह, राजीव कुमार सहित अन्य मौजूद थे। टूर्नामेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम ने बताया कि 02 नवंबर को कंबाइंड इलेवन बनाम माही स्पोर्ट्स येलो के बीच मैच खेला जाएगा।

मालदा रेल के एडीआरएम निरीक्षण करने पहुंचे साहिबगंज

राष्ट्रीय मुख्यधारा सुजीत कुमार, ब्यूरो

साहिबगंजः मालदा रेल के एडीआरएम शिव कुमार प्रसाद शनिवार को निरिक्षण यान से साहिबगंज पहुंचे।जहां उन्होंने

एआरपी किरान की जांच के लिए स्थल पहुंचे जहां उन्होंने रेल अधिकारियों के साथ पूरे किरान की जांच पड़ताल की और किरान में लगे कुछ उपकरणों को चला कर देखा और संबंधित रेल अधिकारियों को किरान को अपडेट करने का निर्देश दिया। इसके अलावा एडीआरएम ने अधिकारियों के साथ रनिंग रूम पहुंचे जहां उन्होंने रेलवे पायलट और गार्ड से वार्तालाप कर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। साथ ही लोको पायलट के रहने कि सुविधा,खाने पाने सुविधा,रख रखाव, मेंटेनेंस रजिस्टर सहित अन्य बिंदुओं पर जानकारी इकट्ठा किया ।इसके बाद उन्होंने संयुक्त क्रू लॉबी पहुंचे जहां उन्होंने रेल अधिकारियों से रेल पायलट की

ड्यूटी, रेल गार्डन की ड्यूटी, कर्मियों की मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इसी दौरान ड्यूटी के दौरान रेल कर्मियों को होने वाले समस्या से भी डीआरएम अवगत हुए और जल्द से जल्द समाधान करने का संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया। जहां उन्होंने डीएमयू सेड पहुंचे और पूरे डीएमयू ऐरिया का जायजा लिया और जानकारी प्राप्त की।इसी दौरान उन्होंने बताया कि

क्रू लॉबी रनिंग रूम की जांच की गई सभी कुछ व्यवस्थित है रेल कर्मियों से वार्तालाप भी की गई कुछ समस्याओं से अवगत कराया है जो जल्द से जल्द समाधान करने का निर्देश दिया गया है । इसके अलावा उन्होंने बताया कि डीएमयू सेड में मेंटेनेंस होने वाली बोगियों का किस तरह से रख रखाव चल रहा है इसकी जानकारी ली गई। इसके साथ ही मेमो मेंटेनेंस के लिए क्या फैसिलिटी डेवलप करनी है जिससे कि यहां पर मेमो मेंटेनेंस कर पाएं। यहां पर मेमो मेंटेनेंस सुचारू रूप से चालू है लेकिन यहां पर मेंटेनेंस नहीं हो पा रही है। इसी उद्देश्य से देखा गया कि यहां पर किस तरह की फैसेलिटीज डेवलप कर सकें जिससे कि यहां मेमो का मेंटेनेंस हो सके। निरीक्षण के दौरान मालदा व साहिबगंज के रेल अधिकारी मौजूद थे।

झारखंड मजदूर संघ की बैठक में 21 दिसंबर को होने वाली केंद्रीय अधिवेशन को लेकर की गई चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बाकुड़ी/साहिबगंजः झारखंड मजदूर संघ(प्रजा)की बैठक केंद्रीय कार्यालय बाकुडी में केंद्रीय अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रस्तावित 21 दिसंबर 2024 को बाकुडी रेलवे मैदान में केंद्रीय अधिवेशन तैयारी को लेकर चर्चा की गई। यह अधिवेशन 3 वर्षों में एक बार होता है।

इस अधिवेशन में केंद्रीय कमेटी के पदाधिकारी के कार्यों की समीक्षा की जाएगी और संगठित कार्य सुस्त अधिकारी को पद मुक्त करते हुए नई कमेटी का गठन किया जाएगा।मजदूरों का हक अधिकार दिलाने के लिए संगठन संकल्पित होगा।

मौके पर गणेश ठाकुर,चंचल कुमार यादव,रक्षित घोष,फूल कुमारी देवी,मंजू देवी,प्रेमलता देवी,प्रदीप कुमार भगत,तूफान यादव,अमित कुमार मंडल,ललित कुमार वर्मा,गोविंद कुमार,संदीप घोष,दिवाकर यादव,अर्जुन कुमार महतो,सरीन कुमार महतो सहित अन्य लोग मौजूद थे।

तीन दिवसीय राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण के साथ हुआ संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बरहेट/साहेबगंजः – बरहेट प्रखंड के भोगनाडीह में सेवा दुमका द्वारा एकलव्य विद्यालय का राज्य स्तरीय तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता आज हुआ संपन्न ।

आयोजित प्रतियोगिता में एकलव्य विद्यालय भोगनाडीह, बसिया(गुमला) और तमाड़ एकलव्य विद्यालय के छात्रों ने हिस्सा लिया ।

खेल प्रतियोगिता में फुटबॉल, खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल और हैंडबॉल के अलावे अन्य प्रतियोगिता में तीरंदाजी,शतरंज,योगा, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, लोंग जंप, हाई जंप ,दौड़ ,जैवलिन खेल सहित अन्य खेल को शामिल किया गया था । वहीं फुटबॉल में भोगनाडीह, खोखो में बसिया, कबड्डी में

बसिया, वॉलीबॉल में तमाड़ टीम विजेता हुए।

सभी सफल प्रतिभागी छात्रों को सेवा दुमका टीम के और से मेडल पहनाकर सम्मानित किया एवं विजेता टीम को कप के साथ पुरस्कृत किया गया।

वही खेल सफल बनाने में शिक्षक गौतम महतो, रंजीत कुमार, मंतोष तिवारी ने अहम भूमिका निभाई वही कार्यक्रम के समापन समारोह का संचालन शिक्षक मुरली मनोहर ने किया इस

मौके पर ईएमआरएस बसिया के शिक्षक अमरदीप कुमार, तमाड़ के सनातन सोरेन, सेवा दुमका के जितेंद्र कुमार दास, अशोक राय चौधरी, अमित कुमार, एकलव्य विद्यालय के प्राचार्य प्रमोद कुमार यादव, उपप्राचार्य रंजीत कुमार मिश्रा सहित सभी शिक्षक गण मौजूद थे।

विकास की बांट जोहता बेड़ो बस्ती

- आजादी के 77 साल बाद भी न बेड़ो बस्ती की सूरत बदली और न ही बस्ती में रहने वालों की जिंदगी
- बेड़ो बस्ती में नरक की जिदगी जी रहे लोग

राष्ट्रीय मुख्यधाराः राजू कुमार सिंह

बेड़ोः आजादी के 77 वर्ष बीत जाने के बावजूद न बस्ती की सूरत बदली और न ही बस्ती में रहने वालों की जिंदगी। खर्च तो योजनाओं के नाम पर लाखों हुए,मगर बस्ती को गंदगी से निजात नहीं मिल पाई। आज भी यहां के लोग बदहाली से जूझ रहे। बेड़ो बस्ती अभी भी विकास से कोसों दूर हैं। बस्ती की गंदी सूरत बदलने और यहां रहनेवालों को मूलभूत सुविधाओं के साथ- साथ आशियाना, शौचालय, नाली सड़क व पेयजल उपलब्ध कराने के नाम पर सरकार द्वारा कई योजनाएं बनाई गई हैं। वहीं योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिए लाखो रुपये खर्च भी

कर दिए गए, पर बस्ती के लोग अब भी गंदगी के बीच जीवन यापन करने को विवश हैं। वहीं बस्ती के विकास व बस्ती वालों के जीवन स्तर में सुधार के नाम पर कई संस्थाएं मालामाल जरूर हो गई। जबकि आज भी बस्ती में रहने वाले लोगों के दरवाजों के आगे कीचड़, सड़क में बहता गंदा पानी, गंदगी व जलजमाव के लगे अंबार के कारण जीना मुहाल हो रहा है। जिसके कारण दर्जनों परिवारों के लोग आजादी के 77 साल बाद भी नरक की जिदगी जीने के लिए विवश हैं। कई बार गुहार लगाने के बाद भी लोगों को सड़क, नाली, कीचड़ और गंदगी से निजात नहीं दिलाई जा रही है। यहां कभी भी बीमारी के फैलने के कारण बड़ी घटना घट सकती है। जबकि सरकार के द्वारा गांव-गांव, गली-गली विकास कराने के दावे व वादे बेड़ो बस्ती के लोगों के लिए दिखावा बन कर रह गए हैं। ग्रामीणों की शिकायत करने के बाद भी जिम्मेदारों ने घरों के आगे जमा कीचड़,पानी निकासी,जलजमाव व गंदगी से निजात दिलाने में नाकाम साबित हुए हैं। इनका कहना है कि गंदगी और कीचड़ के भरे रहने के कारण कई बार लोग बीमारी की मार झेल चुके हैं। गंदगी के कारण बच्चे और लोगों में डेंगू, डायरिया और मलेरिया की बीमारियों का डर सता रहा हैं। इसके बावजूद जनप्रतिनिधि व अधिकारी कोई ध्यान नही दे रहे हैं। महिलाओं व बच्चों ने बताया कि लोगों को गंदगी की बदबू के कारण घरों में रहना दुश्वार हो रहा है। साथ ही गंदगी व सड़क में बहते नाली से लोगों को आने जाने के साथ खाना बनाने और खाने में भी मुश्किल हो जाता है। बस्ती वासियों के कहना है कि कई बार शिकायत की जा चुकी उसके बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया गया है। जिम्मेदारों द्वारा शीघ्र कोई ध्यान नहीं दिया तो आने वाले समय में लोगों को मौत का नजारा भी देखने के लिए विवश होना पड़ेगा।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

झारखंड में कमजोर हुए माओवादी, अस्तित्व के लिए कर रहे संघर्ष

रांची, एजेंसी। झारखंड में भाकपा माओवादी कमजोर हो गये हैं। इसके बावजूद वो वजूद की लड़ाई लड़ रहे हैं। हाल के दिनों में सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में झारखंड में माओवादियों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। पिछले 59 महीने (चार साल 11 महीने) की बात करें तो राज्य के अलग-अलग जिलों में भाकपा माओवादी संगठन और छोटे-छोटे उग्रवादी संगठन से जुड़े कुल 64 नक्सली मारे गये। इस दौरान 620 बड़े नक्सली गिरफ्तार भी हुए। नक्सलियों के साथ इस लड़ाई में सुरक्षाबलों को भी नुकसान उठाना पड़ा है। इन चार साल 11 महीने में नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में 18 जवान भी शहीद हुए।

झारखंड के पांच जिले सिर्फ नक्सल प्रभावित : केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक, झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम, गिरिडीह, गुमला, लातेहार और लोहरदगा माओवाद प्रभावित जिले हैं। इनमें पश्चिमी सिंहभूम को अति माओवाद प्रभावित जिले की सूची में रखा गया है। जबकि शेष चार नक्सल प्रभाव वाले जिले गिरिडीह, गुमला, लातेहार व लोहरदगा डिस्ट्रिक्ट आफ कंर्सन (डीओसी) की सूची में हैं।

झारखंड में सिर्फ 11 नक्सलियों का दस्ता सक्रिय : - चाईबासा जिले के जराइकेला और टोंटो थाना क्षेत्र में मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, सिंगरई, अजय महतो का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 65 नक्सली कैडर शामिल हैं।

- चाईबासा जिले के गोइल केरा और सोनूवा थाना क्षेत्र में मेहनत और अमित मुंडा का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 30 नक्सली कैडर शामिल हैं।

- बोकारो जिले के जागेश्वर बिहार थाना क्षेत्र में विवेक और रघुनाथ का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में 23 नक्सली कैडर शामिल हैं।

- लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र में रविंद्र गंझू का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में पांच नक्सली कैडर शामिल हैं।

- चतरा जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र में मनोहर गंझू का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में तीन नक्सली कैडर शामिल हैं।

- पलामू जिले के मोहम्मदगंज और हैदरनगर थाना क्षेत्र में नितेश यादव का दस्ता सक्रिय है। इस दस्ते में छह नक्सली कैडर शामिल हैं।

माओवादियों ने देश में अपनी कमेटियों को किया भंग : इधर भाकपा माओवादी संगठन ने पूरे देश में अपनी कमेटियों को भंग कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, माओवादियों ने छत्तीसगढ़, ओडिशा, तेलंगाना, बिहार और झारखंड में सेंट्रल कमेटी, रीजनल समिति, जोनल कमेटी, सब जोनल व एरिया कमेटी को भंग किया है। माओवादियों ने खुद को रिट्रीट करने के लिए सभी कमेटी को भंग किया है। सभी माओवादी कमांडरों को भूमिगत होने को कहा गया है।

माओवादियों के पीपुल्स लिबरेशन ऑफ गोरिल्ला आर्मी को डिसेंट्रलाइज्ड होने को कहा गया है। गोरिल्ला आर्मी के कमांडरों को छोटे-छोटे ग्रुप बनाने और बड़ी गतिविधि के लिए ही जमा होने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

ईसाई समुदाय के कमीशन सदस्यों की बैठक संपन्न

रांची, एजेंसी। आर्च बिशप विंसेंट आइंद ने गरीबों के उत्थान और जेल में बंद निर्दोष लोगों की न्याय को लेकर ईसाई समुदाय के विभिन्न कमीशन के सदस्यों ने शुक्रवार को बैठक किया। यह बैठक पुरूलिया रोड स्थित सामाजिक विकास केंद्र में हुआ। बैठक में लोगों के हितों पर काम करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा लोगों के जीवन को सामाजिक, आर्थिक, अध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से आसान बनाने पर आह्वान किया गया। इसके साथ ही साथ दैनिक जीवन में उभरने वाली समस्या को समाधान करने के लिए एक दूसरे का साथ देने पर सहमति बनाई गई। वहीं कमीशन में प्रवासी कमीशन, पर्यावरण कमीशन, प्रिजन मिनिस्टरी, धर्मविधि कमीशन, महिला कमीशन, फैमिली कमीशन व स्वास्थ्य कमीशन को शामिल किया गया। बैठक में फादर आनंद डेविड खलखो, फादर मनोज वेगातनम, प्रोविंशियल, फादर सेबेस्टियन तिर्की, फादर थिओदोर, टोप्पो, फादर प्रदीप कुमार तिर्की, फादर प्रफुल तिग्गा, फादर प्रसन्न तिर्की, फादर विंसेंट मिंज, फ़ादर वीरेंद्र खलखो, फादर असीम मिंज समेत अन्य मौजूद थे।

मांडर में ग्रामीण की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

रांची, एजेंसी। मांडर थाना क्षेत्र के बिसाहा खटंगा निवासी 56 वर्षीय एरेनियुस टोप्पो की शुक्रवार को अज्ञात लोगों द्वारा रड से मार क़र हत्या क़र दी गई। पुलिस ने उसके शव को बरामद क़र पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। इस संबंध में उसकी पत्नी मैक्सिमा कुजूर ने मांडर थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी के अनुसार वह सुबह लगभग 6 बजे बैल को बांधने के लिए अपने खेत की ओर ले गया थे। 6 :45 बजे उसने अपनी पत्नी मैक्सिमा के मोबइल पर फोन किया कि बारी का चाभी तुम्हारे स्कूटी के सीट पर छोड़ दिया हूं नेहा से भिजवा दो। तब वह अपनी नतनी नेहा सुरीन को चाभी देकर साईकिल से भेजी। वह वहां पहुंचने ही वाली थी कि इसी क्रम में नेहा को आते देख वहां खड़ा एक व्यक्ति भागने लगा। कुहासा होने के कारण वह उसे पहचान नहीं सकी।

एक रुपये लीटर शुद्ध पानी पिलायेगा नगर निगम-रैमकी

धनबाद, एजेंसी। शहरवासियों को मात्र एक रुपये में एक लीटर पानी मिलेगा। अगर आपके पास क़ाइन नहीं है, तो क्यू आर कोड स्कैन करके भी पानी ले सकते हैं। शीतल जल की व्यवस्था भी है। हालांकि इसके लिए दो रुपये चुकाने होंगे। डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करनेवाली कंपनी रैमकी ने सीएसआर के तहत शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय के मुख्य द्वार पर आरओ प्लांट शुरू किया। नगर आयुक्त रवि राज शर्मा ने आरओ प्लांट का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि रैमकी की ओर से यहां आरओ प्लांट लगाया गया है। यह आरओ प्लांट एक घंटे में एक हजार लीटर पानी फिल्टर कर शुद्ध बनाता है। टोकन राशि एक रुपये में एक लीटर पानी दिया जा रहा है। आवश्यकता पड़ी, तो भविष्य में अन्य जगहों पर भी आर प्लांट स्थापित किया जायेगा। उद्घाटन समारोह में अपर नगर आयुक्त कमलेश्वर नारायण, मुख्य अभियंता अनूप सामंता, सिटी मैनेजर आनंद राज, रैमकी के सहायक मैनेजर स्वीटी राज आदि उपस्थित थे।

एमए एजुकेशन व एमएड सेम फोर की परीक्षा 14 से

धनबाद, एजेंसी। बीबीएमकेयू के परीक्षा विभाग ने एमए एजुकेशन और एमएड सेमेस्टर फोर (सत्र 2022-24) की परीक्षा की तिथि जारी कर दी है। दोनों परीक्षाएं 14 दिसंबर, 2024 से शुरू हो रही हैं। एमए एजुकेशन की परीक्षा 14 और 16 दिसंबर को होगी। जबकि इसकी प्रैक्टिकल परीक्षाएं 18 से 21 दिसंबर तक आयोजित होंगी। एमए एजुकेशन के लिए परीक्षा केंद्र विवि पीजी विभाग में बनाया गया है। वहीं एमएड सेमेस्टर फोर की परीक्षा 14, 16 और 18 दिसंबर को होंगी। इसके लिए परीक्षा केंद्र विवि पीजी विभाग में बनाया गया है।धनबाद। बीबीएमकेयू में बीएससी नर्सिंग फोर्थ इयर (सत्र 2020-24) की परीक्षा 10 दिसंबर से शुरू होगी। यह परीक्षा 12 और 14 दिसंबर को भी होगी। परीक्षा एक पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक संचालित होगी। धनबाद में इस परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र पीजी विवि पीजी विभाग को बनाया गया है। जबकि बोकारो में इस परीक्षा के लिए बीएस सिटी कॉलेज बोकारो को केंद्र बनाया गया है।

पत्नी की हत्या करके शव के साथ सोया पति, अंतिम संस्कार से पहले हुए बड़े खुलासे

वेस्ट बोकारो, एजेंसी। वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र से बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां ईंट भट्ठा में पत्नी की हत्या की घटना को अंजाम देकर आरोपित पति शव लेकर छत्तीसगढ़ जा रहा था। स्वजनों की शिकायत पर छत्तीसगढ़ पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर वेस्ट बोकारो पुलिस को सौंप दिया।

वेस्ट बोकारो पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ के आमगांव, बले थाना, विलासपुर निवासी प्रदीप कुमार निषाद अपनी 23 वर्षीय पत्नी किरण देवी और 10 माह की बेटी के साथ बसंतपुर केदला स्थित मुकेश महतो के ईंट भट्ठा में पथाई मजदूरी का काम करता था।तीन वर्ष पूर्व ही प्रदीप की शादी हुई थी।

शादी के बाद दंपत्ति में आए दिन लड़ाई होती थी, जिसकी वजह स आरोपी प्रदीप निषाद ने योजनाबद्ध तरीके से 23 नवंबर की रात पत्नी को सुप्तावस्था में स्टॉल (दुपट्टे) से गला घोंटकर मार डाला। इसके बाद उसके शव के बगल में ही 10 माह की बेटी को सुलाकर खुद भी सो गया। लगभग रात के 3 बजे वह किसी का सहयोग लेकर बोलेरो में बैठकर कोठार फोरलेन तक गया। वहां उसने अपनी पत्नी को बीमार बताकर एंबुलेंस की व्यवस्था की और अपने गांव विलासपुर छत्तीसगढ़ के लिए निकल गया। इस बीच उसने एक और साजिश रचते हुए मोबाइल से अपने ससुर को फोन किया।

उनसे कहा कि पत्नी द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई है।आरोपित पर शक होने पर मृतका के पिता ने उसे शव को उनके घर लाने को कहा, लेकिन प्रदीप कुमार निषाद शव को ससुराल न ले जाकर अपने घर ले गया और अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगा।मृतका के स्वजन को शक होने पर उसके चाचा संजय निषाद ने वहां के स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी।

हजारीबाग में फिल्मी स्टाइल में मर्डर, पहले बिजली काटी, फिर घर को बाहर से बंद करने के बाद दिया घटना को अंजाम

बड़कागांव, एजेंसी।हजारीबाग में फिल्मी स्टाइल में हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है। चेपाकला ग्राम निवासी 38 वर्षीय प्रकाश ठाकुर की अपराधियों ने उसके ही घर में घुसकर शुक्रवार की देर रात गोली मारकर हत्या कर दी। सिर में तीन गोली लगने के निशान हैं। प्रकाश ठाकुर हत्या समेत आधा दर्जन मामले में आरोपित था। हत्या करने आए अपराधी बेहद ही पेशेवर थे। घटना को अंजाम देने के पहले गांव के करीब एक दर्जन घरों को उन लोगों ने बाहर से छिटकिनी लगाकर लाक कर दिया था। इससे पहले बिजली भी बंद कर दी थी। घर में अकेले रह रहा प्रकाश ठाकुर हाल ही में जेल से बाहर आया था।वह जिला परिषद अध्यक्ष सुशीला देवी के पति लखन साव पर राइफल से जानलेवा करने के मामले में आरोपित था। बताया जाता है कि अपराधियों ने प्रकाश ठाकुर के सिर में गोली मारी है। सिर पर तीन गोली मारे जाने के निशान हैं। घटना को अंजाम देने के पश्चात अपराधी प्रकाश ठाकुर की स्कार्पियो को भी लेते गए।

घटना की जानकारी मिलते ही शुक्रवार रात तकरीबन 11:30 बजे डाड़ीकला थाना प्रभारी पिंटू कुमार सशस्त्र बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेजा। इधर, पुलिस को एक पर्ची मिला है, जिसमें किसी आनंद साव द्वारा हत्या की जिम्मेवारी लेने की बात कही गई है।

संविधान बड़े सपने देखने की स्वतंत्रता देता है: संजय सेठ

रांची, एजेंसी। संविधान दिवस के 75वें वर्ष पूरे होने पर शनिवार को सांसद कार्यालय में संविधान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मौके पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि संविधान हमें बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की स्वतंत्रता देता है। संविधान हमें लोकतांत्रिक आदर्श, नागरिक अधिकार और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता करने का काम करता है। लेकिन आज कुछ राजनीतिक पार्टियां हाथ में डायरी लेकर चमकाते हैं जो ठीक नहीं है। हम आज संविधान के बदौलत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। आज तथाकथित, कुछ पार्टियां संविधान की दुहाई देने वाले आज संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

अपने वोट बैंक के खातिर अपने हिसाब से संविधान को बदला। जिसका जीता जागता उदाहरण देश में लगाया गया आपातकाल है। आज वह संविधान की दुहाई दे रहे हैं। आज भारत इस संविधान के ग्रंथ के माध्यम से देश आगे बढ़ रहा है। संविधान हमें हमारे अधिकार और कर्तव्यों के बीच संतुलन बनाए रखने और सभी नागरिकों के लिए समानता और न्याय सुनिश्चित करने की प्रेरणा देता है। हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान है।

वरीष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र ने कहा कि हमारा संविधान संवैधानिक मूल्यों और कर्तव्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का काम करता है। भारत की प्रगति, प्रगतिशीलता और समावेशी समाज बनाने की प्रतिबद्धता की याद दिलाता है। राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने और विविधता में एकता के विचार को मजबूत करता है।

रांची के विधायक सीपी सिंह ने आए सभी लोगों को शपथ दिलाई। मौके पर पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजय वर्गीय, पूर्व विधायक डॉ जीतू चरण राम, सनी टोपो, महानगर के महामंत्री बलराम आदि उपस्थित थे।

झारखंड में लागू कराएंगे एनआरसी, बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे पर बरसे निशिकांत दुबे

रांची, एजेंसी। विधानसभा चुनाव खत्म होने के बाद भी बीजेपी लगातार झामुमो और हेमंत सरकार पर हमलावर है। बीजेपी लगातार बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे को उठा रही है। इसी क्रम में गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हम राज्य में हत्रष्ट लागू कराएंगे और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बोरा में बंद करके बाहर करेंगे।

हेमंत सरकार पर घेरते हुए कहा कि चुनाव खत्म होने के बाद मंदिरों पर हमला किया जा रहा है। लगातार बीजेपी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है। दुबे ने कहा कि बीजेपी इन सभी घटनाक्रमों से डरने वाली नहीं है और बीजेपी कार्यकर्ता जब तक जिंदा हैं तब तक हिंदू हितों की बात करते रहेगा।

गोड्डा सांसद ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि आरोपियों पर पहले कार्रवाई नहीं की गई लेकिन मेरे आने के बाद आनन-फानन में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बता दें, मंदिर में तोड़फोड़ मामले में पुलिस ने अबतक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दुबे ने आगे कहा कि इन अपराधियों को सिर्फ पकड़ने से नहीं होगा बल्कि उन्हें उम्रकैद की सजा हो।जब तक इन अपराधियों को उम्रकैद की सजा नहीं होगी तब तक बीजेपी चैन से नहीं बैठेगी। निशिकांत दुबे ने कहा कि हमारे लिए बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा चुनावी मुद्दा नहीं है। हम लगातार इस मामले को उठाते रहेंगे। दुबे ने कहा कि आदिवासियों का आबादी लगातार घटती जा रही है। आदिवासियों की आबादी 45 से घट कर 28 प्रतिशत हो गई है और मुसलमानों की जो जनसंख्या है वह 9 से बढ़कर 24 प्रतिशत हो गई है।

रांची विश्वविद्यालय ने उच्च न्यायालय के आदेश की अनदेखी: अतिथि शिक्षकों का किया निष्कासन

रांची : रांची विश्वविद्यालय ने झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन करते हुए 124 अतिथि शिक्षकों को समायोजित करने के बजाय निष्कासित कर दिया है। माननीय उच्च न्यायालय ने रिट पिटिशन WPS 3842/2024 की सुनवाई के दौरान स्पष्ट निर्देश दिया था कि जब तक मामला विचाराधीन है, अतिथि शिक्षकों को कार्य से अलग नहीं किया जाएगा।

हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव ने सरकार की अंतिम कैबिनेट का कथित रूप से दुरुपयोग करते हुए शिक्षकों को मौखिक तौर पर कक्षाओं से हटा दिया। इसके साथ ही बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली से नाम हटाने, उपस्थिति रजिस्टर हटाने और परीक्षा ड्यूटी से अलग करने जैसे कदम उठाए गए। इस निर्णय से शिक्षा व्यवस्था पटरी से उतर गई है। विद्यार्थी अपने कॉलेज में पहुंच रहे हैं पर या तो वहां शिक्षक नहीं है या तो महाविद्यालय बंद हो चुका है आज मॉडल डिग्री कॉलेज घाघरा पूरी तरह से बंद हो गया है, बीएस कॉलेज लोहरदगा, के. ओ. कॉलेज गुमला के वाणिज्य विभाग ,मारवाड़ी कॉलेज रांची , डोरंडा कॉलेज एसएस मेमोरियल कॉलेज, राम लखन सिंह यादव कॉलेज, जे. न. कॉलेज धुर्वा सहित रांची विश्वविद्यालय के कई स्नातकोत्तर विभागों एवं अंगीभूत महाविद्यालय के कई सारे विभागों में ताला लग चुका है।। विद्यार्थी बिना शिक्षकों के पढ़ाई कैसे करे परीक्षा दे कैसे इस मामले पर कोई ध्यान देने वाला नहीं है अभी सेमेस्टर 3 की परीक्षा चल रही है और आगे सेमेस्टर 2 के परीक्षा आने वाली है और कई कॉलेजों में शिक्षक विश्वविद्यालय में आंदोलन करने के क्रम में अनुपस्थित रहे जिससे उनके कक्षा बाधित हुई पर बिना शिक्षक और बिना पढ़ाई की परीक्षा लेने का दौर जारी है यू कहा जाए तो रांची विश्वविद्यालय डिग्री छापने की मशीन बन चुकी है और इस मशीन में कच्चा माल के रूप में विद्यार्थियों को झोंका जा रहा है।।

इस घटनाक्रम के विरोध में धुर्वा गोलचक्कर, सेक्टर 2 में अतिथि शिक्षकों की एक आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अरविंद प्रसाद ने की और संचालन डॉ. धीरज सिंह सूर्यवंशी ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उल्गुलान आंदोलन शुरू किया जाएगा। जिसके पहले चरण मे अतिथि शिक्षकों के एक शिष्टमंडल कुलपति रांची विश्वविद्यालय रांची को ज्ञापन सपेगा, साथ ही संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया तो वे चरणबद्ध बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

शिक्षक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर अपनी समस्याओं का ज्ञापन सौंपेंगे और प्रदेश के अन्य प्रमुख नेताओं और विश्वविद्यालय के कुलपति को भी इस संबंध में अवगत कराएंगे। बैठक में बड़ी संख्या में अतिथि शिक्षक उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. आशीष कुमार, डॉ. हैदर अली, डॉ. नाजिश हसन, शिवकुमार, निहारिका महतो, सूरज विश्वकर्मा, मोहम्मद शाहबाज, डॉ. मुमताज अंसारी, राजू हजाम, सतीश तिर्की और अंजना कुमारी शामिल थे।

माता वैष्णो देवी मंदिर में 11-12 दिसंबर को होगा अखंड हरि कीर्तन और महाभंडारा

रांची: माता वैष्णो देवी मंदिर, बांस टोली, इटकी रोड, रांची में आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 11 दिसंबर 2024 को अखंड हरि कीर्तन (24 घंटे) का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन 12 दिसंबर को दोपहर 1 बजे संपन्न होगा, जिसके बाद मंदिर परिसर में दोपहर 3 बजे से महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा।

इस भक्तिमय आयोजन में मशहूर मां कालेश्वरी कीर्तन मंडली ग्रुप, हंटरगंज (जोरी) के बसंत लाल, माधव, रविंद्र शर्मा, सरयून यादव, कालेश्वर यादव, और सूर्यदेव यादव जैसे प्रसिद्ध भक्त कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

बैठक में मुख्य रूप से मंदिर के पुजारी सुबोध कुमार मिश्रा, सरयून शर्मा, के.पी. यादव, जयप्रकाश सिंह, रमाकांत शर्मा, शिव किशोर शर्मा, संतोष शर्मा, सत्यानंद शर्मा, विजय कुमार गुप्ता, नीलेश शर्मा, चंदन विश्वकर्मा, सुरेंद्र कुमार शर्मा, माधुरी देवी, ब्यूटी शर्मा, ललिता देवी, स्वीटी शर्मा, और निभा मिश्रा सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

यह आयोजन भक्तों को भक्ति में लीन होने का अवसर प्रदान करेगा और क्षेत्र के धार्मिक माहौल को और भी पवित्र बनाएगा।

जीरो डे पर 35 कंपनियां कैंपस प्लेसमेंट के लिए पहुंचीं

धनबाद, एजेंसी। आइआइटी आइएसएम का एकेडमिक वर्ष 2024-25 का प्लेसमेंट सीजन संस्थान के छात्रों के लिए नये अवसरों और उच्च वेतन पैकेजों के साथ शानदार शुरुआत लेकर आया है। प्लेसमेंट सीजन शनिवार रात 12 बजे से आधिकारिक रूप से शुरू हो गया है। इस दौरान रविवार को जीरो डे के तहत 35 कंपनियों ने कैंपस में आकर साक्षात्कार लेने के लिए छात्रों का रजिस्ट्रेशन कराया है। जीरो डे के इस पहले दौर में कई प्रमुख मल्टीनेशनल कंपनियों में माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, स्लमबर्जर, सैमसंग आरएंडडी, टेक्सास इंस्ट्रुमेंट्स, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, मिंत्रा, इंटेल और फोन पे जैसी कंपनियां प्लेसमेंट प्रक्रिया का हिस्सा बन चुकी हैं। जीरो डे के लिए संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लगभग 750 छात्रों ने इन कंपनियों के साथ प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। शुरुआती अनुमानों के अनुसार, जीरो डे के अंतर्गत 200 से अधिक छात्रों को नौकरी मिलने की संभावना है।

प्लेसमेंट सीजन का पहला स्लॉट 16 कंपनियों को आवंटित किया गया है। इस स्लॉट में शामिल कंपनियों को शनिवार रात 12 बजे से रविवार दोपहर 12 बजे तक छात्रों के साक्षात्कार का अवसर दिया गया है। वहीं, जीरो डे के लिए दूसरे स्लॉट में कुल 19 कंपनियां शामिल होंगी।

करियर डेवलपमेंट सेंटर (सीडीसी) की चेयरपर्सन प्रो। सौम्या सिंह ने बताया कि संस्थान का लक्ष्य इस साल 100 प्रतिशत छात्रों का प्लेसमेंट सुनिश्चित करना है। रविवार दोपहर से ही प्लेसमेंट के परिणाम आने शुरू हो जायेंगे। प्रो। सिंह ने आगे बताया कि इस वर्ष करीब 1500 छात्रों ने प्लेसमेंट ड्राइव में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है, जिसमें बीटेक के लगभग 1000 छात्र शामिल हैं।

इस बार, प्लेसमेंट सीजन के शुरू होने से पहले ही 200 से अधिक छात्रों को प्री-प्लेसमेंट ऑफर्स (पीपीओ) मिल चुके हैं। इस वर्ष पीपीओ के दौरान छात्रों को सर्वाधिक 60 लाख रुपये वार्षिक तक का पैकेज मिला है।

पीपीओ ऑफर देने वाली प्रमुख कंपनियों में माइक्रोसॉफ्ट, ओएनजीसी, एक्सॉन, क्रेन ऑयल एंड गैस, सैमसंग रिसर्च इंस्टीट्यूट। रिलायंस इंडस्ट्री, बीमैप जापान, बीएनवाइ मैलॉन, डाइची लाइफ होल्डिंग, गूगल, बोस, बेकर हैजेस, डेमलर इंडिया, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट, स्प्रिंकलर, सोटाओजी, जेप्टो, एडोब, डी-शॉ, एटैलाशियन, स्टैंडर्ड चार्टड, ब्रैकले, रिमो टेक जापान, वॉलमार्ट, अरिस्ता नेटवर्क, उबर, सिस्को, ओरेकल, गोल्डमैन सैचे, सेल्स फोर्स, जगुआर लैंड रोवर, ग्लोबल डाटा, सर्विस नॉउ, अमेजन समेत अन्य बड़ी नामचीन कंपनियां शामिल हैं। पिछले वर्ष (2023-24) में 184 छात्रों को पीपीओ मिला था, जबकि पूरे वर्ष के दौरान कुल 1090 छात्रों को नौकरी मिली थी।

सीआरएम टीम ने सौंपी रिपोर्ट, स्वास्थ्य सचिव ने सीएस को दिया सुधार का निर्देश

साहिबगंज, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित कार्यक्रमों की जांच के लिए साहिबगंज आई सीआरएम की टीम ने जिले के स्वास्थ्य केंद्रों की जांच कर शनिवार को अपनी रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को सौंप दी।

सचिव ने रिपोर्ट के आधार पर साहिबगंज के सिविल सर्जन डॉ प्रवीण कुमार संथालिया समेत अन्य डॉक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी बिंदुओं पर जानकारी ली। उन्हें व्यवस्था में सुधार का निर्देश दिया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सीएस के अलावा डीएस डॉ मोहन मुर्मू, डॉ मुकेश कुमार, तालझारी सीएचसी प्रभारी डॉ रंजन कुमार, डॉ सती बाबू, डीपीएम हिना गौरव वर्णवाल शामिल थे।

ज्ञात हो कि तीन दिवसीय दौरो पर आई सीआरएम की टीम ने जिले के सभी प्रखंडों में जाकर सीएचसी की जांच की थी। अंतिम दिन शुक्रवार को टीम के सदस्यों ने अलग-अलग बंट कर काम किया। एक टीम ने पुराना सदर अस्पताल स्थित एमसीएच, एमटीसी, पीएचसी का निरीक्षण किया। वहीं दूसरी टीम ने मंडरो में कई अस्पतालों का जायजा लिया और फील्ड विजिट कर लोगों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली।

पुतिन की वचनबद्धता खत्म

रूस ने अपनी तरफ से परमाणु अस्त्र ना दागने की वचनबद्धता खत्म कर दी है। इसकी जगह अब प्रावधान किया है कि जब रूस "नाटो के हमलों" से खुद को खतरे में पाएगा, वह अपनी तरफ से परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा। इस हफ्ते की दो घटनाओं ने तीसरे विश्व युद्ध को दुनिया के और करीब ला दिया है। पहले अमेरिका में निवर्तमान जो बाइडेन प्रशासन ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ एटीएसीएमएस मिसाइलों के इस्तेमाल का अधिकार दे दिया। उसकी प्रतिक्रिया में रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन ने देश का परमाणु अस्त्र सिद्धांत बदलने के आदेश पर दस्तखत कर दिए। अमेरिका ने जब इन मिसाइलों की सप्लाई यूक्रेन को की थी, तभी पुतिन सरकार रूस की संसद ड्यूमा से परमाणु सिद्धांत में परिवर्तन का प्रस्ताव पारित करा लिया था। एटीएसीएमएस अति-आधुनिक मिसाइलें हैं, जिनसे दुश्मन को भारी क्षति पहुंचाई जा सकती है। रूसी विशेषज्ञों के मुताबिक इन मिसाइलों को संचालित करने की क्षमता यूक्रेन के सैनिकों में नहीं है, इसलिए इन्हें चलाने के लिए विशेषज्ञ सैनिक भी नाटो के सदस्य देशों से भेजे गए हैं। पुतिन ने कहा था कि इन मिसाइलों से हमले का मतलब नाटो सेनाओं की यूक्रेन में सीधी भागीदारी होगी, जिससे पौने तीन साल से जारी इस जंग का स्वरूप बदल जाएगा। तब रूस यह मानेगा कि उसकी सीधे नाटो से जंग चल रही है। इस क्रम में नाटो के हर सदस्य देश उसके निशाने पर होंगे। परमाणु सिद्धांत में परिवर्तन के तहत रूस ने अपनी तरफ से परमाणु अस्त्र ना दागने की वचनबद्धता खत्म कर दी है। इसकी जगह अब प्रावधान किया है कि जब रूस "नाटो के हमलों" से खुद को खतरे में महसूस करेगा, वह अपनी तरफ से परमाणु हथियार का इस्तेमाल करेगा। इस तरह यूक्रेन युद्ध ने बेहद गंभीर और खतरनाक रूप ले लिया है। राहत की बात सिर्फ यह है कि अमेरिका में निर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टीम ने एटीएसीएमएस मिसाइलों के इस्तेमाल की इजाजत देने के बाइडेन प्रशासन के निर्णय की आलोचना की है। ऐसे में यह संभव है कि कोई अत्यंत खतरनाक कदम उठाने से पहले रूस अगले 20 जनवरी को ट्रंप के ह्वाइट हाउस में प्रवेश का इंतजार करे। ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध रोकने का इरादा जताया हुआ है। वे अपने इस चुनावी वादे पर कायम रहे, तो दुनिया महाविनाश से बच जाएगी। वरना, संभावित स्थितियों की कल्पना भी भयावह लगती है।

भारतीय संस्कृति का प्रतीक है महाकुंभ मेला

महाकुंभ मेला भारत की गौरवशाली संस्कृति का प्रतीक है। यह देश की सांस्कृतिक धरोहर है। यह मेला हमारी गौरवमयी संस्कृति का संवाहक है। यह भारत की आध्यात्मिक शक्ति एवं आस्था को दर्शाता है। यह कला-संस्कृति, गायन, नृत्य, हस्तकला को प्रोत्साहित करता है। इस मेले में संपूर्ण भारत की झलक मिलती है। इसमें प्राचीन भारत के साथ-साथ आधुनिक भारत का भी बोध होता है। मेले में सम्मिलित होने से आत्मा के अजर अमर होने की भारतीय मान्यता पर विश्वास अत्यधिक दृढ़ हो जाता है। यह मेला भारतीय दर्शन का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा स्नान के साथ कुंभ मेले का शुभारंभ होगा तथा 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान के साथ इसका समापन होगा। शाही स्नान 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर, 3 फरवरी को बसंत पंचमी पर, 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा पर तथा 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर होगा।

सांस्कृतिक व धार्मिक महत्व9प्रयागराज हिंदुओं का अत्यंत महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। यहां गंगा, यमुना एवं सरस्वती का अद्भुत संगम होता है जिसे अत्यंत पवित्र माना जाता है। यहां कुंभ मेले का आयोजन होता है। कुंभ मेले के अवसर पर करोड़ों श्रद्धालु प्रयाग, हरिद्वार, उज्जैन एवं नासिक में स्नान करके पुण्य अर्जित करते हैं। इनमें से प्रत्येक स्थान पर प्रति बारहवें वर्ष तथा प्रयाग में दो कुंभ पर्वों के मध्य छह वर्ष के अंतराल में अर्धकुंभ मेले का आयोजन होता है। कुंभ का शाब्दिक अर्थ घड़ा एवं मेले का अर्थ एक स्थान पर एकत्रित होना है। कुंभ मेला अमृत उत्सव के नाम से भी प्रसिद्ध है। खगोल गणनाओं के अनुसार कुंभ मेला मकर संक्रांति के दिन प्रारंभ होता है। उस समय सूर्य एवं चंद्रमा, वृश्चिक राशि में तथा वृहस्पति, मेष राशि में प्रवेश करते हैं। इस दिवस को अति शुभ एवं मंगलकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार खुल जाते हैं। इस दिन स्नान करने से आत्मा को उच्च लोकों की प्राप्ति होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान विष्णु अमृत से भरा हुआ कुंभ लेकर जा रहे थे तभी असुरों ने उन पर आक्रमण कर दिया। अमृत प्राप्ति के लिए देव एवं दानवों में परस्पर बारह दिन तक निरंतर युद्ध होता रहा। देवताओं के बारह दिन मनुष्यों के बारह वर्ष के समान होते हैं। इसलिए कुंभ भी बारह होते हैं। इनमें से चार कुंभ पृथ्वी पर होते हैं तथा शेष आठ कुंभ देवलोक में होते हैं। देव एवं दानवों के इस संघर्ष के दौरान भूमि पर अमृत की चार बूंदें गिर गईं। ये बूंदें प्रयाग, हरिद्वार, नासिक एवं उज्जैन में गिरीं। जहां-जहां अमृत की बूंदें गिरीं वहां पर तीर्थ स्थल का निर्माण किया गया। तीर्थ उस स्थान को कहा जाता है जहां मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस प्रकार जहां अमृत की बूंदें गिरीं, उन स्थानों पर तीन-तीन वर्ष के अंतराल पर बारी-बारी से कुंभ मेले का आयोजन किया जाता है। इन तीर्थों में प्रयाग को तीर्थराज के नाम से जाना जाता है, क्योंकि यहां तीन पवित्र नदियों गंगा, यमुना एवं सरस्वती का संगम होता है। इन नदियों में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। भारत में महाकुंभ धार्मिक स्तर पर अत्यंत पवित्र एवं महत्वपूर्ण आयोजन है। इसमें लाखों-करोड़ों श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं। इस बार के महाकुंभ में लगभग 40 करोड़ तीर्थयात्रियों के सम्मिलित होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। लगभग डेढ़ मास तक संचालित होने वाले इस आयोजन में तीर्थयात्रियों के ठहरने के लिए व्यवस्था की जाती है। उनके लिए टेंट लगाए जाते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि एक छोटी सी नगरी अलग से बसा दी गई है। यहां तीर्थयात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की जाती है। यह आयोजन प्रशासन, स्थानीय प्राधिकरणों एवं पुलिस की सहायता से आयोजित किया जाता है।

पाक में क्यों बह रहा शिया मुसलमानों का खून

आर.के. सिन्हा

मोहम्मद अली जिन्ना ने जिस इस्लामिक देश पाकिस्तान को बनवाया था, वहां मुसलमान ही अब मुसलमानों की जान के दुश्मन हो गये हैं। वहां सुन्नी और शिया समुदायों के बीच हुए हालिया संघर्ष में 100 से ज्यादा लोगों का खून बहा। हिंसा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में हुई। सुन्नी बहुल पाकिस्तान में 24 करोड़ की आबादी में शिया मुस्लिम लगभग 15 प्रतिशत ही हैं। पाकिस्तान में शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच का हालिया संघर्ष जटिल है, जिसके जड़ें सदियों पुरानी धार्मिक और राजनीतिक विभाजन के इतिहास पर टिकी हैं। वैसे तो कुछ कट्टरपंथी समूह तो दोनों पक्षों में ही मौजूद हैं जो हिंसा का इस्तेमाल करके ही अपने धार्मिक विचारों को आगे बढ़ाने में विश्वास रखते हैं। ये समूह साम्प्रदायिक भेदभाव को बढ़ावा देते हैं और हिंसा को सही ठहराते हैं। पाकिस्तान में सुन्नी समुदाय कतई शिया मुसलमानों को पसंद नहीं करते। इससे साफ है कि इस्लाम अपने मानने वालों को भी नहीं जोड़ता। हालांकि बातें बहुत होती हैं कि सारी दुनिया के मुसलमान एक हैं। लेकिन , ये अपनी इस बात को तो स्वयं ही बार-बार गलत साबित करते रहते हैं । पाकिस्तान में शिया मस्जिदों में धमाके और विष्फोट होना भी आम बात हो चुकी है। पेशावर में मई, 2022 में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान हुए दिल दहलाने वाले आत्मघाती बम विस्फोट में लगभग 60 से अधिक शिया नमाजी मारे गए थे।। हमलावरों ने निशाना बनाया था शिया मुसलमानों और उनकी इबादतगाह को। यह भी याद रखा जाए कि एक इस्लामिक मुल्क में ही शिया मुसलमानों का जीना मुश्किल हो गया है। वे हर वक्त डर-भय के साए में जीने को मजबूर बने रहते हैं। यह हाल उस पाकिस्तान का है जो मुसलमानों के वतन के रूप में बना था। पेशावर की शिया मस्जिद में हुआ हमला कोई अपने आप में पहली बार नहीं हुआ था। वहां पर शिया मुसलमानों पर लगातार जुल्मों-सितम होते रहे हैं। पाकिस्तान में लगातार प्रतिबंधित संगठन शियाओं के ख़िलाफ़ खुलेआम प्रदर्शन भी करते हैं। इस तरह के ज्यादातर प्रदर्शन लाहौर, क्वेटा, पेशावर वगैरह शहरों में देखने को मिलते हैं। वहां पर शिया मुसलमानों के खिलाफ माहौल बनाने वाला साहित्य भी हर जगह आसानी से वहाँ पर आम लोगों को आसानी से उपलब्ध है। तालिबान और इसी तरह के अन्य अतिवादी समूहों के विचारों का प्रभाव पाकिस्तान में है, जो साम्प्रदायिक संघर्षों को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। यह समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए शिया-सुन्नी संघर्ष का उपयोग आम तौर पर करते हैं। पाकिस्तान में कुछ सियासी नेता साम्प्रदायिक तनाव को अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं। वे मतदाताओं को लुभाने के लिए और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कमजोर करने के लिए साम्प्रदायिक भावनाओं को भड़काते हैं। बेशक, पाकिस्तान सरकार की सुन्नी परस्त नीति के कारण साम्प्रदायिक हिंसा को रोकने में नाकामी, या यहां तक कि कुछ मामलों में इसमें सहयोग करने से, इस समस्या को और बढ़ावा मिलता है। पाकिस्तान में कुछ सुन्नी जिन्ना को भी शिया बताते हैं। कौन जाने की एक बार जिन्ना शिया साबित कर दिए गए तो उनकी विरासत को भी बिना कुछ जाने समझे ही पाकिस्तान में धूल में मिला दिया जायेगा। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों, विशेषकर शिया मुसलमानों, हिंदुओं, ईसाइयों और सिखों के साथ भेदभाव के कई जटिल कारण हैं, जिनमें धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक उद्देश्य और कई सामाजिक-आर्थिक कारक शामिल हैं। कोई एकल कारण नहीं है, बल्कि ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं। पाकिस्तान में कुछ अतिवादी आतंकी धार्मिक समूहों का प्रभाव काफी है , जो सुन्नी इस्लाम के एक विशेष व्याख्या का प्रचार करते हैं जो अन्य धर्मों और शिया इस्लाम के प्रति असहिष्णुता को बढ़ावा देता है। कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी राजनीतिक शक्ति बढ़ाने के लिए धार्मिक भावनाओं का इस्तेमाल किया है। वे अल्पसंख्यकों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, उन्हें "दूसरे" के रूप में चित्रित करते हैं, जिससे सामाजिक विभाजन बढ़ता है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को

अक्सर सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित किया जाता है। उन्हें अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा तक सीमित पहुँच होती है, जिससे वे और भी हाशिए पर आते ही चले जाते हैं। यह आर्थिक असमानता सामाजिक भेदभाव को और बढ़ाती है। एक समस्या यह भी है कि अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाले अपराधों में अक्सर अपराधियों को सजा नहीं मिलती है, जिससे उन्हें अन्याय का सामना करना पड़ता है और भेदभाव जारी ही रहता है। न्याय प्रणाली में सुधारों की कमी से अल्पसंख्यकों का भरोसा कम होता है। अगर आप पाकिस्तान के इतिहास को देखें तो पायेंगे कि पाकिस्तान की स्थापना के समय से ही अल्पसंख्यकों के साथ लगातार अत्याचार और भेदभाव होता रहा है। यह सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कारक आज भी भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। पाकिस्तान में हिन्दुओं को भी नफरत की निगाह से देखने वाले भी कम नहीं हैं। हालांकि लगभग सारे पाकिस्तानियों के पुरखे हिन्दू ही तो थे। पाकिस्तान का इतिहास हिन्दुओं के खिलाफ नाइंसाफी और खून से लथपथ है। हालांकि 11 अगस्त,1947 को मोहम्मद अली जिन्ना ने एक भाषण में यह कहा था कि पाकिस्तान में सभी धर्मों के मानने वालों को अपने धार्मिक स्थानों में जाने की अनुमति होगी। यानी पाकिस्तान के विश्व मानचित्र में आने से सिर्फ तीन दिन पहले। उन्होंने अपनी कैबिनेट में जोगिन्दर नाथ मंडल नाम के एक हिन्दू को शामिल भी किया था। वे पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से थे।मंडल को जिन्ना ने अपनी कैबिनेट में विधि मंत्री की जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा था कि इस्लामिक पाकिस्तान में सबके हक सुरक्षित हैं। पर हुआ इसके ठीक विपरीत। मंडल पाकिस्तान के पहले और शायद आखिरी हिन्दू मंत्री बने। वे वहां पर अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के नेता थे। मंडल अपने को बाबा साहेब अंबेडकर के विचारों से बहुत प्रभावित बताते थे। वे दलित समुदाय से आते थे। वे 1946 में पंडित नेहरू के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार में भी विधि मंत्री थे। जिन्ना की 11 सितंबर, 1948 को मौत के साथ ही मंडल की वहां पर दुर्गति चालू हो गई थी। उनकी हर सलाह को नामंजूर कर दिया जाता। नतीजा यह हुआ कि वे पाकिस्तान को छोड़कर भारत आ गए। ये 1951 के आसपास की बातें हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ नाइंसाफी होती है। इसलिए उनका पाकिस्तान में रहना मुमकिन नहीं होगा। मंडल उसके बाद कोलकत्ता आ गए। उनका 1968 में निधन हो गया। मंडल ने जो कहा था, वह अक्षरशः सही निकला। पाकिस्तान में हिन्दुओं के साथ कभी न्याय नहीं हुआ। इसी का नतीजा था कि जिन्ना का करीबी एक दलित हिन्दू मंत्री तक पाकिस्तान में नहीं रह सका। कुल मिलाकर बात यह है कि पाकिस्तान में अभी तो सिर्फ सुन्नी ही सुरक्षित हैं।आगे क्या होगा शायद खुदा को ख़ुद भी पता न हो । आगे - आगे देखिये होता है क्या?

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

शांति कायम होने की ख़ुशी लेकिन साथ-साथ डर भी

श्रुति व्यास

उम्मीदें दुबारा जाग गई हैं।

पश्चिम एसिया में तनिक शांति लौटी है। पिछले 14 महीनों से हिज़बुल्लाह और इजराइल की तकरार, लड़ाई कल थमी। हजारों विस्थापित लेबनानियों ने बेरूत और दक्षिणी लेबनान में युद्ध से बर्बाद और लगभग वीरान बस्तियां में लौटना शुरू किया है। शांति कायम होने की ख़ुशी है। लेकिन साथ-साथ डर भी है। सीमा के दोनों ओर इस बात की चिंता है कि युद्धविराम कायम रहेगा या नहीं? । आशा है कि 60 दिन का यह युद्धविराम और लम्बा हो जाएगा। अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता में हुए इस समझौते – जिसे इजराइल और लेबनान की सरकारों ने स्वीकार किया है- के अनुसार इजराइल अपनी सेना लेबनान से हटा लेगा। हिज़बुल्लाह अपने लड़ाकों को दक्षिण लेबनान से बाहर भेज देगा। लेकिन इसकी समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि बहुत कुछ आगे के घटनाक्रम पर निर्भर करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि हिज़बुल्लाह की किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्यवाही का माकूल जवाब देने का अधिकार इजराइल सुरक्षित रखता है।

इस बीच हिज़बुल्लाह, जो पहले इस बात पर जोर देता था कि लेबनान का भविष्य गाजा से जुड़ा हुआ है , ने अपने ईरानी आकाओं के आशीर्वाद (और प्रोत्साहन) से अपना रवैया बदला और गाजा में चल रहे युद्ध से अपने को अलग करते हुए समझौता किया है। हिज़बुल्लाह ने किसी से भी सलाह-मशविरा किए बिना इजराइल पर राकेट दागने का खतरनाक फैसला किया था। इस भिडंत ने लेबनान को पिछले कई दशकों के सबसे भयावह युद्ध में धकेल दिया। इससे हिज़बुल्लाह लेबनान में और पूरे पश्चिमी एशिया में अलग-थलग पड़ा। अब लेबनान के सामने अपने शहरों को फिर से बनाने की बड़ी चुनौती है। दुश्मन के शिविर में जासूसों के ज़रिये घुसपैठ कर इजराइल, हिजबुल्लाह के महासचिव आसीन हसन नसरूल्लाह सहित कई वरिष्ठ नेताओं की हत्या करवाने में सफल रहा है। इजराइल ने इस संगठन के प्रति वफादार लोगों की बस्तियों पर बम हमले किए जिससे लाखों लोग अपने घर छोडक़र भागने का मजबूर हुए। दर्जनों गांवों को बम से उड़ा दिया गया जिसके चलते बहुत से लोगों के सामने अब मुसीबत यह है कि अगर वे तुरंत वापिस आना चाहें भी तो उनके पास रहने के लिए कोई जगह नहीं है। लेकिन हिज़बुल्लाह के लड़ाके और समर्थक अभी भी लेबनान में मौजूद हैं। वापिस लौटने वाले लोग हिज़बुल्लाह के पीले झंडे लहराकर यह संकेत दे रहे थे कि यह हिज़बुल्लाह की जीत है। हिज़बुल्लाह युद्धविराम को अपनी जीत की तरह प्रस्तुत कर रहा है। जबकि वास्तविकता यह है कि हिज्बुल्लाह बुरी तरह तबाह है और उसके लिए अपनी पूर्व की शक्ति हासिल करना बहुत मुश्किल होगा। इसलिए हिज़बुल्लाह के लेबनान में और अन्य स्थानों पर मौजूद विरोधियों को उम्मीद है कि उसके कमजोर हो जाने से वह अब देश के राजनीतिक तंत्र पर अपनी मर्जी लादने में सक्षम नहीं रहेगा। हालांकि यह देखना होगा कि कितने राजनैतिक दलों की इतनी हिम्मत होगी कि वे एक कमजोर हो चुके हिज़बुल्लाह को भी चुनौती दे सकें। जहां तक इजराइल का सवाल है, बेंजामिन नेतन्याहू कईयों के विरोध के

बावजूद युद्धविराम को स्वीकार करने के लिए बाध्य हुए है। देश में और दुनिया में उनकी छवि बिगड़ती जा रही थी और उन्हें आलोचनाओं की मार झेलनी पड़ रही थी। इसके अलावा इजराइल लड़ते-लड़ते थकावट महसूस करने लगा था। सेना के लिए दो मोर्चों पर लड़ते हुए मजबूत स्थिति बनाए रखना मुश्किल होता जा रहा था। युद्धविराम के बाद सेना अपना ध्यान बड़े युद्ध पर केन्द्रित रख पाएगी। नेतन्याहू ने लेबनान में युद्धविराम के लिए राजी होने की वजह यह बताई कि अब वे "ईरानी खतरे पर ध्यान केन्द्रित" कर पाएंगे। हालांकि उन्होंने यह साफ करने से इंकार कर दिया कि इससे उनका क्या आशय है।

राष्ट्रपति बाइडन ने युद्धविराम का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे गाजा पट्टी में चल रहे हमास और इजराइल के युद्ध को रूकवाने की राह बनेगी। हालांकि इसके लिए पिछले कुछ महीनों में किए गए कूटनीतिक प्रयासों का कोई नतीजा नहीं निकला है। लेकिन बाइडन की उम्मीद अभी भी कायम है। अब उनके कार्यकाल का दो माह से भी कम समय बचा है और सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा है कि अमेरिका आने वाले दिनों में गाजा में युद्ध विराम करवाने का 'एक और प्रयास' करेगा। लेकिन जब वे ये उम्मीद भरी बात लिख रहे थे, उसी दौरान इजराइल ने गाजा के कई दर्जन इलाकों पर हमला किया और उन्हें हमास के सैन्य ठिकाने बताया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इन हमलों में कम से कम 33 लोग मारे गए और 134 अन्य घायल हुए। नेतन्याहू गाजा में युद्ध जारी रखने के प्रति दृढ़ संकल्पित हैं। यह दृढ़ता अभी तो बीबी को सत्ता में बनाए रख सकती है किंतु ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद यह उन्हें भारी पड़ सकती है। ट्रंप ने नेतन्याहू से साफ शब्दों में कह दिया है कि वे चाहते हैं कि 20 जनवरी को उनके ओवल आफिस में काम संभालने के पहले लड़ाई बंद हो जाए। क्या नेतन्याहू झुकेंगे? या जो बाइडन यूरोप की मदद लेकर, ट्रंप के उछल-कूद शुरू होने के पहले इस बवाल को रोकने में सफल हो पाएंगे? किसी भी युद्ध में शांति कायम करना सबसे मुश्किल काम होता। लेकिन हर युद्ध का रुकना, भले ही वह कुछ अर्से के लिए हो, उम्मीद तो जगाता ही है।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में उच्च अधिकारियों के द्वारा शुभ समाचार मिलेगा। जो लोग जॉब की तलाश में हैं उनको अच्छा रोजगार मिलने के योग बन रहे हैं। मित्रों की सहायता से आपको नए-नए कांटेक्ट मिलेंगे। आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए आनंददायक रहने वाला है। आपको अपनी वाणी की मधुरता को बनाए रखना है, नहीं तो रिश्तो में दूरियां भी देखने को मिल सकता है। आपका पुराना मित्र आपसे मिलने आएगा, जिससे मिलकर अपनी पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। प्रतिदिन की दिनचर्या में सुबह की सैर को शामिल करेंगे, जिससे आप अपने आप को काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। कोई पुराना मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे।। आपका ऊर्जा स्तर ऊंचा रहेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। परिवार के सभी लोग मिलकर किसी पार्टी में सम्मिलित होंगे, जहां अन्य लोगों से मेल- मिलाप होगा। किसी खास व्यक्ति से हुई मुलाकात से आपका रुका हुआ काम पूरा हो जायेगा। अपनी क्षमताओं को पहचाने क्योंकि आपके अंदर ताकत की नहीं बल्कि इच्छाशक्ति की कमी है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे। आपको काफी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है। इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। आज आपको बेकार का तनाव लेने की जरूरत नहीं है। जिंदगी का एक बड़ा सबक इस बात को मान लेना है, कि बहुत सी चीजों को बदलना नामुमकिन है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप किसी मनपसंद जगह पर ट्रांसफर ले सकते हैं। आपको उम्मीद से अधिक लाभ की संभावना बढ़ेगी। परिवार में अंडरस्टैंडिंग बढ़ेगी। आज आपके घर पर कोई रिश्तेदार आ सकता है। घर में अच्छा माहौल बना रहेगा। अगर मन में कोई बात आपको परेशान कर रही है, तो अपने दोस्तों से इस बारे में बात करें, आपको अच्छा हल मिल सकता है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन आनंद और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम में कुछ नए विचार लाएंगे। आपका सकारात्मक रवैया ही आपको नौकरी में तरक्की दिलाएगा।आपके बॉस आपको एप्रिशिएट करेंगे। आपके सगे संबंधी आपके सहयोग के लिए तत्पर हर जगह से आपको काम के लिए ऑफर मिलते दिखायी देंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी धार्मिक कार्यो में रुचि बढ़ेगी। आज आप किसी विशेष काम का हिस्सा बन सकते हैं। लंबे समय से फंसा हुआ धन आज आपको वापस मिल सकता है। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। आज आप खुद पर विश्वास करेंगे और अपना पूरा ध्यान केंद्रित करके काम में लगायेंगे।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। यदि आप कंस्ट्रक्शन के बिजनेस जुड़े हुए हैं तो आपके के लिए लाभ के योग हैं आप अपने काम में कुछ परिवर्तन लाने का मन बना सकते हैं। दांपत्य संबंध के तनाव से छुटकारा पाने के लिए आप अपने रिश्तों में थोड़ी ढ़ील देंगे।इस दौरान आप नेगेटिव विचारों से बचें। तभी जीवनसाथी की बातों को समझ पाएंगे। आपके रिश्ते में परिस्थितियां बेहतर होंगी। आज आप कोई बिजनेस मीटिंग अटेंड करने जा सकते हैं।

कुंभ राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा। आज खुद पर ध्यान देंगे। समाज में आपके सराहनीय काम का सम्मान किया जायेगा। काम में आपका कॉन्फिडेंस आपको सफलता दिला सकता है।

मीन राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा।आप फाइनेंस डिपार्टमेंट या सेल्स में काम करते हैं तो आपको आपकी नॉलेज से काफी फायदा होगा। वैवाहिक जीवन में कुछ मनमुटाव की स्थिति रहेगी। लेकिन समय के साथ सब ठीक हो जाएगा। रिश्तों में ईमानदारी बनाए रखें।आपके लिए अच्छा रहेगा। रहें।आज आपके अंदर कॉन्फिडेंस बना रहेगा।

लोकतंत्र के मूल्य

डॉ प्रशान्त करण

लोकतंत्र का हल्ला तब होता है जब चुनाव घोषित होते हैं. उसके पूर्व अथवा पश्च्यात सिर्फ सिसकियाँ ही सुनी जाती हैं. हमारी पीढ़ी डालडा खाकर बड़ी हुई , मिलावटी अनाज, मसाले , तेल , घी को खाकर हम बड़े होकर प्रौढ़ होने को आ गए . अब शुद्ध घी , अनाज , मसाले , तेल आदि हमें खाने को मिलते हैं तो नहीं पचते .उसी प्रकार लोकतंत्र के नाम पर हमें राजतंत्र मिलता रहा और हमें प्रजातंत्र का पता ही नहीं चला . जिन्होंने पता लगाने का प्रयास भी किया उनका कहीं बाद में पता नहीं चला . मेरे मुहल्ले के वे पिछले आठ विधान सभा चुनावों में जितने उत्साह से खड़े होते रहे , उसी निरुत्साह से ससम्मान पराजित होते रहे. इस क्रम में उनकी सारी सम्पत्तियाँ बिक गयीं और सड़क पर आ गए . लेकिन उत्साह में कमी नहीं आने दी.इस बार के विधान सभा चुनाव में मतों के विभाजन , वर्तमान विधायक के विरुद्ध आक्रोश , विपक्ष के प्रत्याशी के कमजोर होने आदि - आदि नाना प्रकार के कारणों से वे अप्रत्याशित , अविश्सनीय रूप से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में विजयी हो गए. आश्चर्य उन्हें भी हुआ.आम विधायकों की तुलना में वे अधिक पढ़े - लिखे थे.अपना हस्ताक्षर हिंदी में कर लेते थे और पाँचवीं कक्षा में पाँच बार अनुत्तीर्ण होने पर उन्होंने मान लिया था कि वह विद्यालय ही उनके अनुकूल नहीं है. परन्तु लोग बताते थे कि उन्हें लोकतंत्र की समझ सबसे अधिक है.लोकतंत्र समझने के मात्र उद्देश्य से उनसे मिलने लोग मुझे भी ले गए . सामान्य औपचारिकताओं के बाद बिना समय गँवाये मैं सीधा पूछ बैठा - लोकतंत्र के मूल्य बताइए . वे बोले - आपका प्रश्न बड़ा उत्तम है. इसका सीधा उत्तर मेरे निर्दलीय होने में छिपा है .लोकतंत्र तो स्वतन्त्रता के बाद से प्रथम बार जी खड़ा हुआ है. इसके पूर्व इसकी हर बार हत्या होती रही. इसबार जीवित हो उठा है . मैं चुनाव जीत जो गया . मेरा विजयी होना ही लोकतंत्र के मूल्य से जुड़ा है. मैं हार जाता तो लोकतंत्र फिर से मर जाता . लेकिन मेरे विजय ने उसमें प्राण फूँक दिए .किसी दल को बहुमत नहीं है . तभी उनका दूरभाष बज उठा. उन्होंने दूर जाकर फोन पर बहुत बात की. आकर बोले - पिछली सरकार का दल सरकार के पक्ष में आने के लिए ग्यारह करोड़ दे रहा है . तभी दूरभाष की घंटी फिर बजी. इस बार उन्होंने हमलोगों के सामने बात की . कहने लगे - क्या दस करोड़ ? अरे पंद्रह तो आपका विरोधी पक्ष दे रहा है. फिर उधर से कुछ कहा गया. जिस पर उन्होंने कहा - नहीं , मैं बीस से नीचे नहीं लूँगा. मंत्रिपद तो वे भी दे रहे हैं सो आप भी देंगे. फिर उधर से किसी बात पर वे बोले- देखिये पथ निर्माण विभाग के स्वास्थ्य विभाग तो देना होगा . फिर मुस्कुराते हुए दूरभाष से अलग हो गए . फिर पक्ष और विपक्ष के दो समूह बारी - बारी से आया. अब वे चालीस करोड़ और दोनों विभाग के साथ अकड़े थे . अंततः बात विपक्ष गुट से पैंसठ करोड़ और दोनों विभागों पर बन गयी . वे अब उठकर हाथ पीछे बांधकर कमरे में टहलने लगे . टहलते हुए बोले - लोकतंत्र का मूल्य थोक और खुदरा दोनों है . थोक भाव आपने सुन ही लिया. मंत्री बनते ही थोक के साथ खुदरा मूल्य मैं वसूल करता रहूँगा. आप लोग क्या समझें लोकतंत्र का मूल्य ? अब हमलोग उठकर चुपचाप चले आए . लोकतंत्र के मूल्य के साथ साथ राजनीति के अर्थशास्त्र भी समझ से बाहर हैं ! क्या यह लोकतंत्र का अर्थशास्त्र है अथवा अर्थशास्त्र का लोकतंत्र ?

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**❋; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।** **रांची** – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
❋समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ० यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

मोकामा में हत्या के विरोध में दुकानें बंद: जमीन विवाद में बहन पर भाई की हत्या का आरोप

पटना, एजेंसी। बाढ़ के मोकामा थाना इलाके में शुक्रवार की रात जमीन विवाद में कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके विरोध में मोकामा के सभी कारोबारियों ने अपनी-अपनी दुकानें बंद कर प्रशासन से सुरक्षा की मांग की है। मोकामा के मुख्य पार्षद और कई वार्ड पार्षदों ने दुकान बंद का समर्थन किया है।

दुकान बंद कर घर लौट रहा था कारोबारी

अस्पताल में डॉक्टर ने मृत बताया

गोली व्यापारी के पेट और हाथ में लगी थी। वहीं, आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए थे। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने खून से सने व्यापारी को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पैतृक संपत्ति अपने नाम पर कराया था

एएसपी बाढ़-1 राकेश कुमार ने बताया कि मृतक की बहन ने बेगूसराय में उसकी 20 डिसमिल पैतृक संपत्ति को अपने बेटे के नाम करा लिया था। मृतक के परिजनों ने बताया कि उसकी शुक्रवार की दोपहर (भांजा)कुणाल और (जीजा)अजय सिंह के साथ जमीनी विवाद को लेकर बहस हुई थी। परिजनों का आरोप है कि जब वह दुकान बंद कर देर शाम अपने घर लौट रहा था। इन दोनों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। इस मामले में मृतक की बहन को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। व्यवसायियों के द्वारा दुकान बंद को लेकर उन्होंने कहा कि मोकामा बाजार क्षेत्र में पुलिस की गश्ती बढ़ाई जाएगी।

किराए के मकान में रहता था

जमीन विवाद में कपड़ा व्यवसायी की मोकामा बाजार रोड में गोली मारी गई थी। मृतक की पहचान बेगूसराय के हरपुरा निवासी चन्द्रमोहन राय(35) के तौर पर हुई है। मृतक अपने परिवार के साथ मोकामा के लहरिया टोला में किराए के मकान में रहता था। मोकामा बाजार में चंद्र मोहन इंटरप्राइजेज के नाम से दुकान चलाता था। चंद्र मोहन दुकान बंद कर लौट रहा था। इसी बीच बाइक पर सवार दो बदमाशों ने व्यापारी को निशाना बनाकर ताबड़तोड़ 5 राउंड फायरिंग की।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार बाइक ट्रैक्टर से टकराई, दो की मौत

नवादा, एजेंसी। नवादा में तेज रफ्तार बाइक ने खड़े ट्रैक्टर से जाकर भिड़ गई। इस हादसे में बाइक पर सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान सद्भावना चौक अंबेडकर नगर निवासी अर्जुन प्रसाद साव के पुत्र आर्यन राज उर्फ हर्ष और आंबेडकर नगर दांगी टोला निवासी अरविंद गिरी के पुत्र सूर्यांश गिरी उर्फ रित के रूप में हुई है। घटना नगर थाना क्षेत्र के बुधौल के पास की है। दोनों युवक बाइक से बुधौल जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाइक की तेज रफ्तार ही हादसे की मुख्य वजह से यह हादसा हुआ है।

तेज रफ्तार के कारण हुआ हादसा : नगर थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि बाइक की रफ्तार बहुत तेज थी, जिसके कारण यह हादसा हुआ। दोनों युवकों ने हेलमेट पहन रखा था, लेकिन तेज गति के कारण टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

पहली बार जिले के 81 हजार से अधिक युवा मतदाता करेंगे वोटिंग

पटना, एजेंसी। राज्य में अगले साल विधानसभा का चुनाव होगा। इस चुनाव में पहली बार पटना जिला के करीब 81 हजार युवा मतदाता वोट करेंगे। वर्तमान मतदाता सूची में 18 से 19 साल के युवा मतदाताओं की संख्या 34 हजार 439 है। एक महीने तक चलने वाले स्पेशल ड्राइव (विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण) के दौरान 56 हजार मतदाताओं ने नाम जोड़ने का आवेदन दिया है। जिला निर्वाचन कार्यालय के मुताबिक 70 से 80 प्रतिशत आवेदन युवा मतदाताओं का है। 6 जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा। इस मतदाता सूची के आधार पर विधानसभा चुनाव होगा। खास बात यह है कि जिले का लिंगानुपात पिछले साल की तुलना में कम हो गई है। जिले का लिंगानुपात (सेक्स रेसियो) 901 है, जो पिछले साल 902 था। अगर जनसंख्या बढ़ी तो अनुमानित लिंगानुपात 926 होनी चाहिए। कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 881 और मसौढ़ी विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 926 लिंगानुपात है। पटना जिले की अनुमानित जनसंख्या 82,87,812 है। इसमें 43,02,709 पुरुष और 39,85,103 महिला शामिल हैं। चुनाव से पहले मतदाताओं को जोड़ने व हटाने का काम तेजी से चल रहा है। इसके बाद वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

एक साल में 1 लाख बढ़े मतदाता: पटना में एक साल में करीब 1 लाख मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। 22 जनवरी 2023 को प्रकाशित सूची में जिले के मतदाताओं की संख्या 49,01,306 थी। 29 अक्टूबर 2024 को प्रकाशन के दौरान मतदाताओं की संख्या बढ़कर 49,62,654 हो गई है। मतदाता सूची में सुधार और नाम जोड़ने के लिए स्पेशल ड्राइव के दौरान नया नाम जोड़ने के लिए करीब 56 हजार आवेदन आए वहीं, नाम हटाने के लिए करीब 17 हजार मतदाता आए।

31 दिसंबर के बाद सूखा गीला कचरा अलग करके न देने पर लगेगा जुर्माना

मोबलाइजर के साथ नगर निगम के पदाधिकारी भी घर-घर जाकर आमजनों को करेंगे जागरूक

पटना, एजेंसी। शहर में सफाई की नई व्यवस्था जल्द ही शुरू होने जा रही है। 31 दिसंबर के बाद लोगों को अपने घरों व प्रतिष्ठानों का कूड़ा-कचरा अलग-अलग करके देना होगा। ऐसा नहीं करने वालों का कचरा उठाव नगर निगम की सफाई टीम नहीं करेगी। एक साथ कचरा मिलाकर देने वालों पर निगम प्रशासन जुर्माना भी लगाएगा। मोहल्लों व कॉलोनियों में कचरा उठाव वाहनों के साथ जाने वाले मोबलाइजर के साथ निगम के पदाधिकारी भी घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगे।

प्रतिदिन तीन घंटे वार्ड में घूमेंगे अफसर

नगर आयुक्त के निर्देश पर अब प्रतिदिन पदाधिकारी सुबह के तीन घंटे वार्ड में घूमेंगे। सभी अंचल के कार्यपालक पदाधिकारी विभिन्न वार्डों के नोडल, जोनल, सहायक लोक स्वच्छता पदाधिकारी एवं मुख्यालय से अपर नगर आयुक्त एवं उप नगर आयुक्त प्रतिदिन वार्ड में घूमेंगे। सभी अफसर वार्डों में सफाई की स्थिति और कूड़ा उठाव की जांच भी करेंगे। इसके अलावा नगर आयुक्त द्वारा भी प्रतिदिन विभिन्न वार्डों का औचक निरीक्षण कर मिशन टोटल सेग्रीगेशन की जांच की जाएगी।

समय व रूट का किया गया निर्धारण

नगर निगम द्वारा कचरा उठाव वाहनों के साथ चलने वाले कर्मियों को एक विशेष लॉग बुक भी दिया गया है। इस लॉग बुक में वह शहर में घूमने वाली डोर टू डोर गाड़ियों के रूट, वार्ड में पड़ने वाले महत्वपूर्ण स्थल एवं उन तक पहुंचने का समय अंकित व दर्ज करेंगे। किस मुहल्ले व कॉलोनी के लोग कचरे को अलग-अलग करके दे रहे हैं या नहीं, इसकी जानकारी भी लॉग बुक में दर्ज करना अनिवार्य है।

लोक सेवा प्रदायगी में बिहार का नंबर-1 जिला बना बक्सर

लगातार तीसरी बार मिला फर्स्ट रैंक, 75226 आवेदनों का समय से हुआ निपटारा

बक्सर, एजेंसी। बक्सर ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट प्रशासनिक क्षमता का परिचय देते हुए लोक सेवा प्रदायगी में पूरे बिहार में पहला स्थान हासिल किया है। बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम 2011 के तहत आम जनता को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने में बक्सर जिला ने लगातार तीसरी बार यह सफलता प्राप्त की है। बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी द्वारा अक्टूबर 2024 में जारी रैंकिंग में बक्सर जिला को 100 में से 89.993 अंक मिले।यह रैंकिंग समय सीमा में सेवा प्रदायगी, अपीलों के निपटान, दंड राशि की वसूली, और लोक सेवा केंद्रों के निरीक्षण जैसे मापदंडों पर आधारित है।

75226 आवेदनों का समय पर निपटारा : अक्टूबर 2024 में बक्सर में जाति, आय, आवास, राशन कार्ड, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र और अन्य सेवाओं के लिए कुल 75226 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका निपटारा निर्धारित समय सीमा के भीतर किया गया।जिला पदाधिकारी की सक्रियता और टीम वर्क का यह परिणाम है।प्रत्येक माह लोक सेवकों के साथ बैठक कर सेवाओं में सुधार सुनिश्चित किया जाता है। समय सीमा का पालन न करने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है।

लोक सेवाओं में आसान प्रक्रियाएं : बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम 2011 के तहत सभी प्रखंडों में सिंगल विंडो सुविधा उपलब्ध है। अब लोग ऑनलाइन आवेदन करके भी सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं।यह सफलता बक्सर जिला प्रशासन और जनता के बीच बेहतर तालमेल और सेवा प्रदायगी में पारदर्शिता का परिणाम है। लगातार तीन बार पहला स्थान हासिल करना बक्सर के लिए गर्व की बात है।

समस्तीपुर में गर्लफ्रेंड के पिता की चाकू मारकर हत्या

रात में लड़की से मिलने घर गया था प्रेमी, पिता ने पकड़ा तो हमला कर दिया

समस्तीपुर, एजेंसी। प्रेमी ने प्रेमिका के पिता की चाकू गोदकर हत्या कर दी। आरोपी प्रेमी गौतम कुमार सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। रोसरा की डीएसपी सोनम कुमारी ने बताया कि गौतम ठेले पर फास्ट फूड बेचता है। इसी दौरान उसकी नजदीकियां संजय की बेटी के साथ बढ़ीं। शुक्रवार रात वो अपने घर से 3 किलोमीटर दूर अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने के लिए विष्णुपुर गांव गया था। घर में घुसते ही प्रेमिका के पिता संजय और उनकी पत्नी शोभा देवी की नींद खुल गई। दोनों ने गौतम को देख लिया। संजय और गौतम के बीच हाथापाई हुई। गौतम ने भागने की कोशिश की पर संजय उसके पीछे दौड़ गए। पकड़े जाने के डर से गौतम ने संजय की हत्या कर दी थी। चाकू से हमले से घायल संजय को उनकी पत्नी शोभा ने आसपास के लोगों की मदद से पीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरोपी उस वक्त मौके से फरार हो गया था। डीएसपी ने बताया कि मरने से पहले संजय ने बयान दिया था। उसी आधार पर गौतम कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया। संजय की पत्नी शोभा देवी के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बिजली विभाग के कैशियर ने फंदे से लटककर दी जान

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में शनिवार को बिजली विभाग के कैशियर का शव फांसी के फंदे से लटकता बरामद हुआ। कैशियर पिछले 5 सालों से शहर के प्रोफेसर कॉलोनी के गली नंबर 2 में किराये के मकान पर पूरे परिवार के साथ रहता था। शनिवार को ऑफिस से लौटने के बाद पति-पत्नी की बीच विवाद होने के बाद यह घटना घटी। मृतक शेखपुरा जिले के मुरादपुर गांव निवासी सुधांशु शेखर (40) हैं। पत्नी पूनम कुमारी ने बताया कि आज उनकी बड़ी बेटी का जन्मदिन था। वो ऑफिस से लौटकर डेरा पर पहुंचे थे। मैंने उन्हें खाना दिया लेकिन इसी बीच जन्मदिन मनाने की तैयारी को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। पति ने खाना फेंककर सोने चले गए। मैं बच्चों के साथ छत पर रख कपड़ा को उतारने के लिए चली गई। नीचे आने के बाद देखा कि पति का शव पंखे से लटका हुआ है। शोर मचाने के बाद आसपास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई। मौके पर पहुंचे लोगों ने फंदा काटकर नीचे उतारा। आनन फानन में आसपास के लोगों ने उन्हें सदर अस्पताल लाया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई।

कट्टा और सिक्सर के साथ युवक ने शेयर की फोटो

गया में कई विवादों में नाम शामिल, पुलिस कर रही मामले की जांच

गया, एजेंसी। गया के फतेहपुर थाना क्षेत्र के चरोखरी गांव निवासी राकेश यादव की फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। जिसमें वो अपने हाथ में देशी कट्टा और कमर में सिक्सर लटकाए नजर आ रहा है। फोटो वायरल होने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच के साथ युवक की तलाश में जुट गई है। बताया गया है कि यह तस्वीर खुद राकेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की। जानकारी के मुताबिक, युवक ने यह कदम समाज में अपनी दबदबा बनाने के लिए यह कदम उठाया है। वहीं, इस फोटो को देखने के बाद इलाके में लोगों के डर का माहौल बना हुआ है। फतेहपुर थाने के प्रभारी प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि वायरल तस्वीर की सत्यता की जांच की जा रही है। तस्वीर के पीछे की मंशा और हथियार की वैधता की भी पड़ताल की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद जरूरी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, अब तक इस मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है। ना ही वायरल फोटो और फोटो में दिखने वाला युवक ही पकड़ा गया है।

विवादों में रह चुका है युवक

बता दें कि राकेश यादव पहले भी कई विवादों में रह चुका है। बीते दिनों चरोखरी में पैक्स चुनाव के दौरान मतदान केंद्र पर हंगामा करने और व्यवधान उत्पन्न करने का आरोप भी उस पर लग चुका है। उस मामले में पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया था, लेकिन पूछताछ के बाद उसे रिहा कर दिया गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि राकेश यादव अपने दबंग स्वभाव और विवादित गतिविधियों के कारण हमेशा चर्चा में रहता है। इस बार वायरल तस्वीर ने पुलिस और प्रशासन को सख्त कदम उठाने पर मजबूर कर दिया है। पुलिस इस मामले को लेकर पूरी सतर्कता बरत रही है।

बेगूसराय मुख्यालय में बनेगा दो पॉवर सब स्टेशन

विधायक कुंदन कुमार ने सदन में बिजली आपूर्ति और गोताखोरों को लेकर उठाया मुद्दा

बेगूसराय, एजेंसी। बेगूसराय के भाजपा विधायक कुंदन कुमार ने लचर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था का मुद्दा और गोताखोर का मामला सदन में उठाया है। बताया कि बेगूसराय जिला मुख्यालय के ग्रिड पर अत्यधिक लोड होने के कारण अक्सर विद्युत आपूर्ति बाधित होती रहती है।

कुंदन कुमार ने सदन में तारांकित प्रश्न के माध्यम से ऊर्जा विभाग के मंत्री से कहा कि जिला मुख्यालय में तीन 33/11 केवी विद्युत शक्ति उपकेन्द्र कार्यरत हैं। लेकिन बढ़ती मांग के कारण इन पर अत्यधिक भार पड़ रहा है। जिसकी वजह से परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

बिजली और गोताखोर को लेकर सदन में चर्चा

ऊर्जा मंत्री ने कहा है कि बेगूसराय जिला मुख्यालय में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने तथा निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए नए विद्युत शक्ति उपकेन्द्रों के निर्माण का निर्णय किया गया है। बिहार सरकार द्वारा दो नए 2×10 एमवीए क्षमता के विद्युत शक्ति उपकेन्द्रों का निर्माण किया जाएगा। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर इंजिनियरिंग कॉलेज में उपकेन्द्र निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध हो गई है तथा निविदा प्रक्रिया चल रही है।

शहर के दक्षिणी छोर को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए यहां भी एक उपकेन्द्र बनाया जाएगा। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। निर्माण एजेंसी का चयन भी कर लिया गया है। विधायक ने कहा है कि इन नए उपकेन्द्रों के निर्माण से जिला मुख्यालय में निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। दूसरे तारांकित प्रश्न में विधायक कुंदन कुमार ने बेगूसराय जिला में स्थित SDRF में एक भी गोताखोर नहीं होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बेगूसराय जिला कई प्रमुख नदियों से घिरा हुआ है तथा आए दिन जल संबंधी दुर्घटनाओं से प्रभावित होता रहता है। जहां डूबने के घटनाओं में शव को खोजने के लिए दूसरे जिलों से गोताखोर बुलाने पड़ते हैं। जिससे पीड़ित परिवार विचलित रहते है।

8 साल की भांजी की रेप के बाद हत्या : किशनगंज में 2 दिन से लापता थी बच्ची

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज में 8 साल की बच्ची के साथ चचेरे मामा (20) ने रेप किया। इसके बाद उसकी हत्या कर शव को चाय के बागान में फेंक दिया। जानकारी के अनुसार 8 साल की बच्ची अपनी नानी के घर में पिछले 3 साल से रह रही थी। बच्ची के माता पिता बाहर रहकर मजदूरी का काम करते हैं। बच्ची गुरुवार से लापता थी। मामला पोठिया थाना क्षेत्र के एक गांव का है।

गांव वालों को खुद बच्ची के शव के पास ले गया आरोपी : शनिवार को गांव वालों को बच्ची के चचेरे मामा शंभु देहरी पर शक हुआ। इसके बाद उससे पूछताछ की गई तो वो गांव वालों को घटनास्थल पर ले गया और बच्ची का शव दिखाया। इसके बाद स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि मुदस्सिर नजर ने घटना की जानकारी पोठिया थानाध्यक्ष निशाकान्त कुमार को दी। सूचना मिलते ही पोठिया थानाध्यक्ष निशाकान्त कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। इधर प्रत्यक्षदर्शियों ने रेप होने की आशंका जाहिर की है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ-टू मंगलेश कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए। एफएसएल की टीम भी घटनास्थल पर जांच के लिए पहुंची। एसडीपीओ मंगलेश कुमार ने कहा कि बच्ची की हत्या कर शव फेंका गया है। जांच की जा रही है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

हिंसाग्रस्त इलाके में पहुंचा न्यायिक आयोग, कहा- दो माह चलेगी जांच.. तह तक पहुंचेंगे

मुरादाबाद , एजेंसी। संभल जिले में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुई हिंसा की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग की टीम ने रविवार को हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। टीम ने जिलाधिकारी, एसपी और अन्य अधिकारियों के साथ जामा मस्जिद सहित उन सभी स्थानों का गहन निरीक्षण किया, जहां हिंसा और पथराव हुआ था। इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी और 19 पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

उधर, पूर्व डीजीपी और तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग के सदस्य एके जैन ने रविवार को पुष्टि की कि 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा की जांच अगले दो महीने तक जारी रहेगी। आयोग के सदस्य जैन ने कहा कि यह जांच पूरी तरह से घटनाओं की तह तक पहुंचेगी।

आयोग की टीम सबसे पहले जामा मस्जिद इलाके में पहुंची। टीम ने मस्जिद के बाहर और अंदर की स्थिति का लगभग तीन मिनट तक जायजा लिया। एसपी कृष्ण विश्नोई ने टीम को बताया कि कोर्टगर्वी से शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे बवाल में बदल गया। मस्जिद के पास मौजूद भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया, जिससे हालात बेकाबू हो गए। एसपी ने बताया कि हिंसा के दौरान वाहनों को आग के

हवाले कर दिया गया और पुलिस टीम पर हमला किया गया। टीम ने मस्जिद के अंदर जाकर स्थिति को बारीकी से देखा। निरीक्षण के दौरान टीम ने हिंसा के मुख्य स्थानों की पहचान की और अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में आयोग ने स्थानीय दुकानदारों और निवासियों से बातचीत की। दुकानदारों ने बताया कि पथराव के दौरान उन्होंने अपनी दुकानें बंद कर दी थीं और वहां से चले गए थे। टीम ने हिंसा के दिन की घटनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। जामा मस्जिद के निरीक्षण के बाद आयोग की टीम नखासा चौराहा पहुंची। यहां हिंसा और पथराव की वारदात हुई थी।

टीम ने वहां की स्थिति का भी बारीकी से अध्ययन किया और अधिकारियों से बातचीत की। आयोग की टीम ने डीएम, एसपी और अन्य अधिकारियों से पूरी घटना की विस्तृत जानकारी ली। एसपी ने आयोग को बताया कि हिंसा वाले दिन किन घरों से पथराव हुआ और कैसे प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। न्यायिक आयोग को दो महीने के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट सौंपनी है। इससे पहले शनिवार को आयोग के सदस्य मुरादाबाद सर्किट हाउस पहुंचे, जहां मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह, डीआईजी मुनिराज जी और एसएसपी सतपाल अंतिल ने उनसे मुलाकात कर घटना की जानकारी दी। रविवार को टीम ने शाही जामा मस्जिद और आसपास के हिंसाग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया। इस घटना ने राजनीतिक हलकों में भी हलचल मचा दी है। कांग्रेस, सपा और अन्य विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया। संसद में भी इस घटना को लेकर हंगामा हुआ।

संक्षिप्त समाचार

मॉर्निंग वॉक कर लौट रहे मां- बेटे को पिकअप ने रौंदा, मौत से मचा कोहराम, गुस्साए परिजनों ने लगाया जाम

कानपुर , एजेंसी। कानपुर देहात के झिंझक कस्बा में रविवार सुबह मॉर्निंग वॉक कर लौटे मां- बेटे को तेज रफ्तार पिकअप ने रौंद दिया। पिकअप के साथ करीब 30 मिनट तक घिसटने से बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि मां की रसूलाबाद सीएचसी से हैलट ले जाने के दौरान मौत हो गई। घटना से गुस्साए लोगों ने रसूलाबाद झींझक मार्ग पर पेड़ की टहनियां ड़ालकर जाम लगा दिया। पुलिस अधिकारी परिजनों को शांत करवाने में जुटे हैं।

झींझक निवासी नीलम (45) रविवार सुबह पांच बजे के करीब बेटे हेमंत उर्फ लालू (18) व बेटी नैंसी (21) के साथ मॉर्निंग वॉक पर गईं थीं। 5:40 बजे के करीब वह घर लौट आए। नैंसी घर का ताला खोल रही थी। जबकि मां- बेटे सड़क किनारे खड़े होकर दरवाजा खुलने का इंतजार कर रहे थे। तभी रसूलाबाद की ओर से आई तेज रफ्तार पिकअप ने मां- बेटे को रौंद दिया। बेटा पिकअप में फंसकर करीब 30 मीटर तक घिसटता चला गया।

इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा करने के बाद चालक पिकअप लेकर भाग गया। परिजन महिला को सीएचसी रसूलाबाद लेकर गए। वहां से हैलट ले जाने के दौरान रास्ते में ही महिला ने भी दम तोड़ दिया। हादसे से नाराज परिजनों ने बेटे का शव रखकर व घटना स्थल के पास पेड़ की टहनियां डालकर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंचे सीओ देवेंद्र सिंह, थाना प्रभारी संजय गुप्ता परिजन को शांत करवाकर जाम खुलवाने का प्रयास कर रहे हैं।

मौत से पहले पहुंच गई पुलिस...फंदे पर लटक गया था युवक, यूं बचाई गई जान; वीडियो हुआ वायरल

आगरा , एजेंसी। आगरा के ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र में भाई ने घर में मीट बनाने से रोका तो बड़े भाई ने फंदे से लटक कर जान देने की कोशिश की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को फंदे से उतारकर बचाया। परिजन ने पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया है।

इंद्रा ज्योती नगर टेढ़ी बगिया निवासी अजय जयपुर में मजदूरी करता था। काम बंद होने पर 22 नवंबर को अपने घर आया था। परिजन का आरोप है कि अजय जो भी रुपये कमाता है, घर में कुछ नहीं देता। शनिवार को मीट लेकर आया। घर की रसोई में बनाने लगा। छोटे भाई अतुल ने मना किया, कहा पहले सामान लाओ तब बनाना। इस बात पर दोनों में मारपीट हो गई। रात 10 बजे अजय कमरे में गया। रस्सी से फंदा बनाकर लटकने लगा। परिजन ने समझाने की कोशिश की तो नहीं माना। ट्रांस यमुना थाना प्रभारी ने बताया कि कंट्रोल रूम पर सूचना मिलने के बाद पीआरवी और चीता मोबाइल मौके पर पहुंची। उन्होंने युवक की जान बचाई।

अंग्रेजी में बेइज्जती करती है पत्नी...वो समझ भी नहीं पाता, 8वीं पास पति का दर्द सुन पुलिस भी हैरान

आगरा , एजेंसी। आगरा में अंग्रेजी ने एक परिवार में कलह करा दिया। पत्नी स्नातक थी तो पति आठवीं पास। विवाद होने पर पत्नी ने अंग्रेजी में पति को अपमानजनक शब्द कहे। दूसरे से पति को यह बात पता चली तो पति ने पत्नी की पिटाई कर दी। नाराज पत्नी ने मायके पहुंचकर पुलिस की मदद ली। शनिवार को परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलर ने दोनों को साथ रहने पर राजी किया। बेटी की खुशी को देखते हुए पिता ने एक साल पहले स्नातक पढ़ी लिखी बेटी की शादी आठवीं पास युवक से करा दी। शादी के बाद युवती अपने पति से अंग्रेजी में बात करने लगी। ससुराल में सभी कम पढ़े लिखे हैं। पति व अन्य ने ज्यादा अंग्रेजी बोलने का विरोध किया। पति पत्नी में झगड़ा होने लगा। दो महीने पहले पत्नी ने अंग्रेजी में पति का अपमान किया। दूसरे से पता चलने पर पति को गुस्सा आया और उसने पत्नी की पिटाई कर दी। पत्नी मायके आ गई, जब पति वापस लेने नहीं आया तो पुलिस से शिकायत की गई। शनिवार को परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलर के सामने पति ने आरोप लगाया कि पत्नी उसका अंग्रेजी बोलकर अपमान करती है। उसके माता पिता व अन्य परिवार के लोगों को अनपढ़, गंवार कहती है।

महाकुंभ में 19 रूटों पर चलेंगी शटल बसें, यूपी रोडवेज ने तय किए रूट, 17 घंटे रहेगा संचालन

प्रयागराज , एजेंसी। महाकुंभ को लेकर यूपी रोडवेज ने शटल बस सेवा के रूट निर्धारित कर दिए हैं। मेले के दौरान प्रयागराज एयरपोर्ट समेत 19 रूटों पर ये बसें चलेंगी। यह पहला मौका होगा, जब एयरपोर्ट से भी इनका संचालन शहर के लिए होगा। इस बार मेले में यूपी रोडवेज ने सात हजार बसों के संचालन की तैयारी की है। कुंभ-2019 की तर्ज पर यूपी रोडवेज की शटल सेवा महाकुंभ में भी उपलब्ध रहेगी। 550 बसें शटल सेवा के लिए संचालित की जाएंगी, जिसमें से कुछ रिजर्व रहेंगी। यूपी रोडवेज प्रयागराज रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने बताया कि शटल बस सेवा का सबसे बड़ा रूट 58 किमी का पूरामुफ्ती-कानपुर रोड से लालगोपालगंज का बनाया गया है। वहीं, सबसे छोटा रूट 16 किमी का गोविंदपुर से दरियाबाद का है। स्नान पर्व पर शटल सेवा लगातार 24 घंटे चलेगी। हालांकि, यह सुविधा 10 अलग रूटों पर रहेगी। जबकि, सामान्य दिनों में इन बसों का संचालन 19 रूटों पर सुबह छह से रात 11 बजे तक 17 घंटे रहेगा।

कानपुर में बोले उपराष्ट्रपति - सही रास्ते पर ले जाने वाली शिक्षा से ही जीवन बनता बेहतर

सुनील बाजपेई

कानपुर। आज यहां रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि शिक्षा जीवन को बेहतर बनाती है, और वही सही रास्ते पर ले जाती है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ यहां सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जो टैलेंट है वह गरीब, ग्रामीण इलाके में भी है। वहां भी जयपुरिया जैसी क्वालिटी की पहुंचने की जरूरत है।

अपील करते हुए उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि कॉर्पोरेट घराने बेहतर स्कूल खोले और शिक्षा में मदद करें। CSR फंड का प्रयोग करें ताकि हर वर्ग तक शिक्षा पहुंच सके। पहले अभिभावक सिर्फ मार्कशीट देखते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है।'

राष्ट्रगान से शुभारंभ किए गए

इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति ने कहा कि सरकार ने पिछले 10 सालों में कई ऐसे निर्णय लिए हैं जो हमारे देश के लिए काफी बेहतर है। पहले हम सपना देखते थे क्या भारत विकसित होगा? लेकिन अब यह सपना नहीं हम लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। अब शिक्षा डिग्री तक ही सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण विकास के लिए है।

छात्रों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आप उम्र के साथ-साथ ऐसा व्यवहार करें कि आपका ज्ञान खुद ही दिखाई देने लगे। माता-पिता के प्रति समर्पण की भावना रखें, गुरुजनों के सामने अनुशासन की भावना रखें और सोशल मीडिया से जितना हो सके उतना दूर रहे। मन में एक जिज्ञासा रखें जो मन में है वही काम करें, सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने अभी कहा कि पहले शिक्षा के क्षेत्र में अभिभावक सिर्फ मार्कशीट देखते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है।

दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि समाज में जो विकार पहले हैं वह शिक्षा ही दूर कर सकती है। इसीलिए सभी व्यक्ति को शिक्षा का अधिकार दिया गया है। शिक्षा समय बदलने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि असफलता हार नहीं बल्कि हमारी पूंजी है। इससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। आज के बच्चों को नवाचार की ओर आगे बढ़ना चाहिए।

बदायूं जामा मस्जिद: असदुद्दीन ओवैसी के बाद बरेलवी उलमा ने उठाई आवाज

बरेली , एजेंसी। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने बदायूं की जामा मस्जिद प्रकरण पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के बादशाह शमशुद्दीन अल्तमश ने 1223 ईसवीं में बदायूं में एक मस्जिद का निर्माण कराया, जो शम्सी जामा मस्जिद बदायूं के नाम से जानी जाती है।

मौलाना ने कहा कि बादशाह शमशुद्दीन सूफी विचारधारा के प्रबल प्रचारक थे। सूफी ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती अजमेरी, सूफी ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी से खास अकीदत रखते थे। वो जब बदायूं आए तो उन्होंने कुछ दिन यहां विश्राम किया। कोई मस्जिद न होने की वजह से उन्होंने इस मस्जिद का निर्माण कराया, जिसको आज सांप्रदायिक सोच रखने वालों की नजर लग गई है।

मौलाना बरेलवी ने कहा कि ब्रिटिश शासन काल के इतिहास 1856 में मस्जिद का उल्लेख मिलता है। उस दौर में इतिहास पर लिखी जाने वाली अंग्रेजी, फारसी, उर्दू की तमाम किताबों में मस्जिद का उल्लेख किया गया है। बदायूं शहर वैसे भी बड़ा तारीखी शहर है और उसका अपना एक इतिहास है।

पीएम मोदी करें हस्तक्षेप- मौलाना

मौलाना बरेलवी ने आगे कहा कि देश को सांप्रदायिक सोच रखने वालो की नजर लग गई है। भारत गंगा जमुनी तहज़ीब और हिंदू मुस्लिम भाईचारे के लिए पूरी दुनिया में जाना पहचाना जाता है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन तमाम मामलात में हस्तक्षेप करें। पूरे देश में सर्वे के नाम पर सांप्रदायिक दंगे और तनाव फैलाया जा रहा है, इसको रोकने की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री निभाएं।

ओवैसी ने क्या कहा

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को अपने हैंडल पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि अब बदायूं की जामा मस्जिद को भी निशाना बनाया जा रहा है। अदालत में वर्ष 2022 में कैसे किया गया था और उसकी अगली सुनवाई तीन दिसंबर को होगी। उन्होंने लिखा है कि एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) जो भारत सरकार के तहत काम करती है, और उत्तर प्रदेश सरकार भी केस में पार्टी है। दोनों सरकारों को 1991 एक्ट के अनुसार अपनी बात रखनी होगी। हिंदुत्ववादी तंजीमें किसी भी हद तक जा सकती हैं। उन पर रोक लगाना भारत के अमन के लिए बहुत जरूरी है।

यह है प्रकरण

अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश पटेल की ओर से सिविल जज सीनियर डिविजन की अदालत में याचिका दायर की गई थी। इसमें जामा मस्जिद शम्सी की जगह नीलकंठ महादेव मंदिर होने का दावा किया गया है। इस मामले में अगली सुनवाई अब तीन दिसंबर को होगी।

मुरादाबाद में महिला सिपाही को पीटा: रात के समय पांच युवकों ने की छेड़छाड़, धक्का देकर नाली में फेंका

मुरादाबाद , एजेंसी। मुरादाबाद के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में महिला सिपाही अमरीन के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अधिकारियों को दी शिकायत में बताया कि घटना उस समय हुई जब वह मकान मालिक के घर जा रही थीं। रास्ते में चक्कर की मिलक तिराहे पर समोसे की दुकान के पास कुछ अज्ञात युवकों ने उन्हें रोका और दुर्व्यवहार किया।

शिकायत के अनुसार, पांच से छह युवकों ने महिला सिपाही को रोककर उनकी मोटरसाइकिल स्टार्ट करने के लिए कहा। मना करने पर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। शिकायत में इरफान, सालिम और अन्य को नामजद किया गया है। आरोप है कि इन युवकों ने उन्हें नाली में घसीटकर धक्का दिया और गाली-गलौज की।

एक आरोपी ने उसे गलत नियत से छूने और गला दबाने की कोशिश की। हमले के दौरान पीड़िता के सिर को दीवार पर मारा गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। पेट में भी लात मारी गई। शिकायत में बताया गया कि स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और युवकों को रोका।

पीड़िता के पुलिस में तैनात होने की जानकारी मिलने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। शिकायत पर सिविल लाइंस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच तेज कर दी गई है और नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों से भी घटना के संबंध में जानकारी ली जा रही है।

सीएम के आदेश पर चंद्रशेखर आजाद हो गया रसूलाबाद घाट का नाम

इसी घाट पर हुई थी अमर शहीद की अंत्येष्टि

प्रयागराज , एजेंसी। मुख्यमंत्री चाह लें तो दशकों से अटका काम चंद दिनों में भी हो सकता है। रसूलाबाद घाट का नाम चंद्रशेखर आजाद करने के मामले में तो यही हुआ है। नगर निगम सदन ने यह मंजूरी 1991 में ही दे दी थी। लेकिन, 33 साल तक नेता-अफसर सब खामोश रहे।

तीन दिन पहले सीएम ने निर्देश दिया तो शनिवार को इसका एलान हो गया। यह घोषणा महापौर गणेश केसरवानी ने की। दरअसल, मुख्यमंत्री ने 27 नवंबर को निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात, मेलाधिकारी विजय किरन आनंद को निर्देश दिया था कि रसूलाबाद घाट का नाम बदला जाए। घाट का नाम स्थानीय मोहल्ले के कारण पड़ा था।

निर्देश के बाद नगर निगम ने दस्तावेज खंगाले। पता चला कि रसूलाबाद घाट का नामकरण चंद्रशेखर आजाद पर करने का प्रस्ताव नगर निगम सदन में 1991 में ही स्वीकृत हो चुका है। हैरानी की बात यह भी कि इस मंजूरी के बावजूद पार्षदों ने यह मांग लगातार उठाई और सदन में प्रस्ताव भी रखे गए।

बावजूद इसके किसी ने पुराने दस्तावेज टटोलने की जहमत नहीं दिखाई। शुक्रवार को भी पार्षद शिवसेवक सिंह ने महापौर को पत्र लिखकर इस बाबत सदन की बैठक बुलाने की मांग की थी। शनिवार को महापौर गणेश केसरवानी ने रसूलाबाद को चंद्रशेखर आजाद घाट करने की घोषणा कर दी। उन्होंने जल्द से जल्द शिलापट लगाने के निर्देश भी दिए। महापौर के मुताबिक एक-दो दिन में शिलापट लगाकर अनावरण किया जाएगा। नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग का कहना है कि यह प्रस्ताव पहले से स्वीकृत है। लिहाजा, किसी औपचारिकता की जरूरत नहीं है।

रसूलाबाद घाट पर ही हुई थी आजाद की अंत्येष्टि

अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की अंत्येष्टि रसूलाबाद घाट पर ही की गई थी। उस स्थल पर एक चबूतरा भी बना है। इसी कारण इस घाट का नाम चंद्रशेखर आजाद के नाम पर समर्पित करने का साढ़े तीन दशक पहले प्रस्ताव आया था, जिसे 1991 में मंजूर भी कर लिया गया।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

ट्रम्प ने अपने समधी को फ्रांस में राजदूत बनाया, टैक्स चोरी के मामले में जेल जा चुके हैं, ट्रम्प ने राष्ट्रपति रहते माफी दी

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दामाद जैरेड कुशनर के पिता यानी अपने समधी चार्ल्स कुशनर को फ्रांस में अगले अमेरिकी राजदूत के तौर पर नॉमिनेट करने की घोषणा की है। ट्रम्प ने चार्ल्स कुशनर को बेहतरीन बिजनेस लीडर, परोपकारी और डीलमेकर बताया है। ट्रम्प और चार्ल्स कुशनर एक दूसरे को रियल एस्टेट बिजनेस से जानते हैं। साल 2009 में ट्रम्प की बेटी इवांका और चार्ल्स कुशनर के बेटे जैरेड कुशनर की शादी से ये पहचान रिश्तेदारी में बदल गई। बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक, चार्ल्स कुशनर को साल 2005 में गलत टैक्स रिटर्न तैयार करने और फेडरल इलेक्शन कमीशन को झूठा बयान देने का अपराधी पाया गया था। उन्होंने इस मामले में 16 महीने से ज्यादा जेल में बिताए। 2020 में ट्रम्प ने प्रेसिडेंट पावर का इस्तेमाल कर उन्हें माफ कर दिया था। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रम्प ने कहा- मुझे न्यू जर्सी के चार्ल्स कुशनर को फ्रांस में अमेरिकी राजदूत के तौर पर नॉमिनेट करते हुए बहुत खुशी हो रही है। वह एक बेहतरीन बिजनेस लीडर, परोपकारी और डीलमेकर हैं, जो हमारे देश और उसके हितों को पेश करने वाले एक मजबूत वकील होंगे। उन्होंने आगे लिखा कि चार्ली (चार्ल्स कुशनर) 'कुशनर कंपनियों' के फाउंडर और चेयरमैन हैं, जो देश की सबसे बड़ी और सबसे सफल प्राइवेट रियल एस्टेट फर्मों में से एक है। उन्हें अर्न्स्ट एंड यंग ने न्यू जर्सी एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर के तौर पर मान्यता दी। उन्होंने न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के पोर्ट अथॉरिटी के कमिश्नर और चेयरमैन के तौर भी काम किया, साथ ही NYU समेत हमारे टॉप इंस्टीट्यूशन के बोर्ड में भी काम किया।

ट्रम्प सरकार में भारतवंशी काश पटेल होंगे FBI डायरेक्टर, पिछले कार्यकाल में इंटेलिजेंस में काम कर चुके

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जांच एजेंसी 'फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन' (FBI) के अगले डायरेक्टर के लिए भारतवंशी कश्यप काश पटेल के नाम की घोषणा की है। ट्रम्प ने इसकी घोषणा शनिवार को उनके सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए की। इस पोस्ट में ट्रम्प ने काश पटेल के पिछले कामों की तारीफ भी की। इससे पहले काश पटेल ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान रक्षा मंत्रालय में चीफ ऑफ स्टाफ, नेशनल इंटेलिजेंस में डिप्टी डायरेक्टर और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में आतंकवाद विरोधी कार्यक्रमों के सीनियर डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं। ट्रम्प ने कहा कि मुझे गर्व है कि कश्यप काश पटेल FBI के अगले डायरेक्टर के तौर पर काम करेंगे। काश एक शानदार वकील, इन्वेस्टीगेटर हैं। काश पटेल की तारीफ करते हुए ट्रम्प ने उन्हें 'अमेरिका फर्स्ट' वाला फाइटर बताया। ट्रम्प ने कहा कि काश पटेल ने अपना करियर भष्ट्राचार को उजागर करते, न्याय और अमेरिकी लोगों की रक्षा करते हुए बिताया है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका में बढ़ते क्राइम रेट, क्रिमिनल गैंग और बॉर्डर पर होने वाली मानव और ड्रग तस्करी जैसे अपराधों से निपटने के लिए काश पटेल को ये जिम्मेदारी दी गई है। काश पटेल भारतीय प्रवासी के बेटे हैं। उनका जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ था। काश पटेल के माता-पिता युगांडा के शासक ईदी अमीन के देश छोड़ने के फरमान से डरकर 1970 के दशक में भागकर कनाडा के रास्ते अमेरिका पहुंचे थे। 1988 में पटेल के पिता को अमेरिका की नागरिकता मिलने के बाद एक एरोप्लेन कंपनी में नौकरी मिली।

दावा- बांग्लादेश में हिंदू धर्मगुरु श्याम दास प्रभु गिरफ्तार, भारत में घुसने की कोशिश करते 47 बांग्लादेशी पकड़े गए

ढाका। बांग्लादेश के चटगांव में इस्कॉन से जुड़े एक और धर्मगुरु श्याम दास प्रभु को गिरफ्तार किए जाने की खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, श्याम दास प्रभु जेल में बंद चिन्मय प्रभु से मिलने गए थे, जहां से उन्हें बिना वारंट के गिरफ्तार कर लिया गया। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने शुक्रवार को एक्स पर श्याम प्रभु की गिरफ्तारी के बारे में कहा, एक अन्य ब्रह्मचारी श्री श्याम दास प्रभु को आज चटगांव पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, बांग्लादेश मीडिया में इस बारे में कोई कोई खबर नहीं है। इस वजह से असमंजस की स्थिति बनी हुई है। वहीं, दूसरी तरफ बांग्लादेश से अवैध तरीके भारत में घुसते हुए पिछले 24 घंटे में 47 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से ज्यादातर हिंदू और मुस्लिम मजदूर बताए जा रहे हैं। इन लोगों ने दलालों की मदद से सीमा पार कर अवैध रूप से भारत में एंट्री करने की कोशिश की थी। उधर, बांग्लादेश में ढाका हाईकोर्ट के इस्कॉन पर बैन लगाने से इनकार करने के बाद कट्टरपंथी समूहों ने शुक्रवार को भारी हंगामा किया। जुम्मे की नमाज के बाद देशभर की मस्जिदों में लाखों मुसलमानों ने प्रदर्शन किया। सबसे बड़े प्रदर्शन राजधानी ढाका और चटगांव में हुए। प्रदर्शनकारियों ने इस्कॉन को 'हिंदू उग्रवादी संगठन' और 'कट्टरपंथी व राष्ट्र-विरोधी समूह' बताते हुए इस संगठन पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की।

जेलेंस्की बोले- यूक्रेन के कब्जे वाली जमीन नाटो कंट्रोल करे

कीव। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक इंटरव्यू में यूक्रेन के नियंत्रण वाले हिस्से नाटो के कंट्रोल में देने की बात की है। उनके मुताबिक, अगर नाटो इस इलाके को अपने कंट्रोल में ले लेता है तो युद्ध खत्म हो जाएगा। जेलेंस्की ने ब्रिटेन के स्काई न्यूज से कहा- अगर हम वॉर को हॉट जोन में जाने से रोकना चाहते हैं, तो हमें यूक्रेन के उस हिस्से को नाटो के कंट्रोल में लाना होगा जो हमारे पास है। जेलेंस्की ने एक ऐसा सिस्टम डेवलप करने की जरूरत बताई जिससे यह तय किया जाए कि रूस भविष्य में दोबारा हमला न कर सके। उन्होंने कहा- अगर हम युद्धविराम की बात करते हैं, तो हमें इस बात की गारंटी चाहिए कि पुतिन वापस नहीं आएंगे। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, हमें यह काम तेजी से करना होगा, इसके बाद यूक्रेन डिप्लोमैटिक तरीके से अपने इलाके का दूसरा हिस्सा भी वापस पा लेगा। उन्होंने नाटो से मांग की कि वो यूक्रेन के कंट्रोल वाले इलाके की सिक्योरिटी का गारंटी ले, ताकि वॉर को बढ़ने से रोका जा सके। जेलेंस्की के मुताबिक, वो रूसी कब्जे वाले यूक्रेन के हिस्से वापस पाने के लिए इंतजार करेंगे। अगर किसी समझौते से यूक्रेन के बाकी हिस्सों की सुरक्षा होती है तो यह लड़ाई खत्म हो जाएगी। यह बयान उस वक्त आया है जब दोनों देश एक दूसरे पर खतरनाक मिसाइलों से हमले कर रहे हैं। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के चुनाव जीतने के बाद युद्धविराम और पीस ट्रीटी की चर्चा तेज हो गई है। इलेक्शन कैंपेन के दौरान भी ट्रम्प ने लगातार दावा किया था कि अगर वो राष्ट्रपति बनेंगे तो एक दिन में यूक्रेन वॉर रुकवा देंगे। हालांकि, उन्होंने इस बार में कोई डिटेल जानकारी नहीं दी थी।

देश के 5 राज्यों में कोहरा, जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी, भोपाल में नवंबर में ठंड का 36 साल का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली/भोपाल/श्रीनगर। उत्तर भारत में ठंड शुरू हो गई है। यूपी-बिहार समेत देश के 5 राज्यों में कोहरा छाया हुआ है। मध्य प्रदेश के भोपाल में शनिवार रात का टेंपरेचर 8 डिग्री तक पहुंच गया। पिछले 36 साल में नवंबर में यह सबसे कम टेंपरेचर रहा। उधर पाकिस्तान से एक डिस्टर्बेंस जम्मू-कश्मीर पहुंच रहा है। कश्मीर में बर्फबारी हो रही है। लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में अगले दो दिनों में बर्फबारी हो सकती है। फेंगल तूफान से आज भी पुडुचेरी में भारी बारिश होगी। IMD के मुताबिक 30 नवंबर को लैंडफॉल के बाद फेंगल यहीं रुका हुआ है, लेकिन अगले तीन घंटों में धीरे-धीरे कमजोर हो जाएगा। अब तक 46cm से ज्यादा बारिश हुई है। तमिलनाडु में भी बारिश का दौर जारी है। वहीं राजधानी दिल्ली में AQI 375 रिकॉर्ड हुआ। यह अब भी बहुत खराब कैटेगरी में है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 2 दिसंबर तक GRAP-4 के प्रतिबंध जारी रहेगा।

केजरीवाल बोले- दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव आम आदमी पार्टी (AAP) अकेले अपने दम पर लड़ेगी। कांग्रेस पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। दिल्ली में विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है। यानी अगले साल जनवरी में किसी भी समय विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। फरवरी में चुनाव होंगे और नई सरकार का गठन होगा। लोकसभा चुनाव से पहले आप और कांग्रेस विपक्षी गठबंधन INDIA का हिस्सा हैं। दिल्ली में लोकसभा चुनाव दोनों एक साथ लड़े थे। हालांकि इसमें दोनों पार्टियों को कोई भी सीट नहीं मिली। अक्टूबर में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले AAP और कांग्रेस सीट-बंटवारे के समझौता नहीं हो सका। इसके बाद दोनों अलग-अलग चुनाव लड़े थे।

केजरीवाल बोले- पानी फेंके जाने की घटना के लिए शाह जिम्मेदार: केजरीवाल ने शनिवार को उनके ऊपर पदयात्रा के दौरान पानी फेंके जाने की घटना के लिए भी BJP और गृह मंत्री अमित शाह को दोषी ठहराया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगा थी कि अमित शाह दिल्ली की कानून व्यवस्था सुधारने ठोस कदम उठाने

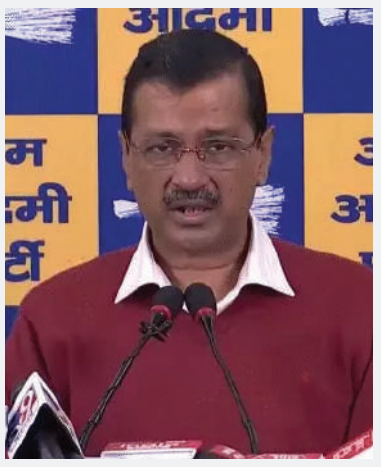

AAP अकेले चुनाव लड़ेगी; दिल्ली की खराब कानून व्यवस्था के लिए शाह जिम्मेदार

के निर्देश देंगे लेकिन उन्होंने मुझपर ही हमला करा दिया।

दिल्ली की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए: केजरीवाल ने दिल्ली की कानून व्यवस्था के लिए फिर एक बार केंद्र सरकार पर हमला किया। उन्होंने कहा- दिल्ली में बिजनेसमैन को फिरौती के कॉल आते हैं। पैसे न देने पर दुकान के बाहर फायरिंग हो जाती है।पिछले 2-3 साल में दिल्ली की कानून व्यवस्था बद से बत्तर होती जा रही है। इससे पहले केजरीवाल ने शुक्रवार को शनिवार को पंचशील पार्क में भी कानून व्यवस्था पर गृह मंत्री अमित शाह पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था- मैं अमित शाह से पूछना चाहता हूं - आप इसके खिलाफ कब कार्रवाई करेंगे? जब से वे गृह मंत्री बने हैं, दिल्ली में स्थिति बद से बदतर होती चली गई है।

नरेश बाल्यान को गैंगस्टर का विक्टिम बताया: AAP विधायक नरेश बाल्यान को शनिवार को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई साल 2023 के जबरन वसूली मामले में की गई। केजरीवाल ने बाल्यान को गैंगस्टर का विक्टिम बताया। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल पहले बाल्यान को लगातार फोन आ रहे थे। उनसे फिरौती मांगी जा रही थी। परिवार और बच्चों को जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। इसके बाद बाल्यान ने पुलिस में शिकायत भी दर्ज करवाई। केजरीवाल ने FIR की कॉपी भी दिखाई। उन्होंने कहा कि नरेश बाल्यान को कपिल सांगवान उर्फ नंदू के कई कॉल आए।

इमरान खान 9 मई की हिंसा में दोषी करार

पूर्व PM के लिए सैन्य दफ्तरों में घुस गए थे समर्थक, आग लगाई थी

एजेंसी, इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लाहौर की एक आतंकवाद विरोधी कोर्ट (ATC) ने 9 मई 2023 को हुई हिंसा के आरोप में शनिवार को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने इमरान खान की 8 मामलों में जमानत भी रद्द कर दी है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक जज मंजर अली गिल ने अपने लिखित फैसले में कहा कि इमरान खान के खिलाफ हिंसा से जुड़े जो ऑडियो और वीडियो सबूत पेश किए गए हैं। वो उन्हें दोषी साबित करने के लिए पर्याप्त हैं। कोर्ट ने अपने फैसले में इमरान के खिलाफ दी गई गवाहियों का हवाला भी दिया। इनमें जमान पार्क में इमरान खान पर उनके समर्थकों को भड़काने का साजिश का आरोप था।

इमरान ने सैन्य संपत्तियों पर हमले का आदेश दिया: फैसले में कोर्ट ने कहा कि इमरान पर लगे आरोप गंभीर थे। उन्होंने सैन्य और सरकारी संपत्तियों पर हमले के आदेश दिए थे।

इमरान के समर्थकों ने उनकी बात मानते हुए सैन्य ठिकानों, सरकारी भवनों और पुलिस अधिकारियों पर हमले किए। कोर्ट ने कहा कि 9 मई के बाद दोबारा 11 मई को हुई हिंसक घटनाएं और पुलिस अधिकारियों पर हुए हमले भी इमरान खान के निर्देशों से हुए थे। सरकार की तरफ से इस मामले में अंडरकवर पुलिस अधिकारियों की रिकॉर्डिंग पेश की गई थी।

सीरिया में विद्रोहियों ने 4 दिन में कब्जाया अलेप्पो शहर

एजेंसी, दमिश्क।

सीरिया में विद्रोही गुटों ने 4 दिन के भीतर अलेप्पो शहर के ज्यादातर हिस्सों पर कब्जा कर लिया है। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला बुधवार को शुरू हुआ था और शनिवार तक आस-पास के गांवों पर कब्जा करते हुए लड़ाकों ने अलेप्पो का बड़ा हिस्सा अपने कंट्रोल में ले लिया।

इससे सीरियाई सेना को अपनी पोस्ट से पीछे हटना पड़ा। हमले में कई दर्जन सैनिकों की मौत हो गई। विद्रोहियों ने एयरपोर्ट के साथ शहर के सभी मुख्य इलाकों पर कब्जा कर लिया है। कब्जा करने के बाद लड़ाके सड़कों पर हवाई फायर करते और अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगाते नजर आए। इसके बाद नागरिकों की सुरक्षा के लिए शनिवार को 24 घंटे तक घरों के भीतर रहने के आदेश दे दिए गए। BBC के मुताबिक अब तक इन हमलों में अब तक 300 से

सेना भागी, लोगों को घरों में रहने के आदेश, रूसी हमले में 300 की मौत

ज्यादा लोगों मारे जा चुके हैं, जिसमें से 20 आम नागरिक हैं। साल 2016 में असद की सेना ने इन विद्रोहियों को अलेप्पो से खदेड़ दिया था। अब 8 साल बाद यहां वापस विद्रोहियों का कब्जा हो गया है।

हालांकि, अलेप्पो के उत्तरी हिस्से के कुछ इलाकों पर अभी भी सीरियाई सेना और ईरानी मिलिशिया का कंट्रोल है। रूस ने सीरियाई सेना की मदद के लिए विद्रोही गुटों के काफिलों और ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं।

ट्रम्प की BRICS देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी

एजेंसी, वाशिंगटन।

नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट करते हुए BRICS देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ट्रम्प ने अमेरिकी डॉलर के अलावा किसी और करेंसी में BRICS देशों के ट्रेड करने पर 100% टैरिफ लगाने की बात कही है। ट्रम्प ने शनिवार को कहा कि हमें BRICS देशों से गारंटी चाहिए कि वो ट्रेड के लिए अमेरिकी डॉलर की जगह, कोई नई करेंसी नहीं बनाएंगे और न ही किसी दूसरे देश की करेंसी में ट्रेड करेंगे। अगर BRICS देश ऐसा करते हैं तो उन्हें अमेरिका को होने वाले निर्यात पर 100% टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। साथ ही अमेरिकी बाजार में सामान बेचने के बारे में भूल जाना चाहिए। ट्रम्प ने कहा- ट्रेड के लिए डॉलर की जगह दूसरी करेंसी के इस्तेमाल की कोई जगह नहीं हैं। अगर कोई देश ऐसा करता है तो उसे अमेरिका को भूल जाना चाहिए। BRICS में भारत,

इसमें भारत भी शामिल

कहा-डॉलर के अलावा दूसरी करेंसी में ट्रेड किया तो 100% ट्रैरिफ लगाएंगे

रूस और चीन समेत 9 देश शामिल हैं। यह उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का समूह है।

करेंसी बनाने पर BRICS देशों में सहमति नहीं: BRICS में शामिल सदस्य देशों के बीच करेंसी बनाने को लेकर सहमति नहीं हो पाई है। इसे लेकर अब तक कोई आधिकारिक बयान भी नहीं आया है। इस साल रूस में हुई BRICS देशों की समिट से पहले इसकी करेंसी को लेकर चर्चा तेज थी। हालांकि समिट से पहले ही रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने ये साफ कर दिया था कि BRICS संगठन अपनी करेंसी बनाने पर विचार नहीं कर रहा है। हालांकि समिट में BRICS देशों के अपने पेमेंट सिस्टम को लेकर चर्चा हुई थी। इस पेमेंट सिस्टम को ग्लोबल SWIFT पेमेंट सिस्टम की तर्ज पर तैयार करने को लेकर चर्चा हुई थी। भारत ने BRICS देशों को पेमेंट सिस्टम के लिए अपना UPI देने की पेशकश की थी।

डॉलर के दम पर अमेरिका अरबों कमाता है: 1973 में 22 देशों के 518 बैंक के साथ SWIFT नेटवर्क शुरू हुआ था। फिलहाल इसमें 200 से ज्यादा देशों के 11,000 बैंक शामिल हैं। जो अमेरिकी बैंकों में अपना विदेशी मुद्रा भंडार रखते हैं। अब सारा पैसा तो व्यापार में लगा नहीं होता, इसलिए देश अपने एक्स्ट्रा पैसे को अमेरिकी बॉन्ड में लगा देते हैं, जिससे कुछ ब्याज मिलता रहे। सभी देशों को मिलाकर ये पैसा करीब 7.8 ट्रिलियन डॉलर है। यानी भारत की इकोनॉमी से भी दोगुना ज्यादा। इस पैसे का इस्तेमाल अमेरिका अपनी ग्रोथ में करता है।

असम CM बोले- कांग्रेस मांग रखे, हम बीफ बैन करेंगे

एजेंसी, गुवाहाटी।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को बीजेपी की बैठक के बाद मीडिया से कहा- वे राज्य में गोमांस पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं,बशर्ते कांग्रेस इसे लिखित में दे। दरअसल, सामगुरी सीट पर उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान हुआ था। 23 नवंबर को रिजल्ट आने के बाद कांग्रेस की हार पर सांसद रकीबुल हुसैन ने भाजपा पर बीफ बांटने का आरोप लगाया। सरमा ने कहा कि उन्हें खुशी है कि विपक्षी पार्टी ने इस मुद्दे को उठाया। कांग्रेस सांसद खुद मानते हैं कि बीफ बांटना गलत है। अगर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बुपेन कुमार बोरा उन्हें पत्र लिखकर इसकी मांग करते हैं तो वह बैन को तैयार है। पिछले महीने हुए उपचुनाव में भाजपा के दिप्लू रंजन सरमा ने कांग्रेस के सांसद रकीबुल के बेटे तंजील को 24,501 वोटों से हराया था। इस सीट पर लगातार पांच बार से कांग्रेस जीत रही थी। सांसद की कथित टिप्पणी पर सरमा ने कहा, लेकिन दुख के बीच रकीबुल हुसैन ने एक अच्छी बात कही कि गोमांस खाना गलत है, है न?

उपचुनाव में हार के बाद कांग्रेस का आरोप था- भाजपा ने गोमांस बांटकर चुनाव जीता

उन्होंने कहा कि कांग्रेस-भाजपा द्वारा मतदाताओं को गोमांस देकर चुनाव जीतना गलत है। सरमा ने पूछा- क्या गोमांस देकर सामगुरी सीट जीती जा सकती है सरमा ने पूछा, मैं जानना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस मतदाताओं को गोमांस देकर सामगुरी जीत रही थी। वह सामगुरी को अच्छी तरह से जानते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि गोमांस देकर सामगुरी जीती जा सकती है। इस साल धुबरी लोकसभा सीट से 10.12 लाख से अधिक मतों के रिकॉर्ड अंतर से जीतकर हुसैन सांसद बने है। इससे पहले वे लगातार पांच बार सामगुरी से विधायक रहे थे। सरमा ने कहा, मैं रकीबुल हुसैन से कहना चाहता हूं कि गोमांस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने खुद कहा है कि ये गलत है। उन्हें मुझे केवल लिखित में देने की जरूरत है। भाजपा और कांग्रेस को गोमांस के बारे में नहीं बोलना चाहिए। BJP, AGP, CPM कोई भी ऑफर नहीं कर पाएगा और हिंदू, मुस्लिम और ईसाई सभी को गोमांस खाना बंद कर देना चाहिए। असम मवेशी संरक्षण अधिनियम 2021 क्या कहती है असम में गोमांस का सेवन गैरकानूनी नहीं है, लेकिन असम मवेशी संरक्षण अधिनियम 2021 उन क्षेत्रों में मवेशी वध और गोमांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाता है जहां हिंदू, जैन और सिख बहुसंख्यक हैं और किसी मंदिर या सत्र (वैष्णव मठ) के पांच किलोमीटर के दायरे में हैं।

EVM हैक करने का दावा करने वाले पर FIR

एजेंसी, मुंबई।

चुनाव आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) हैक करने का दावा करने वाले सैयद शुजा के खिलाफ FIR दर्ज कराई है। 30 नवंबर को साउथ मुंबई के साइबर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (BNS) और IT एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। 14 नवंबर को सैयद शुजा का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वो दावा कर रहा था कि वह महाराष्ट्र चुनावों में इस्तेमाल की जाने वाली EVM को हैक कर सकता है। उसने नेताओं को ऑफर भी दिया था कि 53 करोड़ देने पर 63 सीटों की EVM हैक कर देगा। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी

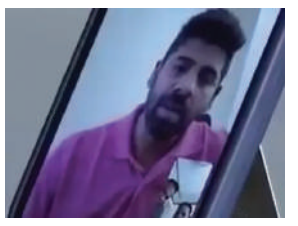

(CEO) ने कहा कि EVM हैक करने के दावे बिल्कुल निराधार, झूठे और अप्रमाणित हैं। हैकर शुजा ने नेताओं को चुनाव जिताने का लालच दिया था महाराष्ट्र चुनाव के दौरान सैयद शुजा ने कुछ नेताओं से चुनाव जिताने के लिए संपर्क किया था। उनसे दावा किया था कि वह अमेरिकी रक्षा विभाग की तकनीक का इस्तेमाल करके EVM हैक कर सकता।

फेंगल तूफान से पुडुचेरी में बाढ़ जैसे हालात

एजेंसी, चेन्नई, पुडुचेरी।

बंगाल की खाड़ी से 25 नवंबर को उठा फेंगल तूफान 30 नवंबर, शाम 7:30 बजे पुडुचेरी के कराईकल और तमिलनाडु के महाबलीपुरम के बीच समुद्र तट से टकराया। लैंडफॉल प्रोसेस रात 11.30 बजे तक चला। इस दौरान भारी बारिश के साथ 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली। तूफान का असर केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भी है। IMD के मुताबिक 30 नवंबर को लैंडफॉल के बाद फेंगल यहीं अटका हुआ है, लेकिन कुछ घंटों में धीरे-धीरे यह कमजोर हो जाएगा। इसके चलते रविवार को पुडुचेरी, कडलोर, विल्लुपुरम और चेन्नई में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। पुडुचेरी में 24 घंटों के दौरान 48.4 सेमी बारिश हुई। यह 30 साल में एक दिन में सबसे ज्यादा बारिश है। तूफान के कारण चेन्नई एयरपोर्ट दोपहर 12 बजे बंद कर दिया गया

था, जो रात 1 बजे शुरू हो पाया। आधी रात के बाद उड़ानें शुरू हुईं, लेकिन कई फ्लाइट्स कैंसिल की गईं। कुछ देरी से पहुंचीं। तूफान के चलते 24 डोमेस्टिक फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। 26 इंटरनेशनल फ्लाइट्स में देरी हुई। चेन्नई एयरपोर्ट का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें लैंडिंग के दौरान इंडिगो की फ्लाइट क्रॉस विंड में फंसकर लहराने लगी। पायलट प्लेन को वापस उड़ा ले गया। घटना को लेकर इंडिगो ने कहा कि मुंबई-चेन्नई फ्लाइट 6E 683 भारी बारिश और तेज हवाओं में फंस गई थी। उसकी सुरक्षित लैंडिंग नहीं हो पाती, इसलिए पायलट ने सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को 'गो-अराउंड' किया।

सिंधिया बोले-मुझे विजयपुर में प्रचार करने को नहीं कहा, बीजेपी का जवाब-सीएम ने खुद बुलाया था

एजेंसी, भोपाल।

मध्यप्रदेश की विजयपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में हार को लेकर बीजेपी में मंथन चल रहा है। चुनाव प्रचार में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की गैर मौजूदगी पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब सिंधिया ने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा है कि उन्हें विजयपुर में प्रचार के लिए बुलाया ही नहीं गया। सिंधिया के इस बयान के बाद शनिवार देर रात बीजेपी संगठन का जवाब आया। पार्टी के प्रदेश महामंत्री और विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा- विजयपुर के स्टार प्रचारकों की सूची में सिंधिया का नाम था। सीएम डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और संगठन महामंत्री हितानंद ने उन्हें विजयपुर में आने के लिए आग्रह किया था। सिंधिया ने अपनी व्यस्तता के चलते नहीं आ पाने की बात कही थी। ऐसा नहीं है कि उनको नहीं बुलाया गया था। उनको आमंत्रित किया गया था।

प्रतिक्रिया दी- मैं बयान के बयान में नहीं लगता: बीजेपी प्रदेश महामंत्री हितानंद के बयान पर सिंधिया ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। उन्होंने रविवार को गुना में कहा, 'मैं

बयान के बयान में नहीं लगता।' हालांकि, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार के बयान पर उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

कांग्रेस का तंज- आ भी जाते तो फर्क नहीं पड़ता: मामले को लेकर कांग्रेस ने सिंधिया पर तंज कसा है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- कोई शादी होती तो पीले चावल दिए जाते। सिंधिया को पार्टी ने केंद्रीय मंत्री बनाया है, उन्हें प्रचार के लिए जाना चाहिए था। वैसे विजयपुर कांग्रेस की परंपरागत सीट है, किसी के जाने या नहीं जाने से फर्क नहीं पड़ता। सिंधिया चले भी जाते तो नतीजे नहीं बदलते।

केंद्रीय मंत्री शेड्यूल बिजी बताकर नहीं आए

विजयपुर से वन मंत्री रावत उपचुनाव हारे हैं: मध्यप्रदेश की दो विधानसभा सीटों- विजयपुर और बुधनी में उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को वोट डाले गए थे। 23 नवंबर को आए नतीजों में विजयपुर सीट से वन मंत्री रामनिवास रावत हार गए। यहां कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा ने 7364 वोटों से जीत दर्ज की। वहीं, बुधनी में भाजपा प्रत्याशी रमाकांत भार्गव 13901 वोटों से जीते। उन्होंने कांग्रेस के राजकुमार पटेल को हराया। रामनिवास रावत ने लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा था। इसी दौरान मुकेश मल्होत्रा ने कांग्रेस जॉइन की थी। मुकेश पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी से टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार थे। तब 44 हजार वोट हासिल कर वे तीसरे नंबर पर रहे थे। मुकेश सहरिया समुदाय से आते हैं, जिनकी संख्या विजयपुर में अधिक है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

जडेजा-अश्विन युवा खिलाड़ियों की करते हैं मदद ताकि टीम इंडिया करे अच्छा प्रदर्शन

एजेंसी, कैनबरा

भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने कहा कि विश्व में ऐसी कई टीमें हैं जिसमें सीनियर खिलाड़ी जूनियर्स को प्लेइंग 11 में खेलता देख सहन नहीं कर पाते हैं, लेकिन टीम इंडिया में ऐसा नहीं है क्योंकि हमारे पास रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे वरिष्ठ खिलाड़ी हैं। जडेजा और अश्विन के नाम 855 टेस्ट विकेट हैं। दोनों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में पहले टेस्ट मैच की अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया था।

नायर ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ भारत के दो दिवसीय अभ्यास मैच से पहले कहा कि यह तब मुश्किल होता है जब आपके पास ऐसे सीनियर खिलाड़ी हों जो यह बात नहीं समझते, लेकिन जब आपके पास जडेजा और अश्विन जैसे खिलाड़ी हों जो समझते हैं कि टीम क्या करने की कोशिश कर रही है तो यह बहुत आसान हो जाता है क्योंकि टीम की प्रथम नीति पर रोहित और गंभीर पर विश्वास करते हैं।

नायर का मानना है कि पूरी टीम रोहित और गंभीर की रणनीति के अनुसार चलती है जिसमें ये दो महान स्पिन खिलाड़ी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वे सभी इसे अपना चुके हैं। इसलिए मुझे बहुत खुशी हुई

कि जडेजा और अश्विन युवा खिलाड़ियों की मदद करने जा रहे हैं ताकि वे यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकें। उन्हें समझाना बहुत मुश्किल नहीं था और हर कोई चाहता है कि टीम इंडिया जीते।

स्पिनरों को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा लगता है कि क्रिकेट के खेल में किसी की भी भूमिका कम नहीं होती, फिर चाहे आप स्पिनर हों या तेज गेंदबाज, आपके पास हमेशा मौका होता है। उन्होंने कहा कि योजनाएं कई बार बदल सकती हैं। आप गेंद कैसे छोड़ते हैं और किस गति से करते हैं, इसमें बदलाव हो सकता है। यही वजह है कि आप गुलाबी गेंद के साथ तैयारी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि लाल गेंद की तुलना में यह थोड़ी ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो और मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि आपने गुलाबी गेंद से उतनी गेंदबाजी नहीं की, लेकिन मेरा मानना है कि किसी भी शीर्ष स्तर के स्पिनर के पास मौका होगा।

टीम इंडिया की नई वनडे जर्सी लॉन्च, हरमनप्रीत कौर को आई पसंद

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह और भारतीय महिला क्रिकेट कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मुंबई में बीसीसीआई दफ्तर में टीम इंडिया की नई वनडे जर्सी का अनावरण किया। इंडिया टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ 22 दिसंबर से बड़ौदा में होने वाली वनडे सीरीज में नई जर्सी पहनेगी। हरमनप्रीत ने एक वीडियो में कहा कि आज जर्सी का अनावरण करना सम्मान की बात है और मुझे वास्तव में खुशी है कि आप जानते हैं, हम पहले व्यक्ति हैं जो वेस्ट इंडीज टीम के खिलाफ इस जर्सी को पहनने जा रहे हैं। जर्सी का लुक पसंद आया। यह वास्तव में सुंदर है हमें एक विशेष वनडे जर्सी मिली है।

टीम इंडिया 15 दिसंबर से शुरू होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज और आयरलैंड की मेजबानी

करेगा। इसके बाद नवी मुंबई और वडोदरा में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वन-डे और इतने ही टी20 मैच खेलेगा। जनवरी में राजकोट में आयरलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज होगी। टीम इंडिया 15, 17 और 19 दिसंबर को डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले जाने वाले तीन टी20 मैचों में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा, जिसके बाद 22, 24 और 27 दिसंबर को वडोदरा में तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम इंडिया 10, 12 और 15 जनवरी को राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में तीन वनडे मैचों की सीरीज आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी। ये दोनों वनडे सीरीज आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा होंगी, जो भारत में अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन प्लेटफॉर्म है।

मुरादाबाद के शुभम 58 किग्रा वजन में व नईम अहमद 87 किग्रा वर्ग में अव्वल

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस लाइन में बरेली जोन की 49वीं अन्तरजनपदीय पुलिस जूडो कलस्टर (महिला/पुरुष) जूडो, वुशू ताइक्वांडों, कराटे एवं पेंचक सिलॉट प्रतियोगिता-2024 दूसरे दिन रविवार को भी जारी रही। आज खेले गये मुकाबलों में ताईक्वान्डों पुरूष वर्ग मैच में 58 किग्रा वजन में मुरादाबाद के शुभम प्रथम स्थान पर रहे व अमरोहा के तारिक अय्यूब द्वितीय स्थान पर और 87 किग्रा वर्ग मे मुरादाबाद नईम अहमद प्रथम व पीलीभीत के प्रवेश भाटी द्वितीय स्थान पर रहे। इसके अलावा महिला वर्ग में 67 किग्रा वजन मे रंजना सिंह बरेली प्रथम व बबीता मुरादाबाद द्वितीय स्थान पर रही। 73 किग्रा वजन मे अर्चना कुमारी बरेली प्रथम व सोनी रामपुर द्वितीय स्थान पर रही। जूडो पुरूष 66 किग्रा वर्ग मे सुमित बंसल बदायूँ प्रथम व संजोग मान रामपुर द्वितीय स्थान पर रहे। 100 प्लस किग्रा वर्ग में राहुल आनन्द मुरादाबाद प्रथम व इमरान पीलीभीत द्वितीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग 57 किग्रा में राखी मुरादाबाद प्रथम व नेहा रामपुर द्वितीय स्थान पर रही। 70 किग्रा वर्ग मे सोनी रामपुर प्रथम व अलका मुरादाबाद द्वितीय स्थान पर रही। वुशु पुरूष 70 किग्रा वर्ग मे रणधीर मुरादाबाद प्रथम व राजकुमार रामपुर द्वितीय स्थान पर रहे। 80 किग्रा वर्ग मे कोमेश कसाना बदायूँ प्रथम व नन्द कुमार मिश्रा बरेली द्वितीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग 48 किग्रा वर्ग में अनु अमरोहा प्रथम व हिना बिष्ठ रामपुर द्वितीय स्थान पर रही। 56 किग्रा वर्ग मे रिचा रामपुर प्रथम आशा मुरादाबाद द्वितीय स्थान पर रही। निर्णायक की भूमिका, सुहैल अहमद, संजय गिरी, पिन्टू सैनी, निशान्त सिंह, प्रिया दिवाकर, रूची अग्रवाल, आलोक कुमार, रोहित, यश कुमार, अभिषेक चौहान व एनाउन्सर की भूमिका करतार सिंह ने निभाई। प्रतियोगिता का समापन सोमवार को पुलिस लाईन मुरादाबाद में होगा।

आईसीसी चेयरमैन के रूप में जय शाह ने की अपने कार्यकाल की शुरुआत

एजेंसी, दुबई

भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने में अहम योगदान देने के बाद जय शाह ने रविवार यानी 1 दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन के रूप में अपने कार्यकाल की शुरुआत कर दी है। वह ग्रेग बार्कले का स्थान लेंगे। बार्कले नवंबर 2020 से इस पद पर थे। जय शाह इस साल अगस्त में आईसीसी के निर्विरोध चेयरमैन चुने गए थे। आईसीसी ने रविवार को इस बात की जानकारी दी। आईसीसी चेयरमैन के रूप में जय शाह ने अपने पहले वक्तव्य में अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित किया, जिसमें लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल करने और महिला खेल के

विकास में और तेजी लाना शामिल है। शाह ने एक बयान में कहा कि मैं आईसीसी चेयरमैन की भूमिका के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं और आईसीसी निदेशकों और सदस्य बोर्डों के समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं। उन्होंने कहा कि यह खेल के लिए एक रोमांचक समय है क्योंकि हम लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों की तैयारी कर रहे हैं और दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए क्रिकेट को अधिक समावेशी और आकर्षक बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हम कई प्रारूपों के सह-अस्तित्व और महिलाओं के खेल के विकास में तेजी लाने की आवश्यकता के साथ एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में वैश्विक स्तर पर अपार संभावनाएं हैं और मैं इन अवसरों का लाभ उठाने तथा खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आईसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। शाह ने पिछले चार वर्षों में आईसीसी की उपलब्धियों में बार्कले के योगदान की सहारना की। उन्होंने कहा कि मैं पिछले चार वर्षों में इस पद पर उनके नेतृत्व के लिए तथा इस अवधि के दौरान हासिल की गई उपलब्धियों के लिए ग्रेग बार्कले को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं वैश्विक मंच पर खेल की पहुंच और विकास का विस्तार करने के लिए आईसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

दिव्यांग क्रिकेट प्रीमियर लीग
अक्षांश चौधरी ने की शानदार गेंदबाजी, लखनऊ ने मेरठ को हराया

एजेंसी, लखनऊ

सीएसडी सहारा क्रिकेट अकादमी लखनऊ के मैदान पर आयोजित कृष्णा साईं हंड्रेड बॉल दिव्यांग क्रिकेट प्रीमियर लीग का पहला मैच लखनऊ हीरोज एवं मेरठ फाइटर के बीच खेला गया, जिसमें लखनऊ हैरिस ने मेरठ फाइटर को 10 विकेट से एक तरफा हराकर शानदार जीत हासिल की। इस मैच में अक्षांश चौधरी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट झटके। पहले बल्लेबाजी करते हुए मेरठ फाइटर की पूरी टीम 61 रन पर आउट हो गई। इसमें कैलाश प्रसाद ने 12 और कपिल कुमार ने 11 रन का योगदान दिया। लखनऊ हीरोज की ओर से अक्षांश चौधरी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए। इसके अलावा महताब अली भी चार विकेट लेने में सफल रहे। एक विकेट तनवीर को मिला, जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की टीम के बल्लेबाजों ने अपने खतरनाक इरादे पहली गेंद से ही बता दिए और मैच को पांच ओवर में ही जीत लिया। इसमें पिंटू यादव के चार छक्के और पांच चौकों की मदद से नॉट आउट 48 रन का शानदार योगदान रहा। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार सीएसडी सहारा क्रिकेट अकादमी के सीओओ फैसल अल्वी द्वारा अक्षांश चौधरी को दिया गया। सोमवार को पहला मैच मेरठ फाइटर और गोरखपुर टाइगर्स के बीच होगा। दूसरा मैच लखनऊ हीरोज एवं गोरखपुर टाइगर्स के बीच खेला जाएगा। इस अवसर पर दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड आफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी हारून रशीद मुख चयनकर्ता आशीष कुमार श्रीवास्तव मलखान यादव की आदि उपस्थित थे।

यूपी रुद्रास ने हार्दिक सिंह को अपना कप्तान घोषित किया

एजेंसी, लखनऊ

स्टार मिडफील्डर हार्दिक सिंह को हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आगामी सत्र के लिए यूपी रुद्रास ने अपना कप्तान घोषित किया है। यदु स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली यूपी रुद्रास ने एक मजबूत टीम तैयार की है, जिसमें युवा सनसनी प्रियोबर्ता तलेम, गुरजोत सिंह के साथ-साथ भारतीय और अंतरराष्ट्रीय हॉकी के कुछ दिग्गज खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जिनमें ललित कुमार उपाध्याय, सिमरनजीत सिंह, लार्स बाल्क और केन रसेल हैं। यदु स्पोर्ट्स के सह-संस्थापक माधवकृष्ण सिंघानिया ने एक बयान में यदु स्पोर्ट्स परिवार की ओर से हार्दिक को टीम का कप्तान घोषित किए जाने पर बधाई देते हुए कहा कि मौजूदा टीम में शानदार हॉकी खेलने और लोगों का दिल जीतने के लिए सभी जरूरी चीजें मौजूद हैं। हॉकी इंडिया लीग का बड़ा, बेहतर और साहसिक संस्करण वैश्विक हॉकी पावरहाउस के रूप में भारत के कद को और बढ़ाएगा और मेरा मानना है कि इस कद की प्रतियोगिता में भविष्य के लीडर्स को तैयार करने की क्षमता है। टीम के मुख्य कोच पॉल वैन ऐस ने कहा कि नीलामी में हार्दिक हमारी पहली पसंद थे और हमें पूरा भरोसा था कि वे टीम की अगुआई करेंगे। उन्हें लगातार भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करते देखना और लगातार दो ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा होना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। हमें यकीन है कि खेल की बारीकियों और पेचीदगियों को समझने की उनकी क्षमता के साथ, वे न केवल टीम का नेतृत्व करेंगे बल्कि अपने आस-पास के लोगों से भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाएंगे। हार्दिक सिंह ने अपनी नई भूमिका के प्रति उत्साह और आभार जताते हुए कहा कि हॉकी इंडिया लीग के इस सीजन में यूपी रुद्रास का नेतृत्व करना किसी खुशी से कम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हमारे पास हर विभाग में ताकत के साथ एक शानदार टीम है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं एक ऐसी टीम का नेतृत्व करने में प्रसन्न हूं, जो खेल के लिए एक समान प्रेम और जुनून साझा करती है। हम यूपी रुद्रास की जर्सी पहनने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए मैदान पर उतरने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

यूएसपीएल सीजन 3 : न्यू जर्सी टाइटंस को हरा न्यूयॉर्क काउबॉयज फाइनल में

एजेंसी, फ्लोरिडा

फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में आयोजित यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) के एलिमिनेटर मुकाबले में कप्तान जेक लिंटॉट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपनी टीम को फाइनल में जगह दिलाई। करो या मरो के इस गेम में न्यूयॉर्क काउबॉयज ने न्यू जर्सी टाइटंस को 30 रनों से शिकस्त दी। इस जीत के साथ काउबॉयज ने फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है, जहां उनका सामना टॉप पर मौजूद मैरीलैंड मेवरिक्स के साथ होगा। तीन हार के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने वाले न्यूयॉर्क काउबॉयज ने असाधारण खेल दिखाते हुए लगातार 4 मुकाबले जीतकर ट्रॉफी की मजबूत दावेदारी पेश की है। न्यूयॉर्क काउबॉयज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ताबड़तोड़

शुरुआत की और मुख्तार अहमद की 41 गेंदों में 59 रन की शानदार पारी की बदौलत पावरप्ले में 63 रन बोर्ड पर लगा दिए। जिसके बाद पारी कुछ लड़खड़ाई, लेकिन अंत में परवीन कुमार के 13 गेंदों में महत्वपूर्ण 19 और कप्तान लिंटॉट के 10 रनों ने टीम को 9 विकेट के नुकसान पर 152 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचा दिया। लक्ष्य का पीछा करने के दौरान, जब न्यू जर्सी टाइटंस को 18 गेंदों पर 36 रनों की आवश्यकता थी। तब कप्तान लिंटॉट ने 18वें ओवर की जिम्मेदारी खुद उठाई और जैसा वह चाहते थे वैसा ही हुआ। जहां इस ओवर के पहले तक टाइटंस का स्कोर 117/5 था, वहीं इस ओवर के बाद टीम 119/9 के स्कोर पर पहुंच गई और 19वां ओवर खत्म होते-होते 122 रनों पर धराशाई हो गई। काउबॉयज के लिए जेक लिंटॉट और परवीन कुमार दोनों ने ही शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट झटके।

आईपीएल ऑक्शन के सबसे युवा खिलाड़ी पाक के खिलाफ फ्लॉप

एजेंसी, दुबई। आईपीएल ऑक्शन 2024 में सबसे युवा खिलाड़ी के रूप में इतिहास बनाने वाले 13 साल के वैभव सूर्यवंशी एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलने के बाद फ्लॉप साबित हुए। भारत के अंडर-19 टीम के बाएं हाथ के ओपनर सूर्यवंशी पाकिस्तान के खिलाफ मैच में सिर्फ 9 गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हो गए। यह मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था, जहां पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 281 रन बनाए थे। सूर्यवंशी को अपनी पारी के दौरान अली रजा की तेज गेंदबाजी का सामना करना पड़ा, जो एक एंगल बॉल थी। गेंद सूर्यवंशी के बल्ले का मोटा किनारा लेकर विकेटकीपर साद बेग के हाथों में समा गई। इससे पहले, भारत की शुरुआत काफी खराब रही थी। आयुष म्हात्रे भी महज 20 रन बनाकर आउट हो गए थे। वैभव सूर्यवंशी, जो बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले हैं, को राजस्थान रॉयल्स ने 1 करोड़ 10 लाख रुपये में खरीदा था, जबकि उनका बेस प्राइस सिर्फ 30 लाख था। इस आईपीएल डील के बाद से उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें थीं, खासकर एशिया कप के इस महत्वपूर्ण मैच में। सूर्यवंशी ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय अंडर-19 टीम में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेंचुरी भी बनाई थी, लेकिन एशिया कप में उनका प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। इस मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शाजेब खान के विस्फोटक 159 रन की पारी के दम पर भारत के सामने 282 रन का लक्ष्य रखा।

हॉकी इंडिया ने जूनियर एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला टीम की घोषणा की

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने रविवार को आगामी महिला जूनियर एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की घोषणा की। यह प्रतियोगिता 7 से 15 दिसंबर तक ओमान के मस्कट में खेली जाएगी। पिछले साल फाइनल में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर अपना पहला खिताब हासिल करने के बाद गत चैंपियन के रूप में भारत बड़ी उम्मीदों के साथ इस टूर्नामेंट में उतरेगा। प्रतियोगिता में 10 टीमें भाग लेंगी जिन्हें दो पूलों में विभाजित किया गया है। भारत को पूल ए में चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश के साथ रखा गया है, जबकि पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग चीन और श्रीलंका शामिल हैं। भारतीय जूनियर महिला टीम की कमान ज्योति सिंह के हाथों में होगी, जबकि साक्षी राणा उप-कप्तान होंगी। निधि और अदिति माहेश्वरी के रूप में टीम में दो गोलकीपर हैं, जबकि डिफेंस की कमान मनीषा, ज्योति सिंह, लालथंतलुआंगी, पूजा साहू और ममता ओरम संभालेंगी। मिडफील्डर में वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनीता टोप्पो, इशिका, रजनी केरकेट्टा, साक्षी राणा और खैदेम शिलेमा चानू जैसी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। अग्रिम पंक्ति में दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग, कनिका सिवाच, मुमताज खान और लालरिनपुई अटैक का नेतृत्व करेंगी। बिनिमा धन और हिमांशी शरद गवांडे को वैकल्पिक खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है। टीम के चयन पर कोच तुषार खांडेकर ने जारी बयान में कहा कि हम महिला जूनियर एशिया कप में अपने खिताब की रक्षा के लिए उत्साहित हैं। यह एक विशेष समूह है जिसमें अनुभव और युवा प्रतिभा का शानदार संतुलन है। हमारे कई खिलाड़ी पहले ही सीनियर स्तर पर अपने कौशल का प्रदर्शन कर चुके हैं और उनकी उपस्थिति टीम का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण होगी। हमारा ध्यान आक्रामक, अनुशासित खेल खेलने और मैच दर मैच आगे बढ़ने पर है। हमें अपनी तैयारी पर पूरा भरोसा है और हमारा मानना है कि इस टीम में खिताब की रक्षा करने और देश को फिर से गौरवान्वित करने की क्षमता है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

ऐसे बढ़ेगा मटर उत्पादन

जलवायु

मटर मुख्य रूप से ठण्डी जलवायु, रबी मौसम की फसल है. फसल पकते समय अपेक्षाकृत अधिक तापमान की आवश्यकता होती है.

भूमि

मटर की खेती के लिए बलुई-दोमट एवं दोमट भूमि उपयुक्त होती है.

उन्नतशील प्रजातियां

(अ) अगेती : इन किस्मों की फलियां बीज बोने के 60-70 दिन बाद खाने योग्य हो जाती है. उपज कम किन्तु बाजार भाव अच्छा मिलता है. इस वर्ग में मुख्य रूप से अर्किल, पंतमटर-2, पंत मटर-3, आजाज मटर-3, पंजाब अगेती, बी.एल. 7, जवाहर मटर-3, 4, हिसार हरित, असौंजी एवं अर्ली बैजर आदि आती है.

(ब) मध्यम : इन प्रजातियों की फलियां बीज बोने के 75-80 दिनों बाद खाने योग्य हो जाती हैं. इस वर्ग में पंत उपहार, आजाद मटर, अर्का अजीत एवं मीटियोर आदि हैं.

(स) पिछेती प्रजातियां : इस वर्ग की प्रजातियों की फलियों की तुड़ाई बीज बुवाई के 95-100 दिन बाद खाने योग्य हो जाती हैं. इस वर्ग में जवाहर मटर-1, बोनविले, एन.एल.पी. हैं. बीज उत्पादन के लिए चुनी गई किस्मों के गुणों के बारे में जैसे पौधों की लम्बाई पत्तियों की बनावट, आकार, फूल का रंग, फलियों की लम्बाई, दानों की संख्या, फलियों का आकार, तैयार होने का समय आदि के बारे में विस्तार से जान लेना चाहिए ताकि अन्य प्रजातियों को पौधों के समय पर छांट कर अलग किया जा सके.

बुवाई का समय

उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में मटर के बीज की बुवाई का सर्वोत्तम समय 25 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक है. इससे आगे या पीछे बोने पर उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है.

बीज बोने की विधि एवं मात्रा

मटर के बीज की बुवाई सीड ड्रिल या हल द्वारा कूड़ बनाकर कतारों में करनी चाहिए. बीज बोने के पूर्व बीज को कवकनाशी दवा कैप्टान अथवा थाइरम 2 ग्राम + 1 ग्राम बाविस्टीन के 3 ग्राम मिश्रण से प्रति किलोग्राम बीज की दर से सूखा उपचार कर लेना चाहिए.

खाद एवं उर्वरक

सामान्यत: 150 से 200 क्विं. गोबर/ कम्पोस्ट खाद प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 1 माह पूर्व भूमि में मिलायें. यूरिया 43 कि.ग्रा., फास्फोरस 375 कि.ग्रा. एवं म्यूरेट आफ पोटाश 109 कि.ग्रा. प्रति हे. देना चाहिए. इन सभी पोषक तत्वों की मात्रा को एक साथ मिलाकर खेत की अंतिम जुताई के समय भूमि में डालना चाहिए.

सिंचाई

बीज बोने से पूर्व जमीन में उचित नमी हो इसके लिए पहली सिंचाई पलेवा के रूप में करें. अगेती प्रजातियों के कुल तीन सिंचाई की आवश्यकता होती है. पहली सिंचाई पलेवा के रूप में, दूसरी सिंचाई पुष्पन क्रिया के समय बीज बोने के लगभग 30-35 दिन बाद तथा तीसरी सिंचाई फलियों में दाना बनते समय करनी चाहिए. सिंचाई हल्की ही करें. अधिक पानी न भरने दें. बीज वाली फसल में चौथी सिंचाई फलियां पकते समय करने से उपज में वृद्धि होती है किन्तु चूर्णी फफूंदी के प्रकोप सम्भावना बढ़ जाती है.

निराई-गुड़ाई

मटर की फसल में दो-तीन निराई गुड़ाई करने की आवश्यकता होती है. प्रारंभिक अवस्था में ही निराई गुड़ाई करें. देर से निराई-गुड़ाई करने से पौधों के टूटने की सम्भावना रहती है.

फसल निरीक्षण

बीज फसल से अवांछनीय पौधों का निष्कासन प्रजाति की अनुवांशिक शुद्धता बनाये रखने के लिए आवश्यक है. यह पौधों की कई अवस्थाओं पर किया जाता है. पहला निरीक्षण पुष्पन क्रिया से पहले किया जाता है. पौधों का प्रजाति विशेष के आधार पर उसके रंग, पत्तियों की बनावट आदि गुणों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है. अवांछनीय पौधों को निकाल दिया जाता है. दूसरा निरीक्षण पुष्पन क्रिया के समय फूल आने की अवधि, पुष्प रंग, आकार आदि को ध्यान में रखते हुए किया जाता है. अवांछित पौधों को खेत से उखाड़कर अलग कर दिया जाता है. तीसरा निरीक्षण फलियां बनते समय उनके रंग, आकार आदि को ध्यान में रखते हुए किया जाता है. अवांछित पौधे हटा दिये जाते हैं. चौथा और अंतिम निरीक्षण फसल पकते समय किया जाता है. इस समय फलियों को पकने की अवधि, दाने का रंग, पौधों की वृद्धि आदि को ध्यान में रखकर किया जाता है.

फसल कटाई

फसल पकने पर पूर्णत: भूरे रंग की होकर सूखना आरंभ कर देती है तथा कभी-कभी फलियां भी फटकर छिटकने लगती हैं. नवम्बर में बोई गई फसल अप्रैल में पककर तैयार हो जाती है. पकी हुई फसल को हंसिया या हाथों से उखाड़कर छोटे-छोटे ढेरों में दो-तीन दिन के लिए खेत में सूखने हेतु छोड़ दिया जाता है फिर उन्हें खलिहान पर एकत्र कर लेते हैं तथा एक-दो दिन खुली धूप में सुखाते हैं।

पैदावार

मटर के बीज की पैदावार अनेक कारणों पर निर्भर करती है. उन्नतशील प्रजातियों को सामयिक प्रबंधन करने से 15-20 क्विं./हे. बीज की पैदावार प्राप्त होती है.

बीज का शोधन एवं भण्डारण

ग्रेडर मशीन से बीज को साफ करके छोटे एवं बड़े आकार के बीजों में अलग कर लेते हैं. मध्यम आकार वाले दाने को एकत्र करके कवकनाशी दवा से उपचारित करके थैलों में भरकर सिलाई कर दी जाती है. थैलों के ऊपर प्रजाति का नाम, फसल का नाम, शुद्धता, अंकुरण तथा थैला भरने की तिथि एवं प्लाट नं. आदि अंकित किया जाता है.

उन्नति की दवा- जौ

जौ की खेती का क्षेत्र कम वर्षा की स्थिति में बढ़ जाता है। मध्यप्रदेश में सामान्यत: एक लाख हेक्टर में जौ की फ़सल बोई जाती है। जौ शुष्क एवं अर्धशुष्क क्षेत्रों में उगाई जाने वाली रबी की फसल है। इसकी खेती असिंचित या एक सिंचाई काली कम उपजाऊ जमीन में भी की जा सकती है ऐसी किसानों की सोच है इसलिए देश की औसम उपज 1482 किलोग्राम है जबकि उन्नत जातियों को संतुलित उर्वरक उपयोग कर 30 क्विंटल तक प्रति हेक्टर उपज आसानी से ली जा सकती है। जौ खाद्यान्न में गेहूं, चावल, मक्का के बाद चौथे स्थान पर है। जिसमें पोषक तत्वों की प्रचुर मात्रा में पौष्टिक तत्व पाये जाते हैं।

- मानव के लिए शीतल प्रभाव डालता हैं।
- जौ खाने से कोलेस्ट्रॉल के स्तर में कमी आती है।
- जौ लीवर की फेटी एसिड की सिन्थेटिक को उत्तेजित करता है।
- रेतीली लवणीय भूमि में असानी से उगाई जा सकती है।
- जहां खरीफ़ की फ़सल देरी से काटी गई हो वहां पर आसानी से जौ की बुवाई की जा सकती है।
- जहां पानी की कमी हो वहां जौ की खेती आसानी से की जा सकती है।

भूमि की तैयारी - दो जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा 3-4 जुताई देशी हल से कर भुरभुरी बना दें तथा अंतिम जुताई के बाद पाटा चलाकर समतल कर लें। यदि दीमक की समस्या हो तो 20 प्रतिशत क्लोरोपायरीफॉस दवा का भुरकाव कर खेत में मिला दें। बुवाई के समय यदि नमी कम हो तो पलेवा की बुवाई करें। असिंचित भूमि में से वर्षा जल को संरक्षित करें।

उन्नत किस्में -विजय, रत्ना, डी एल-3, गीतांजली।

उर्वरक प्रबंधक

सिंचित क्षेत्रों में उर्वरकों की अधिक मात्रा और असिंचित क्षेत्रों में कम से कम मात्रा उपयोग की जाती है। सिंचित क्षेत्र में फ़ास्फ़ोरस व पोटाश की पूरी मात्रा तथा नत्रजन की आधी मात्रा आधार खाद के रूप में तथा शेष मात्रा प्रथम सिंचाई के समय दी जाती है। जबकि असिंचित क्षेत्र में नत्रजन, स्फुर व पोटाश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में बुवाई के समय बीज के नीचे ओर कर देना चाहिए।

बीज दर से उपचार

असिंचित में 90 किग्रा, सिंचित में 100 किग्रा और देरी से बोई जाने पर 125 किग्रा प्रति हेक्टर बीज बोना चाहिये। प्रति किग्रा बीज को 3 ग्राम थाईरम दवा से उपचारित कर बोयें। साथ ही बीज बोने के पूर्व रात्रि में पानी में भिगोकर रखें जिससे अंकुरण अच्छा होता है तथा पैदावार भी अधिक मिलती है।

जलवायु

ईसबगोल की फसल को शीतोष्ण जलवायु की आवश्यकता होती है। जिसे रबी के मौसम में उगाया जाता है ।इसके लिए अधिक एवं नमयुक्त जलवायु उपयुक्त नहीं होती है। अंकुरण के लिए 20 से 25 डिग्री सेल्सियस तापक्रम कर आवश्यकता होती है एवं उचित बढ़वार हेतु 30 से 35 डिग्री सेल्सियस तापक्रम की आवश्यकता होती है।

भूमि : ईसबगोल की अच्छी पैदावार के लिए अच्छी जल निकास वाली बलूई दुमट मिट्टी उपयुक्त होती है ।

खेत की तैयारी

इसका बीज काफी हल्का होता है इस कारण खेत अच्छी तरह से तैयार होना चाहिए जिससें बीज उचित गहराई एवं दूरी पर गिर सकें। खेत की तैसारी हेतु दो बार आड़ा एवं खड़ा जुताई कर लेवें इसके बाद उसमें पाटा चलाकर जमीन को भूरभूरी एवं समतल कर लेना चाहिए। खेत तैयार होने पर 6×3 मीटर के आकार की क्यारियां बनाएं। क्यारियों की लम्बाई एवं चौड़ाई खेत की ढलान के अनुसार कम या अधिक भी कर सकते हैं।

प्रमुख जातियां

जवाहर ईसबगोल-4, गुजरात ईसबगोल-1 एवं गुजरात ईसबगोल-2 आदि उन्नतशील किस्में हैं। मध्यप्रदेश के लिए जवाहर ईसबगोल-4 किस्म के लिए अनुमोदित किया गया है।

बीज की मात्रा एवं बीजोपचार

बीज की मात्रा बोने की विधि पर निर्भर करता है कि हम किस विधि से बीज बो रहे हैं कतार विधि से अथवा छिटकवां विधि से। सामान्यत: 4-5 किलो बीज प्रति हेक्टयर की आवश्यकता होती है। बीज उपचार के लिए 1 ग्राम बाविस्टीन एवं 2 ग्राम डायथेन एम 45 या मेटालेक्सिल 35 एस.डी. 6 ग्राम को प्रति किलो बीज की दर से शुष्क बीजोपचार विधि से उपचारित करें।

ईसबगोल की उन्नत खेती

बोने की विधि

1. कतार द्वारा, 2. छिटकवां विधि द्वारा

1. यदि कतार के द्वारा बोते हैं तो कतार से कतार की दूरी 30 से.मी. और पौध की दूरी 5 से.मी. रखी जाती है। बोने के पहले बीज में समान मात्रा में रेत मिलाकर बोना चाहिए।

2. छिटकवां विधि से बोने पर बीज को अधिक गहरा न बोयें ।2 से 3 से.मी. से अधिक गहरा बीज न बोयें।

बोने का समय

ईसबगोल की बुवाई अक्टूबर के द्वितीय सप्ताह से नवम्बर के प्रथम सप्ताह तक अवश्य देना चाहिए।

गोबर खाद

5 टन प्रति हेक्टयर की दर से देना चाहिए। गोबर खाद को खेत की तैयारी के समय खेत में मिला देना चाहिए। यूरिया 130 प्रति हेक्टयर देना चाहिए। आधी मात्रा बोते समय, शेष प्रथम सिंचाई के समय, सिंगल सुपर फास्फेट 250 किलो प्रति हेक्टेयर एवं म्यूरेट ऑफ पोटाश 33 किलो प्रति हेक्टेयर देना चाहिए।

सिंचाई

बुवाई के तुरंत बाद अच्छे अंकुरण के लिए हल्की सिंचाई कर देना चाहिए। प्रथम सिंचाई 30 दिन में कल्ले निकलते समय एवं द्वितीय सिंचाई बाली निकलते समय कर देना चाहिए। फूल एवं दाना भरते समय सिंचाई न करें।

निंदाई एवं गुड़ाई

20 से 25 दिन बाद निंदाई अवश्य रूप से कर देना चाहिए। साथ में छनाई के भी कार्य कर देना चाहिए तथा पौध से पौध की दूरी 5 से.मी. रखना चाहिए।

कटाई

115 से 120 दिन में पक जाती है एवं पत्तियां सूखकर गिर जाती हैं तथा बालियों को मसलने पर दानें आसानी से बाहर आ जाते हैं उस अवस्था में फसल को काटकर अलग कर लेना चाहिए।

गहाई

काटने के पश्चात फसल को धूप में अच्छी तरह से सुखा लेना चाहिए इसके बाद डंडे से पीटकर दाने अलग कर लेना चाहिए ।

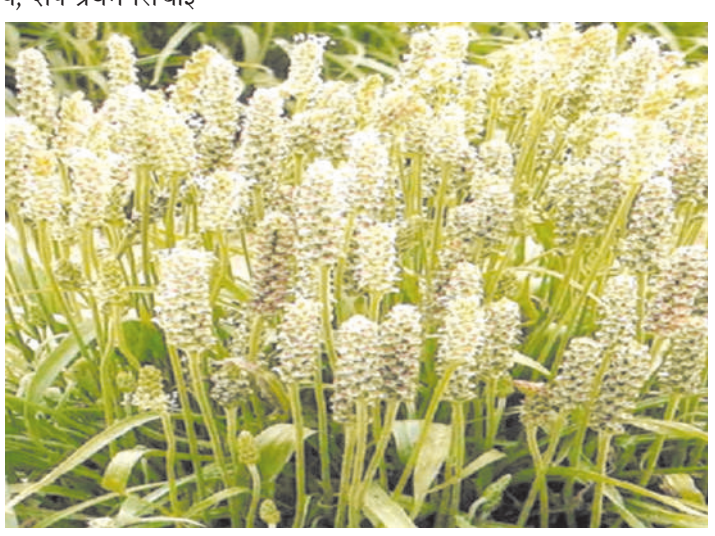

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

रिलीज से पहले ही पुष्पा 2 ने तोड़ा 52 साल का यह रिकॉर्ड, ऐसा करने वाली पहली फिल्म बनी

पुष्पा 2ः द रूल मुंबई के प्रतिष्ठित गेयटी-गैलेक्सी मल्टीप्लेक्स में सभी छह स्क्रीनों पर प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म बनकर एक नया रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए तैयार है। फिल्म के हर दिन कुल 18 शो होंगे। इस तरह अल्लू अर्जुन की यह फिल्म सिनेमा जगत में 52 साल के रिकॉर्ड को तोड़कर इतिहास रचने वाली है। फिल्म की एडवांस बुकिंग को पहले से ही शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, सीटें तेजी से भर रही हैं। मुंबई में हाल ही में एक कार्यक्रम में, मुख्य अभिनेता अल्लू अर्जुन ने खुलासा किया कि फिल्म विश्व स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ 12,000 से अधिक स्क्रीन पर रिलीज होगी। अब यह गेयटी-गैलेक्सी के सभी छह स्क्रीनों पर प्रदर्शित होने वाली पहली फिल्म है, एक मल्टीप्लेक्स जो आमतौर पर केवल दो या तीन स्क्रीनों पर फिल्में दिखाता है।

गेयटी-गैलेक्सी मल्टीप्लेक्स में तोड़ा यह रिकॉर्ड

पुष्पा 2ः द रूल छह सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी जिनमें गेयटी, गैलेक्सी, जेमिनी, गॉसिप, जेम और ग्लैमर शामिल हैं। अतीत में, अधिकांश फिल्में इनमें से केवल दो या तीन थिएटरों में दिखाई जाती थीं। 1000 सीटों वाली गेयटी में दोपहर 1ः00 बजे, शाम 5ः00 बजे और रात 9ः00 बजे शो होंगे, जबकि 800 सीटों वाली गैलेक्सी में दोपहर 12ः00 बजे, शाम 4ः00 बजे और 8ः00 बजे फिल्म दिखाई जाएगी। अन्य थिएटर भी दिन भर में अलग-अलग समय पर फिल्म की मेजबानी करेंगे।

प्रतिदिन चलेंगे 18 शो

प्रतिदिन 18 शो चलाने का निर्णय इस मल्टीप्लेक्स के लिए पहला है, जो फिल्म की भारी मांग और लोकप्रियता को उजागर करता है। शो की संख्या को सीमित करने वाले 200 मिनट के लंबे समय के बावजूद, फिल्म उत्साह बनाए रखने में कामयाब रही है। विशेष रूप से तेलुगु राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में टिकट की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

पुष्पा 2ः द रूल की उच्च मांग को मद्देनजर रखते हुए दोनों राज्य सरकारों ने टिकट की कीमत 600 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित करते हुए बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। यह केवल रिलीज के पहले चार दिनों, 5 दिसंबर से 9 दिसंबर तक लागू होगा। सुकुमार द्वारा निर्देशित और अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल अभिनीत यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

9 साल बाद पर्दे पर साथ दिखेंगे सूर्या और तृषा कृष्णन

साउथ सुपरस्टार सूर्या की 45वीं फिल्म अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। इसका अस्थायी शीर्षक सूर्या 45 है। दर्शकों को इस फिल्म से काफी उम्मीदे हैं क्योंकि सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म कंगुवा बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पस्त रही है। सूर्या 45 का इंतजार कर रहे प्रशंसकों के लिए खुशखबरी है। अभिनेता को तमिलनाडु के पोलाची में श्री मसानिअम्मन मंदिर में निर्देशक आरजे बालाजी के साथ आगामी फिल्म के लिए पूजा समारोह में भाग लेते देखा गया। एकादशी के शुभ अवसर पर, सूर्या और आरजे बालाजी के साथ उनकी टीम समारोह के लिए प्रसिद्ध मंदिर में एकत्रित हुई। भगवान के आशीर्वाद के साथ फिल्म का मुहूर्त शॉट लिया गया। आइए इसके शूटिंग शेड्यूल पर गौर फरमा लेते हैं-

सूर्या 45 की शूटिंग का पहला शेड्यूल 28 नवंबर, 2024 को कोयंबटूर में होगा। सूर्या 45 लगभग दो दशकों के बाद सूर्या और तृषा कृष्णन को स्क्रीन पर साथ ला रही है। दोनों को आखिरी बार 2005 की फिल्म आरू में एक साथ देखा गया था। यह फिल्म सूर्या और आरजे बालाजी के बीच पहले सहयोग का प्रतीक है। ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही इस फिल्म के लिए एआर रहमान को संगीतकार के रूप में चुना गया है। सूर्या 44 पर भी चल रहा काम सूर्या अगली बार कार्तिक सुब्बाराज की एक्शन फिल्म में दिखाई देंगे, जिसका अस्थायी नाम सूर्या 44 है। सूर्या के साथ, फिल्म में पूजा हेगड़े, जयराम, जोजू जॉर्ज, करुणाकरण, नासर और प्रकाश राज जैसे अन्य कलाकार हैं। फिल्म का संगीत संतोष नारायणन ने तैयार किया है। शूटिंग पूरी होने और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरों पर होने के साथ, निर्माता इसे 2025 की गर्मियों में रिलीज की योजना बना रहे हैं।

पर्दे पर पस्त हुई कंगुवा

सूर्या 44 और सूर्या 45 के अलावा अभिनेता की पाइपलाइन में वेत्री मारन की वादीवासल और लोकेश कनगराज की रोलेक्स स्टैंडअलोन फिल्म भी है। इस तरह अभिनेता की आगामी लाइन-अप आशाजनक लगती है। वहीं, सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म कंगुवा सिनेमाघरों में चल रही है, जिसे ज्यादातर नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं। दरअसल, फिल्म को उनके जोरदार बैकग्राउंड म्यूजिक के कारण नकारात्मक समीक्षाएं मिलीं। समीक्षाओं का असर बॉक्स ऑफिस पर भी पड़ा है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी फ्लॉप साबित हुई है।

बाहुबली की सफलता के बाद अपनी भूमिकाओं पर तमन्ना भाटिया का खुलासा

तमन्ना भाटिया ने 2005 में हिंदी फिल्म चांद सा रोशन चेहरा से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। उसी साल उन्होंने फिल्म श्री से तेलुगु इंडस्ट्री में भी कदम रखा और उसके अगले साल केडी से तमिल में डेब्यू किया। तब से तमन्ना ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और आज वह सभी की पसंदीदा अभिनेत्री हैं।

लेकिन ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म बाहुबली 1 और बाहूबली 2 उनके जीवन का एक बहुत महत्वपूर्ण मोड़ था। बाहुबली की आपार सफलता के बाद तमन्ना का जीवन कैसा था। तमन्ना भाटिया जब फिल्म इंडस्ट्री में आई थीं, तब वह नई थीं। इसलिए, ग्लैमर और चकाचौंध की दुनिया की भाषा और संस्कृति से तालमेल बिठाने के दौरान अभिनेत्री को शुरुआती सालों में काफी संघर्ष करना पड़ा था। अब तक, उन्होंने केवल 19 सालों में 80 से अधिक फिल्मों में काम किया है। बहरहाल, तमन्ना इन दिनों अविनाश तिवारी और जिमी शेरगिल के साथ आगामी फिल्म सिकंदर का मुकद्दर के प्रचार में व्यस्त हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अपने करियर में शुरुआती संघर्षों के बारे में बात करते हुए तमन्ना ने कहा, मुझसे बहुत बड़े लोगों के साथ और ऐसी जगह पर काम करना जहां मुझे भाषा नहीं आती थी, मेरी सबसे बड़ी सीखों में से एक थी। मैंने एक पूरी तरह से अलग संस्कृति को समझा और अब मैं तमिल और तेलुगु दोनों में बोल सकती हूं।卐 मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तमिल और तेलुगु में अपनी बैक-टू-बैक ब्लॉकबस्टर फिल्मों की व्यावसायिक सफलता के बाद अपने करियर में आए बदलाव के बारे में बताते हुए तमन्ना ने कहा, मुझे व्यावसायिक सफलता तो मिली, लेकिन एक अभिनेत्री के तौर पर मैं अभी भी सीख रही थी। मैं अलग-अलग तरह की चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाना चाहती थी, जब कोई अभिनेता व्यावसायिक रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहा होता है, तो यह धारणा बन जाती है कि इससे दूर जाना और भूमिकाओं के साथ प्रयोग करना अनावश्यक है, लेकिन मेरा फंडा हटके था... मैं शुरू से ही अलग-अलग भूमिकाएं निभाना चाहती थी। तमन्ना ने अपनी जीवन पर बाहुबली के प्रभाव के बारे में बात करते हुए कहा, यह सभी के लिए एक गेम-चेंजर फिल्म थी, लेकिन इसने वास्तव में मेरी सोच और समझ को व्यापक बनाया। आप बाहुबली से बड़ा कुछ कैसे कर सकते हैं? मुझे आगे क्या करना चाहिए? क्या मुझे कुछ बड़ा करना चाहिए? या मुझे फिर से आविष्कार करना चाहिए।

काली काली आंखें को मिली तारीफ से गदगद हैं आंचल

आंचल सिंह की सीरीज काली काली आंखें का दूसरा सीजन नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुका है। इसमें उनके साथ ताहिर राज भसीन, सौरभ शुक्ला, श्वेता त्रिपाठी और आंचल सिंह नजर आ रहे हैं। इनके अलावा इस बार गुरमीत चौधरी भी उनका साथ देते हुए नजर आ रहे हैं। शो में एक बार फिर से रणनीति और लुका-छिपी का खेल देखने को मिल रहा है। इसका पहला सीजन साल 2022 में आया था और अब दो साल बाद इसका अगला सीजन रिलीज हुआ है। अभिनेत्री ने सीजन 2 को मिले प्यार पर दर्शकों का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि लोगों से इतने ज्यादा प्यार की उन्हें उम्मीद नहीं थी। दर्शकों ने इस शो को उनकी उम्मीद से भी ज्यादा प्यार दिया है। अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्हें लगातार अलग-अलग शहरों से लोग कमेंट और मैसेज के जरिए प्यार जता रहे हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि अक्सर लोग कहते हैं कि सीजन 2 सीजन 1 से अच्छा नहीं होता है, लेकिन लोगों को इसका सीजन 2 काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। हम सभी ने इसे बहुत प्यार और शिद्दत से बनाया है। मैं बहुत खुश हूं कि हमारी सीरीज ट्रेंडिंग में है।

चुनौती भरा रहा शूटिंग का अहसास

आंचल ने इस बातचीत में आगे बताया कि इस बार काली काली आंखे में बहुत कुछ हो रहा है। इसमें पॉलिटिक्स, प्यार के साथ और भी कई चीजें देखने को मिल रही हैं। हालांकि, लोग इसमें प्यार के लिए हदें पार करते हुए नजर आ रहे हैं। यह सीजन दो साल के बाद आया है। इस गैप के पीछे की वजह है कि लोगों द्वारा इसे प्यार मिल रहा है। कई लोगों को इस बार की स्टोरी लाइन, ड्रामा काफी नया लग रहा है और लोग इसकी तारीफ कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस सीरीज को मुंबई, मनाली और लंदन में शूट किया गया है। इसके लिए उन्हें तीन बजे सुबह उठना पड़ता था। बर्फ के बीच इसकी शूटिंग करना उनके लिए काफी चुनौती भरा था, लेकिन उन्हें ये करने में काफी मजा आया।

इस किरदार के बाद लगा मेरा नया जन्म हुआ है

अभिनेत्री ने अपने किरदार अपूर्वा को लेकर कहा कि उसमें उन्हें काफी गहराई नजर आती है। उनका किरदार इमोशनल है, फाइटर है और वो हर परिस्थिति से लड़ने को तैयार रहती है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्होंने अपने किरदार से सीखा कि इंसान को वास्तविक जीवन में अपने स्वाभाव के प्रति ईमानदार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, अपूर्वा प्यार करती है, तो छिपाती नहीं है। वो हमेशा अपनी चीजों को दिखाने और कहने के प्रति ईमानदार रहती है। यह किरदार मेरे लिए जिंदगी भर खास रहेगा। इस किरदार के बाद लगा कि मेरा नया जन्म हुआ है।

चंकी पांडे ने संघर्षों पर की बात बताया कैसे बन गए प्रॉपर्टी डीलर

चंकी पांडे बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रहे हैं। उन्होंने इंडस्ट्री में एक लंबा सफर तय किया है। अस्सी और नब्बे के दशक की शुरुआत में एक सफल करियर के बाद बतौर मुख्य किरदार उनके लिए अवसर कम होते चले गए। इसके बाद उन्होंने चरित्र भूमिकाएं निभानी शुरू कर दी। हाल में ही बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपनी बेटी अनन्या पांडे के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बांग्लादेश में काम करने और वहां जीविका कमाने के लिए किए गए संघर्ष को याद किया। इस बातचीत के दौरान चंकी ने बांग्लादेश में काम करने और जीविका कमाने के लिए संघर्ष करने को याद किया। इसे लेकर अनन्या ने उनसे पूछा कि 90 के दशक की शुरुआत के बाद चंकी का करियर ढलान पर आ गया, तो क्या उन्हें कभी ऐसा लगा कि यह अंत है। चंकी ने जवाब देते हुए कहा, हां हां। अंत का मतलब है कि यह म्यूजिकल चेयर्स की तरह था और जब संगीत बंद हो गया, तो आपके पास बैठने के लिए कुर्सी नहीं थी। मेरा मतलब है, मेरे पास ब्लॉकबस्टर फिल्में थीं।

बांग्लादेश में प्रॉपर्टी डीलर और इवेंट मैनेजमेंट में किया काम

अभिनेता ने आगे कहा, इसलिए मैं बांग्लादेश चला गया, वहां फिल्में कीं। सौभाग्य से वे कामयाब रहीं और मैंने 4-5 साल तक उसे अपना घर बना लिया, लेकिन यह डरावना था।असल में मैंने काम करना बंद नहीं किया। मैंने एक इवेंट कंपनी खोली। फिर मैंने इवेंट करना शुरू किया। मैंने जमीन का सौदा करना, प्रॉपर्टी खरीदना शुरू किया। मैंने बस अपने अहंकार को किनारे रखा और खुद से कहा कि मुझे जीवित रहने की जरूरत है और इसलिए मैंने ये सब किया लेकिन मैंने उस प्रक्रिया में बहुत कुछ सीखा।

तमाम चुनौतियों के बाद डटे रहे चंकी

इन तमाम चुनौतियों के बावजूद, चंकी पांडे का करियर चलता रहा है। 1980 के दशक में तेजाब और आंखें जैसी हिट फिल्मों से स्टारडम हासिल करने के बाद, उन्होंने 2000 के दशक में खुद को एक चरित्र अभिनेता के रूप में फिर से स्थापित किया। इस दौरान उन्होंने हाउसफुल जैसी फिल्मों में अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए काफी तारीफ भी हासिल की। इस लगातार बदलते उद्योग में खुद को ढालने और बने रहने की उनकी क्षमता और प्रतिभा को दर्शाती है।

पुष्पा की शूटिंग जल्दी खत्म करना चाहते थे अल्लू अर्जुन

तेलुगू स्टार और नेशनल अवॉर्ड विनिंग अभिनेता अल्लू अर्जुन ने अपने काम के अनुभव को लेकर बात की। फिल्म पुष्पा- द राइज को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में शूटिंग से जुड़ी कुछ खास बातें साझा की हैं। अल्लू अर्जुन ने बताया कि पिछले पांच साल से इस फिल्म के लिए काम कर रहे हैं। वे जल्द से जल्द पुष्पा की शूटिंग खत्म करना चाहते थे। वे अपने किरदार के लिए अपनी दाढ़ी बढ़ाने के लिए बाध्य थे, इसलिए वे जल्दी शूटिंग खत्म कर उसे हटाना चाहते थे। अल्लू अर्जुन ने कहा, मैंने इस फिल्म की शूटिंग लगभग पांच साल तक की, जिसमें पहला और दूसरा भाग भी शामिल है। मैं इस फिल्म के खत्म होने का इंतजार कर रहा था ताकि मैं क्लीन शेव कर सकूं। मेरी बेटी मेरे पास नहीं आती क्योंकि मैं उसे चूम नहीं सकता क्योंकि मेरी दाढ़ी है। मैंने पिछले तीन-चार सालों में उसे ठीक से चूमा नहीं है। अल्लू अर्जुन ने कहा कि जब उन्होंने पुष्पा की शूटिंग पूरी कर ली तो अगले दिन वे काफी भावुक हो गए। उन्होंने कहा, अगले दिन जब शूटिंग पूरी हो गई, मैं शांत सा हो गया। ये मेरे लिए बहुत कठिन समय था। मैं जिन चेहरों को पिछले पांच साल से देख रहा था, उन्हें मैंने फिर देखा।